MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 19 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-315

राम घटेंगे-रहीम बढ़ेंगे

2035 तक दुनिया में मुस्लिम सबसे बड़ी आबादी



नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

दुनिया में धार्मिक आबादी के स्वरूप में आने वाले दशकों में महत्वपूर्ण बदलाव होने का अनुमान है। प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी अनुमानों के अनुसार, 2035 तक मुस्लिम आबादी ईसाई आबादी को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समूह बन सकती है। वहीं, हिंदुओं और यहूदियों की वैश्विक आबादी में हिस्सेदारी कम होने का अनुमान जताया गया है।

प्यू रिसर्च सेंटर पिछले 25 वर्षों से धार्मिक जनसांख्यिकी पर रिपोर्ट जारी करता रहा है। संगठन के अनुसार, इस्लाम और ईसाई धर्म दोनों की आबादी बढ़ रही है, लेकिन मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर अपेक्षाकृत अधिक है। इसके प्रमुख कारणों में अन्य बड़े धार्मिक समूहों की तुलना में मुस्लिम महिलाओं की अधिक प्रजनन दर शामिल है।

प्रजनन दर में अंतर प्रमुख कारण

प्यू के वरिष्ठ जनसांख्यिकी विशेषज्ञ कॉनराड हैकेट ने कहा कि आबादी में वृद्धि का प्रमुख कारण बच्चों की संख्या है। उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्म परिवर्तन या धार्मिक पहचान बदलने की तुलना में प्रजनन दर का प्रभाव अधिक बड़ा है।

प्यू के अनुसार, 2020-2025 के दौरान मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर प्रति महिला 3.1 बच्चे थी, जबकि ईसाई महिलाओं के लिए यह दर 2.5 थी। अन्य सभी महिलाओं के लिए औसत प्रजनन दर 1.6 रही, जो 2.1 के उस स्तर से कम है जिसे किसी पीढ़ी के स्वयं को बनाए रखने के लिए आवश्यक माना जाता है।

2070 तक 3.6 अरब मुस्लिम होने का अनुमान

प्यू के नवीनतम अनुमानों के अनुसार, 2020 में दुनिया भर में 2.27 अरब ईसाई और 2.02 अरब मुस्लिम थे। नए अनुमानों के मुताबिक, 2035 तक मुस्लिम आबादी 2.57 अरब और ईसाई आबादी 2.52 अरब हो सकती है।

यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो 2070 तक दुनिया में मुस्लिम आबादी 3.6 अरब से अधिक हो सकती है, जबकि ईसाई आबादी तीन अरब से थोड़ी कम रहने का अनुमान है। ये अनुमान प्यू की व्यापक परियोजना का हिस्सा हैं, जिसमें 2020 से 2070 के बीच प्रमुख धार्मिक समूहों की आबादी में संभावित बदलावों का अध्ययन किया गया है। इसमें धार्मिक समूहों की आयु संरचना, प्रजनन दर, धर्म परिवर्तन और प्रवास के पैटर्न को ध्यान में रखा गया है।

अमेरिका और कनाडा में भी बदलाव के संकेत

प्यू के अनुमानों के अनुसार, अगले 40 वर्षों में अमेरिका में ईसाइयों का बहुमत समाप्त हो सकता है। वर्तमान में अमेरिका की कुल आबादी में ईसाइयों की हिस्सेदारी लगभग 62 प्रतिशत है, जो 2065 तक घटकर 50 प्रतिशत से नीचे आने का अनुमान है।

पड़ोसी कनाडा में भी 2030 तक ईसाई आबादी की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से नीचे आने की संभावना जताई गई है। दोनों देशों में इस गिरावट का एक प्रमुख कारण उन लोगों की संख्या में वृद्धि है, जिनका किसी धर्म से कोई जुड़ाव नहीं है। अनुमान है कि 2070 तक ऐसे लोगों की हिस्सेदारी अमेरिका की कुल आबादी में 41 प्रतिशत हो सकती है और कनाडा में उनकी संख्या ईसाइयों से भी अधिक हो सकती है।

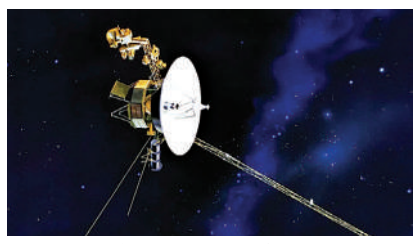
मुस्लिम आबादी में 80 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान

प्यू के अनुसार, 2020 से 2070 के बीच दुनिया की आबादी में 29 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है। अध्ययन में शामिल धार्मिक समूहों में मुस्लिम और ईसाई आबादी में अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि की संभावना है।

▶8पर

अंतरिक्ष में इतिहास

मानव वस्तु पहली बार इतनी दूर पहुंची



नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

अंतरिक्ष में अनगिनत रहस्य छिपे हैं और इन रहस्यों से पर्दा उठाने के लिए दुनियाभर की अंतरिक्ष एजेंसियां लगातार प्रयासरत हैं। अब तक अंतरिक्ष में कई उपग्रह और अंतरिक्ष जांच यान भेजे जा चुके हैं। इन्हीं में एक खास यान वॉयजर-1 ने इतिहास रच दिया है। यह मानव द्वारा निर्मित पहली ऐसी वस्तु है, जो पृथ्वी से इतनी दूर पहुंची है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इसे वर्ष 1977 में अंतरिक्ष में भेजा था। अब यह यान पृथ्वी से लगभग 26 अरब किलोमीटर की दूरी, यानी एक प्रकाश दिवस के बराबर दूरी का ऐतिहासिक मील का पत्थर पार कर चुका है।

क्या होता है प्रकाश दिवस?

प्रकाश दिवस उस दूरी को कहते हैं, जिसे प्रकाश 24 घंटे में तय करता है। प्रकाश की गति लगभग तीन लाख किलोमीटर प्रति सेकंड होती है। अंतरिक्ष में अत्यंत लंबी दूरियों को समझने के लिए वैज्ञानिक प्रकाश-समय आधारित इकाइयों का उपयोग करते हैं।

एक प्रकाश दिवस का अर्थ है कि वॉयजर-1 से भेजे गए संदेश को पृथ्वी तक पहुंचने में लगभग 24 घंटे लग सकते हैं। इतनी दूरी तक पहुंचना इसलिए खास है, क्योंकि इससे पहले कोई भी मानव निर्मित अंतरिक्ष यान पृथ्वी से इतनी दूर नहीं पहुंचा था। 5 सितंबर 1977 को प्रक्षेपित किया गया यह अंतरिक्ष यान अब तक लगभग 26 अरब किलोमीटर की दूरी तय कर चुका है। यह सूर्य से प्लूटो की औसत दूरी से भी कई गुना अधिक दूर पहुंच चुका है। विशेष बात यह है कि 1970 के दशक की तकनीक से निर्मित यह यान अपनी निर्धारित उम्र से कहीं अधिक समय तक सक्रिय रहा है और आज भी वैज्ञानिकों को महत्वपूर्ण जानकारियां भेज रहा है।

बृहस्पति और शनि के रहस्यों से उठाया पर्दा

5 सितंबर 1977 को प्रक्षेपित वॉयजर-1 ने अपने शुरुआती मिशन के दौरान बृहस्पति और शनि ग्रहों का अध्ययन किया। इसने शनि के सबसे बड़े चंद्रमा टाइटन की ऐतिहासिक तस्वीरें भेजीं और कई वैज्ञानिक खोजों में योगदान दिया। इस यान ने ग्रहों के चंद्रमाओं, छल्लों और वातावरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाईं। वर्ष 1980 में वॉयजर-1 शनि के सबसे बड़े चंद्रमा टाइटन के बेहद करीब से गुजरा था। वहां से प्राप्त तस्वीरों और आंकड़ों ने वैज्ञानिकों को इस रहस्यमयी दुनिया को समझने में मदद की।

अंतरतारकीय अंतरिक्ष में पहुंचने वाला पहला यान

वॉयजर-1 की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह है कि यह सौर मंडल की सीमा पार कर अंतरतारकीय अंतरिक्ष में पहुंचने वाला पहला मानव निर्मित यान बना। इसके माध्यम से वैज्ञानिक सौर मंडल के बाहर के वातावरण का अध्ययन कर रहे हैं। हालांकि, अब इसके अधिकांश उपकरण बंद किए जा चुके हैं और इसकी ऊर्जा लगातार कम हो रही है, लेकिन दो उपकरण अब भी काम कर रहे हैं।

कई बार टूटते-टूटते बचा संपर्क

पिछले कुछ वर्षों में वॉयजर-1 को कंप्यूटर और संचार संबंधी कई तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

▶8पर

हमारा बजाज : मेड इन पाक की खुली पोल



नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सोशल मीडिया हैंडल्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मनीला यात्रा के दौरान एक ऑटो-रिक्शा में सवारी करने की तस्वीर को लेकर दावा किया कि उन्होंने 'मेड इन पाकिस्तान' वाहन में यात्रा की।

हालांकि, इस दावे की सच्चाई कुछ और ही निकली। प्रधानमंत्री जिस तिपहिया वाहन में सवार हुए थे, वह भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी बजाज द्वारा निर्मित था और उसे विशेष रूप से सजाया गया था।

मंगलवार को मनीला में आयोजित आसियान शिखर सम्मेलन के गाला डिनर में पहुंचते समय प्रधानमंत्री मोदी और दुनिया के कई अन्य नेता विशेष रूप से सजाए गए तिपहिया वाहनों में सवार हुए थे। फिलीपींस की पारंपरिक 'जीपनी' से प्रेरित कलाकृतियों वाले इन रंग-बिरंगे वाहनों की व्यवस्था शिखर सम्मेलन के मेजबान देश ने की थी। फिलीपींस में सार्वजनिक वाहनों पर इस तरह की कलाकृतियां आमतौर पर देखने को मिलती हैं।

पाकिस्तानी दावे के पीछे क्या था आधार

पाकिस्तानी सोशल मीडिया पर यह दावा एक खास घटनाक्रम के आधार पर फैलाया गया। पिछले महीने पाकिस्तानी वाहन निर्माता कंपनी साजगार, जो तिपहिया वाहन बनाती है, ने फिलीपींस के लगुना में अपनी पहली विदेशी निर्माण इकाई शुरू की थी। यह दक्षिण-पूर्व एशिया में कंपनी के विस्तार की योजना का हिस्सा था। हालांकि, आसियान शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं को लाने-ले जाने के लिए इस्तेमाल किए गए तिपहिया वाहन भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी बजाज द्वारा निर्मित थे। इन संशोधित वाहनों के वीडियो में डिजिटल उपकरण पैनल पर बजाज का लोगो स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था।

▶8पर

मोदी नशा

युवाओं को बचाना होगा : पीएम



नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक में देश में बढ़ती नशे की समस्या पर गहरी चिंता जताते हुए भावुक हो गए। सूत्रों के मुताबिक, युवाओं में नशे की लत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को हर हाल में नशे के चंगुल से बचाना होगा। प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता का उदाहरण देते हुए नशे की समस्या को भी जड़ से खत्म करने का आह्वान किया।

नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की अहम बैठक आयोजित हुई। आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद मनीला से देर रात दिल्ली लौटे प्रधानमंत्री ने सुबह 10:30 बजे बैठक की अध्यक्षता की। करीब साढ़े तीन घंटे तक चली बैठक में नशे की बढ़ती समस्या, गरीबी उन्मूलन, नक्सलवाद, वित्तीय सशक्तीकरण और प्रशासनिक सुधारों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

नशे की समस्या पर भावुक हुए प्रधानमंत्री

सूत्रों के अनुसार, बैठक में देश के युवाओं पर नशे के बढ़ते प्रभाव की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी भावुक हो गए। उन्होंने रुंधे गले से कहा कि युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में जाने से हर हाल में रोकना होगा।

प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि जब देश से नक्सलवाद खत्म किया जा सकता है, तो नशे की समस्या को भी जड़ से समाप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने मंत्रियों और अधिकारियों को आगाह किया कि नक्सलवाद के खिलाफ हासिल उपलब्धियों को बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि नक्सलवाद दोबारा सिर न उठा सके।

50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर दोबारा गरीब न बनें

बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबी उन्मूलन के मुद्दे पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने 2014 में पहली बार केंद्र में सरकार बनने के बाद संसद के केंद्रीय कक्ष में दिए गए अपने भाषण को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी सरकार को गरीबों के लिए समर्पित बताया था। उन्होंने दावा किया कि आज देश में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आ चुके हैं। हालांकि, अब सबसे बड़ी जरूरत यह सुनिश्चित करने की है कि ये लोग दोबारा गरीबी के दुष्चक्र में न फंसें।

प्रधानमंत्री ने इसके लिए लोगों के बीच बचत की आदत को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज की संस्कृति केवल 'खाओ-पियो और मौज करो' वाली नहीं रही है, बल्कि बचत करना भारतीयों के स्वभाव का अहम हिस्सा रहा है। इस आदत को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 20^0

21 का आटा 69

कांग्रेस ने महँगाई पर माँगा स्वेत-पत्र



नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने लगातार बढ़ती महंगाई से आम आदमी की जेब पर पड़ रहे बोझ को लेकर सरकार की आर्थिक नीतियों पर निशाना साधा है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के आंकड़ों का हवाला देते हुए महंगाई पर सरकार से श्वेतपत्र जारी करने तथा आम लोगों को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की तरक्की उनके भाषणों की लंबाई से नहीं, बल्कि आम लोगों की थाली में मौजूद भोजन और उनकी जेब में बचे पैसों से मापी जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 में महंगाई कम करने का वादा किया गया था, लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि आम आदमी की थाली छोटी, जेब खाली और घर चलाना मुश्किल होता जा रहा है। महंगाई से जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में हुई वृद्धि के आंकड़े देते हुए खरगे ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि वर्ष 2014 में आटे की कीमत 21 रुपये थी,

▶8पर

घाटी में आखिरी स्थानीय दहशतगर्द ढेर

आतंक का अंत

श्रीनगर, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। कुलगाम में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी लतीफ भट को मार गिराया गया। लतीफ को घाटी का आखिरी सक्रिय स्थानीय आतंकी बताया जा रहा था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी उसे कश्मीर में लश्कर का आखिरी स्थानीय आतंकी बताया है। ऐसे में लतीफ का मारा जाना सुरक्षा बलों के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। हालांकि, इससे स्थानीय आतंकियों का नेटवर्क पूरी तरह खत्म हुआ है या नहीं और घाटी आतंकवाद से मुक्त होने की दिशा में कितनी आगे बढ़ी है, इस पर भी चर्चा हो रही है। लतीफ भट पिछले कुछ समय से सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर था। 11 नवंबर को कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की चौकी पर हमला हुआ था। इस हमले में तीन जवान घायल हुए थे। हमले के बाद आतंकी मौके से फरार हो गए थे। सुरक्षा बलों ने उनकी तलाश में बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया। इस दौरान पूरे इलाके में तलाशी ली गई। एक दिन में 15 गांवों में तलाशी अभियान चलाया गया और हजारों जवानों को तैनात किया गया। 500 से अधिक लोगों से पूछताछ भी की गई।



▶8पर

34.32 करोड़ की गलती

वकील के खाते में ट्रांसफर, 48 घंटे तक सोता रहा एनएचएआई

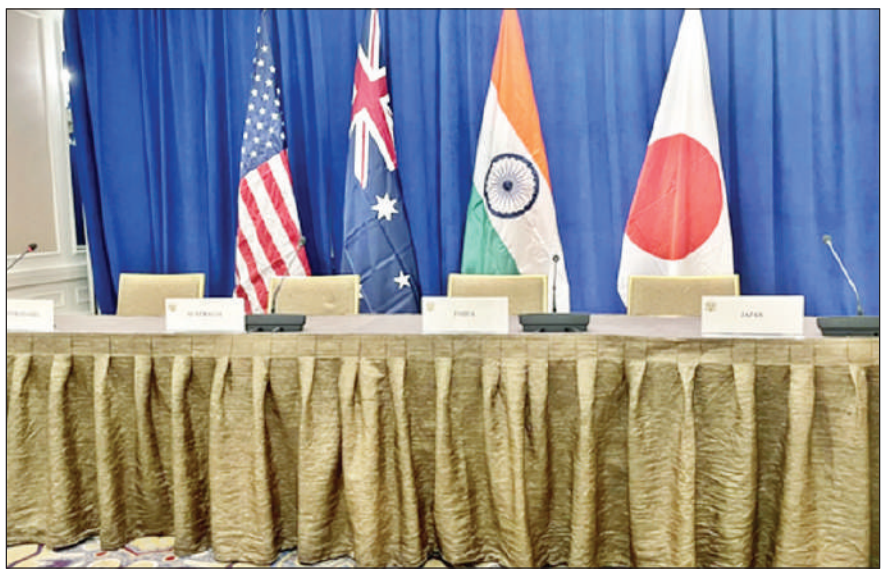
इंदौर, 18 नवंबर (एजेंसियां)।



सरकारी विभागों की लापरवाही के कई मामले सामने आते रहते हैं, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की एक चूक ने सभी को हैरान कर दिया। विभाग ने गलती से इंदौर के एक वरिष्ठ अधिवक्ता के बैंक खाते में 34 करोड़ 32 लाख 94 हजार 346 रुपये ट्रांसफर कर दिए। हैरानी की बात यह रही कि करीब 48 घंटे तक अधिकारियों को इस गलती का पता नहीं चला। वकील ने खुद विभाग को इसकी जानकारी दी और पूरी रकम वापस लौटा दी।

मामला इंदौर के वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया से जुड़ा है। जानकारी के मुताबिक, 7 नवंबर 2026 को उनके बैंक खाते में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण (एनईएफटी) के जरिए 34 करोड़ 32 लाख 94 हजार 346 रुपये जमा हुए। बैंक की ओर से फोन आने और मोबाइल पर संदेश मिलने के बाद बागड़िया हैरान रह गए। उन्होंने जब रकम के स्रोत की जांच की तो पता चला कि यह पैसा एनएचएआई की ओर से भेजा गया था।

▶8पर



क्वाड शिखर सम्मेलन : भारत वाली चौकड़ी ने चीन को दिया झटका

मनीला

करीब दो सालों के अंतराल के बाद हुए क्वाड शिखर सम्मेलन ने हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में चीन के खिलाफ कूटनीतिक मोर्चाबंदी जारी रहने का स्पष्ट संदेश दिया है। इस बैठक ने अमेरिका और चीन के बीच समीकरण बदलने की अटकलों पर भी विराम लगाया है।

मनीला में यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब चीन और मेजबान फिलीपींस के बीच तनातनी अपने चरम पर है। यह सम्मेलन अमेरिकी राष्ट्रपति के चीन दौरे के ठीक एक दिन पहले हुआ, जहां वे चीनी राष्ट्रपति और रूसी समकक्ष के साथ बैठक करेंगे। इस तरह अमेरिका ने भी चीन को स्पष्ट संदेश दिया है कि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र को लेकर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

बता दें कि क्वाड की पिछली बैठक 2024 में अमेरिका में हुई थी और 2025 के लिए इसकी अध्यक्षता भारत को सौंपी गई थी। हालांकि, उस समय बने राजनीतिक हालातों के कारण यह बैठक नहीं हो पाई। इस दौरान कुछ हलकों में क्वाड के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन भारत के कूटनीतिक प्रयासों से क्वाड को फिर से सक्रिय करने में सफलता मिली। बीते मई में भारत में हुए क्वाड के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन के बाद मनीला में शिखर सम्मेलन के आयोजन से एक बार फिर भारत, जापान, आस्ट्रेलिया और अमेरिका इस मंच पर एकजुट हुए हैं। उन्होंने हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन और स्वतंत्र नौवहन के महत्व पर सहमति जताई है। यह चीन के लिए एक कूटनीतिक झटका है और भविष्य के लिए स्पष्ट संदेश भी कि क्वाड कायम है। जानकार मनीला सम्मेलन को एक बड़ी कूटनीतिक घटना मानते हैं। इसकी एक अहम वजह यह भी है कि क्वाड की स्थापना भी 2007 में मनीला में हुई थी, जब वहां नेता आसियान शिखर सम्मेलन में जुटे थे।

मनीला में आयोजित इस शिखर सम्मेलन में क्वाड देशों ने भविष्य के सहयोग के लिए चार प्रमुख पहलों की घोषणा की है। इनमें सबसे पहले 2027 में मुंबई में होने वाला पहला क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम शामिल है, जिसकी मेजबानी भारत करेगा। इसका उद्देश्य चारों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना है। दूसरी महत्वपूर्ण पहल एआई एक्सेलेरेटर है, जिसका लक्ष्य पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भरोसेमंद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तक पहुंच को आसान बनाना, इसके उपयोग को बढ़ावा देना और संबंधित प्रयासों को वित्तीय सहयोग देना है। तीसरी पहल हिंद-प्रशांत समुद्री निगरानी है, जो समुद्री क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है। इसके तहत 2027 में पहली बार क्वाड के पी-8 और पी-3सी गश्ती विमान समुद्री सैन्य अभ्यास में हिस्सा लेंगे, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा मजबूत होगी। चौथी पहल केबल कनेक्टिविटी को मजबूती देने से जुड़ी है, जिसके तहत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षित और भरोसेमंद संचार बुनियादी ढांचे तक पहुंच का विस्तार किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में बसना अब हुआ सपना, 10 लाख भारतीय ग्रीन कार्ड मिलने का कर रहे इंतजार



वाशिंगटन। भारतवंशियों के लिए अमेरिका में बसने का सपना अब मुश्किल होता जा रहा है। ग्रीन कार्ड मिलने में सालों की देरी, ट्रम्प प्रशासन की सख्त वीजा नीतियां और नस्लीय भेदभाव की आशंका इसकी बड़ी वजह हैं। अमेरिका की नेशनल फाउंडेशन फार अमेरिकन पालिसी के मुताबिक करीब 10 लाख भारतीय ग्रीन कार्ड मिलने का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले करीब 30 हजार भारतीयों ने दूसरे देशों की स्थायी रेजिडेंसी भी हासिल कर ली है। माइग्रेशन एजेंसियों के मुताबिक ये लोग अमेरिका के साथ-साथ दूसरे देशों में भी अपना ठिकाना तैयार कर रहे हैं। इनमें दुबई और यूरोप के देश सबसे पसंदीदा विकल्प बनकर उभरे हैं। मिलियनेयर माइग्रेंट फर्म के जेरेमी सैवरी के मुताबिक भारतीय अब अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में भी बसने के विकल्प तलाश रहे हैं। ट्रम्प की सख्त वीजा नीतियां और नस्लीय भेदभाव की आशंका भी इसकी वजह हैं। दुबई का बिजनेस फ्रेंडली माहौल और गोल्डन वीजा भारतीयों को आकर्षित कर रहा है। वहीं, यूरोप में ग्रीस की रेजिडेंसी से शेंगेन क्षेत्र के देशों में यात्रा करना आसान हो जाता है। स्पेन का डिजिटल नोमैड वीजा रिमोट काम करने वालों को वहां रहने का विकल्प देता है। इटली में निवेश के जरिए पीआर हासिल करना भी संभव है। इमिग्रेशन कंसल्टिंग फर्म गारंट इन के आंद्रेई बोइको के मुताबिक भारतीय अब अमेरिका के अलावा आस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड में बसने के विकल्पों के बारे में भी जानकारी जुटा रहे हैं। इन देशों में माइग्रेशन को लेकर पूछताछ में सालाना 50फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

अमेरिकी युवाओं में दस वर्षों में घटा शराब पीने का प्रतिशत



न्यूयार्क। अमेरिका में 18 से 29 साल के युवाओं में हर सप्ताह शराब पीने वालों का आंकड़ा पिछले दस वर्षों में 16 प्रतिशत घटा है। अमेरिका में जेन-जी के बीच शराब पीने का चलन लगातार कम हो रहा है। युवा अब सेहत और खर्च को प्राथमिकता देते हुए शराब से दूरी बना रहे हैं। गैलप के विश्लेषण के मुताबिक, वर्ष 2015-17 के दौरान इस आयु वर्ग के 71 प्रतिशत युवा हर सप्ताह शराब पीते थे। वहीं, 2024-26 में यह आंकड़ा घटकर 55 प्रतिशत रह गया। युवाओं में एक बार में अधिक मात्रा में शराब पीने की प्रवृत्ति भी कम हुई है। मिशिगन यूनिवर्सिटी के सर्वे के अनुसार, वर्ष 2025 में 19 से 30 साल के 24 प्रतिशत युवाओं ने हाल के दिनों में एक बार में पांच या उससे अधिक ड्रिंक लिए थे। करीब एक दशक पहले यह आंकड़ा 31 प्रतिशत था। सर्वे के मुताबिक, पिछले तीन वर्षों में युवा दूसरे आयु वर्गों की तुलना में भी कम शराब पी रहे हैं। युवाओं के इस बदलते रुझान के पीछे कई वजहें सामने आई हैं। इनमें आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता और सामाजिक व्यवहार से जुड़ी चिंताएं शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका में युवाओं के बीच शराब पीने की आदत पिछले चार दशकों से लगातार घट रही है। दूसरी ओर, भारत में तस्वीर इसके उलट दिखाई दे रही है। यहां शराब पीने वाले युवाओं की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बगैर पेड़-पौधों के भी रह सकती थी पृथ्वी पर जिंदगी के अनुकूल परिस्थितियां

वाशिंगटन। पृथ्वी पर जीवन की मौजूदगी के बिना भी महासागर और रहने योग्य तापमान बरकरार रह सकते थे। हालांकि, ऐसी धरती के वातावरण में आक्सीजन की भारी कमी होती। अमेरिका की यूनिवर्सिटी आफ वाशिंगटन के शोधकर्ताओं की इस स्टडी में यह दावा किया है। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने करीब 5 अरब साल के दौरान पृथ्वी के विकास का एक वैकल्पिक माडल तैयार किया। इस माडल में पेड़-पौधों, इंसानों, जानवरों और सूक्ष्म जीवों को पूरी तरह हटा दिया गया, जबकि पृथ्वी की अन्य प्राकृतिक और भौतिक प्रक्रियाओं को पहले की तरह जारी रखा गया। शोध का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि किसी ग्रह को रहने योग्य बनाए रखने के लिए जीवन की मौजूदगी वास्तव में कितनी जरूरी है। इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने गैया हाइपोथिसिस को भी नए नजरिए से परखा। इस सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतु और वनस्पतियां अपने पर्यावरण के साथ मिलकर ग्रह के तापमान और वातावरण को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, नए सिमुलेशन से पता चला कि जीवन के बिना भी पृथ्वी की कई प्राकृतिक प्रक्रियाएं पर्यावरण को स्थिर बनाए रख सकती थीं। शोधकर्ताओं ने कंप्यूटर माडल में पृथ्वी के कोर, मेंटल, बाहरी परत, महासागरों और वायुमंडल को शामिल किया। इसके अलावा सूर्य से मिलने वाली ऊर्जा, धरती के भीतर गर्मी का प्रवाह, समुद्र की रासायनिक संरचना और सतह के तापमान जैसे कुल 19 महत्वपूर्ण पैमानों का अध्ययन किया गया।

बांग्लादेश में रातभर हिंसा, सांसद का घर, थाना, रेलवे स्टेशन, वाहन फूंके, पुलिस लाकअप में बंद लोगों को छुड़ाया, कृषक दल नेता की हत्या

ढाका (बांग्लादेश)



बांग्लादेश अवामी लीग (बीएएल) की नेता और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की दिसंबर में स्वदेश वापसी करने की घोषणा से मची राजनीतिक हलचल के बीच देश में तेजी से अराजकता फैल रही है। देश के कई हिस्सों में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही। भीड़ थानों तक में आग लगाने को आमादा है। नेताओं के घरों को फूंका जा रहा है। सरकारी वाहनों को पेट्रोल छिड़ककर कर आग के हवाले किया जाने लगा है। यही नहीं हिरासत में लिए गए लोगों को पुलिस लाकअप से जबरिया छुड़ाया जा रहा है।

द डेली स्टार और ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, कई जगहों पर हिंसा हुई है। गोपालगंज में हालात सबसे ज्यादा खराब हो गए हैं। अवामी लीग के कार्यकर्ताओं ने सांसद के घर, थाना और पुलिस की गाड़ियों को फूंक दिया है। हिरासत में लिए गए लोगों को छुड़ा ले गए हैं। हिंसा में कृषक दल के एक नेता की जान चली गई है। तुंगीपाड़ा में रात को अशांति के बीच उपद्रवियों ने गोपालगंज-तुंगीपाड़ा सड़क पर, निलफा बाजार के पास कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। रात करीब 9:00 बजे चार गाड़ियों को जलाया गया। इनमें बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की दो गाड़ियां भी शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, गोपालगंज के तुंगीपाड़ा उपजिला में सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सांसद एसएम जिलानी के घर और स्थानीय पुलिस स्टेशन में आग लगा दी गई। फरीदपुर के भांगा उपजिला में रात को अवामी लीग के समर्थन में निकाले गए एक जुलूस के दौरान हुई हिंसा में बीएनपी के कृषक दल के एक नेता की हत्या कर दी गई। तुंगीपाड़ा उपजिला के प्रशासनिक अधिकारी (निर्वाही अधिकारी) मोहम्मद दीदारुल आलम ने पुष्टि की कि पटगाती बाजार इलाके में जिलानी के घर में आग लगा दी गई है। यह घटना रात 8:30 बजे से 9:00 बजे के बीच हुई। इसके अलावा इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। इसमें लोगों को जय बांग्ला , जय बंगबंधु और जय हसीना के नारे लगाते देखा जा सकता है।

यह हमला तब हुआ, जब अवामी लीग और उससे जुड़े प्रतिबंधित संगठनों के कथित समर्थकों ने तुंगीपाड़ा थाने पर धावा बोल दिया। यह घटना पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद हुई। चश्मदीदों के अनुसार, मस्जिद के लाउडस्पीकर पर घोषणा होने के बाद पार्टी समर्थक थाने के बाहर इकट्ठा हो गए और परिसर को घेर लिया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में प्रदर्शनकारियों को अवामी लीग के समर्थन में नारे लगाते हुए देखा गया। पुलिस ने साउंड ग्रेनेड, आंसू गैस और रबर की गोलियों का इस्तेमाल करके भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। इससे स्थिति और खराब हो गई। दोनों पक्षों के बीच झड़पें शुरू हो गईं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हालात यह पैदा हो गए कि पुलिसकर्मी थाने से पीछे हट गए। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने थाने में आग लगा दी और पुलिस लाकअप में बंद प्रतिबंधित छात्र लीग के समर्थकों को छुड़ा कर अपने साथ ले गए। आसपास के लोगों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने निलफा बाजार के पास गोपालगंज-तुंगीपारा सड़क को अवरुद्ध कर दिया, जिससे दमकल की गाड़ी थाने तक नहीं पहुंच सकी। तुंगीपारा फायर सर्विस के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण वे तुरंत पुलिस थाने नहीं पहुंच सके। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कई वीडियो में लोगों को जाय बांग्ला , जाय बंगबंधु और जाय हसीना के नारे लगाते हुए देखा जा सकता है।

चश्मदीदों के अनुसार, कृषक दल की भांगा उपजिला इकाई के संयुक्त सचिव 34 वर्षीय राजू मोल्ला की एक देसी बम विस्फोट में गंभीर रूप से घायल होने के बाद मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, रात लगभग 9:15 बजे ढाका-बारीसाल राजमार्ग पर हमिरदी बस स्टैंड से अवामी लीग समर्थकों का एक जुलूस निकला। जुलूस में शामिल लोगों ने बीएनपी के एक कार्यालय में भी तोड़फोड़ की। इसी दौरान, राजू के पास एक देसी बम फटा। उन्हें तत्काल भांगा उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भांगा उपजिला बीएनपी अध्यक्ष खांडेकर इकबाल हुसैन सलीम ने आरोप लगाया कि अवामी लीग के कार्यकर्ताओं ने राजू को अकेला पाकर उनकी हत्या कर दी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मो. रेहान गफ़ूर ने कहा कि पुलिस अभी मौत के कारण की पुष्टि नहीं कर सकती। विपक्ष के नेता और जमात अमीर शफीकुर रहमान ने कल संसद में गोपालगंज की बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गहरी चिंता जताई। फेसबुक लाइव प्रसारण में एचएम रुबेल फराजी नाम के एक व्यक्ति को पुलिस स्टेशन में आग लगाने की धमकी देते हुए सुना गया। इस फुटेज की सच्चाई और पूरी परिस्थितियों की तुरंत स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी। पुलिस मुख्यालय की प्रवक्ता कमरम मुनीरा ने रात करीब 9:10 बजे पुष्टि की कि तुंगीपारा पुलिस स्टेशन पर हमला किया गया और उसमें आग लगा दी गई। उन्होंने बताया कि पुलिस को वाहनों में आग लगाए जाने की भी सूचना मिली है।

इससे पहले पुलिस मुख्यालय के डीआईजी (अपराध और संचालन) मोहम्मद अबू सुफियान ने कहा कि थाने को घेर लिए जाने की सूचना मिलने के बाद अधिकारी जानकारी जुटा रहे है। तुंगीपारा फायर सर्विस के कार्यवाहक स्टेशन अधिकारी एस्कंदर शेख ने बताया कि दमकलकर्मियों को पुलिस स्टेशन, चौरांगी चौराहे और बशबारिया के पास आग लगने की सूचना मिली। हालांकि, सुरक्षा कारणों से दमकलकर्मी प्रभावित जगहों तक नहीं पहुंच सके।

बांग्लादेश : 16 दिसंबर को हसीना की घर वापसी या गृहयुद्ध की आहट

ढाका



बांग्लादेश की राजनीति आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ इतिहास और भविष्य का टकराव स्पष्ट नजर आ रहा है। एक महीने बाद 16 दिसंबर को बांग्लादेश अपना विजय दिवस मनाएगा, जो 1971 में शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में मिली आजादी का प्रतीक है। लेकिन इस बार यह तारीख बांग्लादेश के मौजूदा प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नींद उड़ा रही है। उम्मीद की जा रही है कि निर्वासित पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना किसी भी कीमत पर इसी दिन वतन वापसी करेंगी, जिसकी संभावना तारिक सरकार के लिए पराजय दिवस में बदल सकती है। यह वापसी जितनी सीधी दिखती है, बांग्लादेश की सियासत और सड़कों के लिए उतनी ही खतरनाक भी है।

फरवरी के चुनावों में सत्ता में लौटे बीएनपी नेता तारिक रहमान के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। ईरान युद्ध के चलते गहराता आर्थिक संकट, गारमेंट इंडस्ट्री में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर बढ़ता असंतोष, और अब शेख हसीना की संभावित वापसी ने उनकी मुश्किलों को बढ़ा दिया है। उन्हें एक तरफ प्रतिबंधित अवामी लीग के मंसूबों को नाकाम करना है, जिसके कार्यकर्ता हसीना की वापसी के ऐलान से उत्साहित हैं। दूसरी तरफ, जमात-ए-इस्लामी जैसी कट्टरपंथी पार्टियों की चुनौती है, जो अवामी लीग के नाम पर हिंसक टकराव के लिए तैयार रहती हैं। शेख हसीना ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेशी उच्चायोग से नया पासपोर्ट और नेशनल आइडेंटिटी कार्ड मांगा है, जिसे एक सोची-समझी राजनीतिक चाल माना जा रहा है। यह कदम उन्हें ढाका में अनुकूल माहौल होने पर वापसी करने या प्रतिकूल परिस्थितियों में पासपोर्ट न मिलने को बहाना बनाकर यात्रा टालने की सुविधा देता है। इस तरह उन्होंने राजनीतिक खेल को पूरी तरह खुला रखा है।

जमीन पर भी तनाव साफ दिख रहा है। अवामी लीग का गढ़ माने जाने वाले गोपालगंज जिले में सशस्त्र रैलियां, बीएनपी नेताओं के घरों पर तोड़फोड़, ग्रामीण बैंक शाखाओं में आगजनी और पुलिस वाहनों पर हमले की खबरें आ रही हैं। हालात इतने बेकाबू हैं कि कानून-व्यवस्था संभालने के लिए बार्डर गार्ड बांग्लादेश की टुकड़ियों को तैनात करना पड़ा है। अफसरशाही में भी दरार साफ है। चटगांव के एसपी मोहम्मद जहांगीर आलम की देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी और गोपालगंज के डीसी, एसपी समेत तीन ओसी के तबादले से पता चलता है कि प्रशासन के भीतर अवामी लीग के प्रति सहानुभूति रखने वालों की कमी नहीं है। गिरफ्तार एसपी के संदेश दिसंबर करो या मरो का जुआ है, लोग मधुमक्खियों के झुंड की तरह सड़कों पर उतरेंगे ने सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ढाका सरकार कागजों पर भले ही हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करती रही हो (उन्हें मौत की सजा सुनाई जा चुकी है), लेकिन अंदरूनी तौर पर तारिक रहमान सरकार उनके बांग्लादेशी जेल में होने से सबसे ज्यादा घबरा रही है।

नेतन्याहू पर चुनाव में विरोधियों को गिरफ्तार कराने का आरोप



तेलअवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक नए विवाद में घिर गए हैं। उन पर आरोप है कि उनके खेमे ने 27 अक्टूबर को हुए चुनाव के दिन अपने राजनीतिक विरोधियों, खासकर अरब पार्टी राआम के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कराने की कोशिश की। इस मामले में नेतन्याहू के कार्यालय, इजरायली पुलिस और खुफिया एजेंसी शिन बेट की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव से पहले नेतन्याहू के करीबी लोगों ने पुलिस को कुछ जानकारी दी थी। इसके बाद चुनाव के दिन ही अरब पार्टी राआम के तीन कार्यकर्ताओं के घरों पर छापेमारी की गई और पार्टी के चार अन्य कार्यकर्ताओं सहित कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, इन सभी को कुछ दिन बाद बिना किसी आरोप के रिहा कर दिया गया। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि शिन बेट के प्रमुख डेविड जिनी ने पांच अरब सांसदों के फोन टैप करने की अनुमति मांगी थी, जिसे अटार्नी जनरल गाली बहारव-मियारा ने अस्वीकार कर दिया था। इस मामले के सामने आने के बाद विपक्षी नेताओं ने नेतन्याहू पर तीखा निशाना साधा है। पूर्व सैन्य प्रमुख और प्रमुख विपक्षी नेता गादी आइसेनकोट ने इसे इजरायल के लोकतंत्र के लिए सीधा खतरा बताया।

लाहौर में पुलिस ने पीटीआई के तीन नेताओं को हाई कोर्ट से बाहर निकलते ही गिरफ्तार किया

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)

कई साल से रावलपिंडी की जेल में बंद अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता तैमूर सलीम झागरा, कामरान बंगश और इरफान सलीम को पेशावर उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) के बाहर गिरफ्तार कर लिया गया। यह गिरफ्तारी पेशावर में रेडियो पाकिस्तान पर 9 मई को हुए हमले के सिलसिले में की गई है।



द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के समय हाई कोर्ट के मुख्य प्रवेश द्वार पर पुलिस अधीक्षक (आपरेशंस) फरहान खान अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। पुलिस ने बताया कि तीनों नेता रेडियो पाकिस्तान हमले के मामले में आतंकवादरोधी अदालत के जमानत याचिकाएं खारिज किए जाने के बाद अंतरिम जमानत की मांग करने हाई कोर्ट पहुंचे थे। हिरासत में लिए जाने से पहले वे हाई कोर्ट के बार रूम में मौजूद थे। हाई कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत की याचिकाओं को मंजूर कर लिया था।

गौरतलब है कि रेडियो पाकिस्तान हमले के मामले में आतंकवादरोधी अदालत द्वारा मांगी गई पंजाब फारेंसिक साइंस लैबोरेटरी की रिपोर्ट में 9 मई 2023 की घटनाओं से जुड़े फुटेज में सलीम सहित कई पीटीआई नेताओं की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी। लैब ने पेशावर पुलिस के अनुरोध पर एक यूएसबी डिवाइस में दी गई 16 वीडियो क्लिप की जांच की। विश्लेषण में इन नेताओं की प्रोफाइल तस्वीरों और फुटेज में दिख रहे व्यक्तियों के बीच समानताएं पाई गईं। रिपोर्ट में दो वीडियो क्लिप में छेड़छाड़ के सबूत भी मिले हैं, जो खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के अलावा इरफान सलीम से जुड़े हैं। यह फारेंसिक जांच 19 से 23 दिसंबर 2025 के बीच की गई। बताया गया है कि 9 मई को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में नेशनल अकाउंटिबिलिटी ब्यूरो के वारंट के तहत इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इस ऐतिहासिक इमारत पर हमला कर दिया। खान की गिरफ्तारी से पार्टी कार्यकर्ता भड़क गए और देश के कई शहरों में सड़कों पर उतर आए। उन्होंने सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया, जिसमें सैन्य प्रतिष्ठान भी शामिल थे। पेशावर भी उन शहरों में से एक है जहां तोड़फोड़ की गई। प्रदर्शनकारियों ने रेडियो पाकिस्तान की ऐतिहासिक इमारत पर धावा बोला। जमकर तोड़फोड़ की। इसके बाद उन्होंने इमारत में आग लगा दी। इस भीषण आग में कई महत्वपूर्ण रिकार्ड और अन्य बेशकीमती चीजें जलकर राख हो गईं।

बालेन्द्र शाह के भारत दौरे में उठेगा चीनी ठेकेदारों के जलविद्युत प्रोजेक्टों से बिजली खरीद का मुद्दा, अपर तामाकोशी को मंजूरी दिलाने की मांग करेगा नेपाल

काठमांडू

नेपाल लंबे समय से इस बात की मांग करता रहा है कि भारत न केवल चीनी निवेश वाले, बल्कि चीनी ठेकेदारों द्वारा बनाए गए जलविद्युत परियोजनाओं से उत्पादित बिजली खरीदने की अनुमति नहीं दे। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के भारत दौरे के दौरान नेपाल इस मांग को भारत के सामने रखेगा। साथ ही, 456 मेगावाट क्षमता वाली अपर तामाकोशी परियोजना सहित चीनी ठेकेदारों की भागीदारी में निर्मित अन्य जलविद्युत परियोजनाओं से बिजली निर्यात की अनुमति देने की मांग करेगा।

नेपाल लंबे समय से भारत को बिजली निर्यात बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। हालांकि, 456 मेगावाट की अपर तामाकोशी सहित चीनी ठेकेदारों के माध्यम से निर्मित कई परियोजनाओं को अब तक भारतीय बाजार में बिजली बेचने की अनुमति नहीं मिल सकी है। परियोजनाओं में चीनी ठेकेदारों की भागीदारी को भारत ने मंजूरी प्रक्रिया में बाधा के रूप में लिया है।

अपर तामाकोशी जलविद्युत परियोजना में चीनी कंपनी सिनो हाइड्रो ने सिविल निर्माण का काम किया था। हालांकि, परियोजना के हाइड्रोमैकेनिकल, इलेक्ट्रोमैकेनिकल और ट्रांसमिशन लाइन से जुड़े कार्य भारतीय कंपनियों ने किए थे। इसके बावजूद चीनी कंपनी की भागीदारी के कारण भारत ने इस परियोजना से बिजली निर्यात को मंजूरी नहीं दी है।

भारत के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने वर्ष 2021 में सीमा पार बिजली आयात-निर्यात से संबंधित कार्यविधि जारी की थी। इसके तहत भारतीय बाजार में बिजली बेचने के लिए प्रत्येक जलविद्युत परियोजना को अलग-अलग मंजूरी लेनी पड़ती है। इस कार्यविधि में प्रावधान है कि भारत के साथ बिजली क्षेत्र में सहयोग समझौता नहीं करने वाले पड़ोसी तीसरे देशों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष निवेश अथवा नियंत्रण रखने वाली कंपनियों की परियोजनाओं से भारत बिजली नहीं



खरीदेगा। वर्ष 2018 में जारी सीमा पार बिजली व्यापार संबंधी दिशानिर्देशों के आधार पर तैयार इस कार्यविधि की धारा 6.3 में ऐसा प्रावधान है। हालांकि, इसमें सीधे तौर पर यह नहीं कहा गया है कि चीनी निवेश वाली सभी परियोजनाओं से बिजली नहीं खरीदी जाएगी। लेकिन चीन और भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग समझौता नहीं होने के कारण नेपाल में चीनी निवेश या नियंत्रण वाली परियोजनाओं से उत्पादित बिजली को भारतीय बाजार में बेचने की अनुमति नहीं मिल पा रही है। हालांकि, इस कार्यविधि में चीनी ठेकेदारों द्वारा निर्माण किए गए प्रोजेक्टों से बिजली खरीदने पर स्पष्ट रोक नहीं है। इसके बावजूद भारत के नियामक निकाय ने अब तक चीनी ठेकेदारों की भागीदारी वाली किसी भी जलविद्युत परियोजना से बिजली खरीदने की अनुमति नहीं दी है। नेपाल का तर्क है कि किसी परियोजना में चीनी कंपनी का केवल ठेकेदार होना और उसका निवेशक होना दो अलग-अलग बातें हैं। इसलिए ठेकेदारी में चीनी कंपनियों की भागीदारी के आधार पर नेपाली बिजली के निर्यात को प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए। नेपाल इससे पहले भी अपर तामाकोशी के अलावा अपर भोटेकोशी, मर्स्यांगदी, कालीगंडकी-ए और मध्य मर्स्यांगदी जैसी जलविद्युत परियोजनाओं से उत्पादित बिजली को भारतीय बाजार में बेचने की अनुमति मांग चुका है। हालांकि, इन परियोजनाओं में अपर तामाकोशी से बिजली निर्यात की मंजूरी का मामला अब तक लंबित है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच-समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते आप परेशान होंगे आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी-पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। परिवार के साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़, थोड़ी छेड़-छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शांत और तनाव-रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपनी शारीरिक-ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी-तोड़ मेहनत कर जल्द-से-जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा-सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान-फ़रामोशी इसे तार-तार कर देती है। ऐसे काम हाथ में लें, जो रचनात्मक प्रकृती के हैं। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 नवंबर 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रात: 07:07 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद अहोरात्र
योग : व्याघात प्रात: 07:42 तक
करण : कौलव प्रात: 07:07 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 12:50 तक
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , अमुगधा में रवि रात्रि 02:48 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नीता अग्रवाल पचेरिया की पुण्य स्मृति में पचेरिया परिवार ने की अन्नसेवा



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास स्वर्गीय श्रीमती अनीता अग्रवाल पचेरिया की पुण्य स्मृति में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बंशीधर रामबिलास पचेरिया परिवार की ओर से अन्नसेवा समर्पित की गई। परिवार ने इस सेवा कार्य के माध्यम से दिवंगत अनीता अग्रवाल पचेरिया की स्मृतियों को समाजसेवा और परोपकार के साथ जोड़ते हुए जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनूप पचेरिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद ने उनके परिवार को अन्नसेवा जैसे पुनीत कार्य में सहभागी बनने का जो अवसर प्रदान किया है, उसके लिए वे हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद को भोजन कराना केवल अन्न उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उसके प्रति प्रेम, संवेदना और मानवीय जिम्मेदारी का भाव प्रकट करना है। पुण्य स्मृति में किया गया ऐसा सेवा कार्य दिवंगत आत्मा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होने के साथ-साथ समाज में सेवा और संस्कारों की भावना को भी मजबूत करता है।

अनूप पचेरिया ने कहा कि जीवन में धन-दौलत और भौतिक उपलब्धियों का अपना महत्व है, लेकिन किसी जरूरतमंद के चेहरे पर संतोष और मुस्कान लाने से मिलने वाली आत्मिक खुशी सबसे अनमोल होती है। भारतीय संस्कृति में अन्नदान को श्रेष्ठ पुण्य कार्य माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना मानवता की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। जब सेवा के पीछे कोई स्वार्थ नहीं होता और केवल दूसरों के प्रति प्रेम एवं सहयोग की भावना होती है, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होता है।

उन्होंने राधे-राधे ग्रुप के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रुप जिस प्रकार नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से मानवता की सेवा कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। सेवा का यह अभियान केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में आपसी सहयोग, अपनत्व और संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत कर रहा है। इस प्रकार के कार्यों से समाज के अन्य लोगों को भी सेवा और परोपकार के लिए प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने कहा कि पुण्य स्मृति के अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन कराना परिवार के लिए आत्मिक संतोष और गौरव का विषय है। किसी दिवंगत परिजन की याद में किया गया सेवा कार्य उनकी स्मृतियों को सदैव जीवंत बनाए रखता है। ऐसी सेवाओं से परिवार में अच्छे संस्कारों का संचार होता है और आने वाली पीढ़ियों को भी समाज के प्रति अपने दायित्वों का बोध होता है। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्यों का इस पुनीत कार्य में सहयोग और अवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, महेश अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुरेश सिंघल, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल, ई-जगन चंपापेट, भगत राम गोयल, मनीष अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, गोपाल गोयल, अनूप पचेरिया एवं अनीता अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने अन्नसेवा के इस पुनीत कार्य में सहभागिता निभाते हुए सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

किसानों के साथ खड़ी हो सरकार : सुरेश रेड्डी



पेद्दापल्ली, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के राज्य नेता गोट्टीमुक्कुला सुरेश रेड्डी ने धान खरीद में अव्यवस्थाओं और किसानों की समस्याओं को लेकर सरकारी व्हिप एवं पेद्दापल्ली विधायक विजयरमण राव तथा मंत्री श्रीधर बाबू पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई का पानी, बिजली और घोषित बोनस नहीं मिल रहा है। ऐसे में किसान सरकार पर भरोसा करने के बजाय बिचौलियों और निजी व्यापारियों को कम दामों पर धान बेचने को मजबूर हैं।

पेद्दापल्ली स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यदि जिले के 70 प्रतिशत किसानों ने अपना धान निजी व्यापारियों और मिल मालिकों को बेच दिया है, तो यह सरकार की विफलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले की करीब 200 राइस मिलों में से केवल 10 से 15 को ही खरीद केंद्र आवंटित किए गए हैं। 300 से अधिक खरीद केंद्र प्रस्तावित होने के बावजूद केवल 12 केंद्रों पर खरीद शुरू होना किसानों के प्रति सरकार की उदासीनता दर्शाता है। खरीद केंद्रों पर लॉरियां नहीं भेजी जा रही हैं और प्रति बोरी दो से तीन किलो तक अनाज की कटौती की जा रही है। सुरेश रेड्डी ने सवाल किया कि किसानों से किए गए 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस के वादे को अब तक पूरा क्यों नहीं किया गया। उन्होंने विधायक विजयरमण राव से किसानों के पक्ष में खड़े होने की अपील करते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं पर चुप रहने के बजाय सरकार और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष कटकुरी सत्यनारायण रेड्डी, मंडल अध्यक्ष कंदुला श्रीनिवास, कोल्लुरी संतोष कुमार, रेंडला वेणु, बोड्डुपल्ली कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

निर्वाचित पत्रकारों का सम्मान



पेद्दापल्ली, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना वर्किंग जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (टीयूडब्ल्यूजे एच-143), आईजेयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य के रूप में पुनः निर्वाचित अंकारी प्रकाश तथा राज्य परिषद के सदस्य निर्वाचित कालवा रमेश, एरोजू वेणुगोपाल और मुद्दसानी सम्मय्या को मंगलवार को पेद्दापल्ली प्रेस क्लब में साथी पत्रकारों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रेस क्लब के महासचिव पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित थिर्री तिरुपति गौड़ को भी शॉल ओढ़ाकर बधाई दी गई।

प्रेस क्लब अध्यक्ष गुडला श्रीनिवास ने कहा कि नवनिर्वाचित पदाधिकारी पत्रकारों के अधिकारों और कल्याण के लिए समर्पण भाव से कार्य करें तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहें। कार्यक्रम में बीआरएस पेद्दापल्ली नगर शाखा अध्यक्ष उप्पू राजकुमार के तत्वावधान में भी पत्रकारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष बेजजानकी नरेश, कोषाध्यक्ष औरेली मल्लेश, आयोजन सचिव जंगिली राजू यादव, सहायक सचिव अर्कुटा मल्लेश यादव सहित कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य पत्रकार उपस्थित थे।

डीजीपी तक पहुंचीं शिकायतें

मंचेरियाल जिले की पुलिस कार्यप्रणाली पर विभिन्न दलों के नेताओं ने उठाए सवाल, कानून-व्यवस्था को लेकर बढ़ी हलचल



मंचेरियाल, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति और पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। जिला मुख्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगातार सामने आ रहे विवादों, मारपीट, जमीन संबंधी मामलों और अन्य घटनाओं को लेकर राजनीतिक दलों के नेताओं ने पुलिस के उच्च अधिकारियों से शिकायत की है। अब शिकायतों का सिलसिला पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद तक पहुंच गया है।

सूत्रों के अनुसार, जिले में शांति और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर खुफिया विभाग की रिपोर्टों के साथ-साथ सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की शिकायतों को भी गंभीरता से लिया जा रहा है।

नेताओं ने डीजीपी से मुलाकात कर स्थानीय पुलिस के कामकाज और विभिन्न मामलों में उसकी भूमिका पर सवाल उठाए हैं। बताया जा रहा है कि मंचेरियल जिला मुख्यालय और विधानसभा क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई मारपीट, आपसी विवाद तथा आपराधिक घटनाओं की रिपोर्ट पहले ही उच्च अधिकारियों तक पहुंच चुकी है। शिकायतों में पूर्व की घटनाओं और पुलिस के पुराने रवैये का भी उल्लेख किया गया है।

तीन दलों ने उठाए मुद्दे

सबसे पहले कांग्रेस नेता जगनमोहन राव ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें उठाईं। वहीं, हाल ही में पूर्व विधायक दिवाकर राव ने भी डीजीपी से मुलाकात कर स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली और रवैये को लेकर शिकायत की। इससे पहले भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष वेराबेल्ली रघुनाथ राव ने आईजी चंद्रशेखर रेड्डी से मुलाकात कर जिले की स्थिति से अवगत कराया था।

बताया जाता है कि तीनों राजनीतिक दलों की ओर से अलग-अलग घटनाओं, विवादों और मामलों को लेकर उच्च अधिकारियों के समक्ष शिकायतें रखी गई हैं।

इन शिकायतों के बाद डीजीपी ने विशेष रुचि दिखाते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को बुलाकर जिले की स्थिति की जानकारी ली। शिकायतकर्ताओं को अलग-अलग समय देकर उनकी बात सुनी गई और स्थानीय हालात की विस्तृत जानकारी जुटाई गई।

इसके बाद जिला मुख्यालय सहित अन्य क्षेत्रों में गैरकानूनी गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों को मामलों में सख्ती बरतने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

समझौतों पर भी सवाल

डीजीपी से मुलाकात के दौरान पुलिस थानों में दर्ज विभिन्न मामलों और सिविल विवादों में कथित तौर पर कराए जाने वाले समझौतों तथा सेटलमेंट को लेकर भी शिकायतें की गईं। सूत्रों के अनुसार, जिले के कई इलाकों में रियल एस्टेट, जमीन संबंधी विवादों और दो राजनीतिक दलों के बीच होने वाले झगड़ों में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं।

शिकायतों में आरोप लगाया गया कि कुछ मामलों में पुलिस अधिकारियों ने सत्तारूढ़ दल के नेताओं के कहने पर कार्रवाई की, जबकि कुछ मामलों में विरोधी पक्ष के लोगों को कथित तौर पर धमकाया गया। इसके अलावा, कुछ विवादों को कानूनी प्रक्रिया के बजाय आपसी समझौते और सेटलमेंट के जरिए निपटाने के आरोप भी सामने आए हैं।

पुलिस थानों में मामलों के निपटारे के नाम पर कथित पंचायत और समझौते कराने की शिकायतें भी उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाई गई हैं। इन शिकायतों के आधार पर पुलिस विभाग संबंधित मामलों की अलग-अलग रिपोर्ट तैयार कर रहा है।

अधिकारियों की भूमिका पर नजर

रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत मंचेरियल जोन में हुई विभिन्न घटनाओं में कानून-व्यवस्था से जुड़े राजनीतिक पहलुओं की भी जांच की जा रही है। खास तौर पर यह पता लगाने पर ध्यान दिया जा रहा है कि संबंधित मामलों में पुलिस अधिकारियों की क्या भूमिका रही और किन मामलों में कथित तौर पर अनदेखी की गई।

सूत्रों का कहना है कि कुछ घटनाओं में पुलिस की निष्क्रियता और पक्षपातपूर्ण रवैये के आरोपों को भी गंभीरता से लिया गया है। डीजीपी तक शिकायतें पहुंचने के बाद पुलिस विभाग ने संबंधित मामलों की जानकारी जुटाने और अधिकारियों से जवाब लेने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

बताया जा रहा है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए खुफिया निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में अवैध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों को समय रहते कार्रवाई करने और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

अब देखना होगा कि उच्च अधिकारियों तक पहुंची इन शिकायतों के बाद जिले की पुलिस व्यवस्था में कितना बदलाव आता है और विवादों तथा कथित अनियमितताओं पर किस तरह की कार्रवाई की जाती है।

दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानेंगे



पेद्दापल्ली, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्यांग खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तेलंगाना खेल प्राधिकरण (एसएटीजी) एवं आदित्य मेहता फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जिला कलेक्टर की अनुमति से वर्ष 2026-27 के लिए 'एसएटीजी पैरा स्पोर्ट्स टैलेंट आइडेंटिफिकेशन प्रोग्राम' आयोजित किया जाएगा। जिला युवा एवं खेल विभाग अधिकारी ए. सुरेश ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 12 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के दिव्यांगजनों के लिए जिला स्तर पर ऑनलाइन स्क्रीनिंग एवं पात्रता परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिला नोडल अधिकारियों के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 नवंबर को होगा, जबकि ऑनलाइन स्क्रीनिंग 3 से 9 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। चयनित खिलाड़ियों के लिए जनवरी 2027 में हैदराबाद में 10वां राष्ट्रीय प्रतिभा पहचान शिविर आयोजित होगा। इच्छुक उम्मीदवारों के पास यूडीआईडी कार्ड, दिव्यांगता प्रमाणपत्र एवं आयु प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। 18 वर्ष से कम आयु के उम्मीदवारों को माता-पिता अथवा अभिभावक के साथ भाग लेना होगा। उन्होंने जिले के दिव्यांग खिलाड़ियों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। अधिक जानकारी के लिए जिला युवा एवं खेल विभाग अधिकारी से मोबाइल नंबर 9963960063 पर संपर्क किया जा सकता है।

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर धरना



बांसवाड़ा, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा सरकारी अस्पताल में कार्यरत सिक्योरिटी, पेशेंट केयर, सैनिटेशन कर्मचारियों एवं सुपरवाइजरों ने न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को धरना दिया। इस अवसर पर एआईटीयूसी के जिला उपाध्यक्ष दुबास रामुलु ने कहा कि कर्मचारियों को न्यूनतम 26 हजार रुपये वेतन दिया जाए तथा नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रत्येक माह की पहली तारीख को कर्मचारियों के बैंक खातों में वेतन जमा करने, त्योहारों पर राष्ट्रीय अवकाश और महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे हड़ताल करने को मजबूर होंगे।

धरने में सुपरवाइजर रणमपल्ली साई, मोहम्मद अब्दुल मोसिन, कुरुमा कृष्णमूर्ति, जेल सिंह, सुरेखा, बैरी नागराजू सहित अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

महेश्वरी समाज का दीपावली स्नेह मिलन

शंकरलाल फोफलिया चौथी बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित



सिरपुर कागजनगर, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर कागजनगर स्थित महेश्वरी भवन में महेश्वरी समाज की ओर से दीपावली स्नेह मिलन एवं नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के कर्मठ कार्यकर्ता शंकरलाल फोफलिया को लगातार चौथी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष वेणुगोपाल लाहोटी, सचिव पुनीत मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष पंकज असावा तथा सहसचिव देवकिशन असावा चुने गए।

कार्यकारिणी सदस्यों में श्याम सोनी, उमेश बंग, अरुण लोया, राहुल जाजू, धीरज राठी, गिरिराज मंत्री, कृष्णकांत असावा, शुभम लोया, मुरलीकृष्ण झांवर, चेतन बंग एवं दीपक जाजू शामिल हैं। सलाहकार के रूप में देवराज असावा, कमल किशोर बंग एवं तरुण कुमार झांवर को शामिल किया गया।

कार्यक्रम में महेश्वरी समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन की सफलता में समाज के सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

गीता के 18 अध्यायों में अर्जुन से क्या कहा है श्री कृष्ण ने



कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि में श्रीकृष्ण का अर्जुन को दिया उपदेश श्रीमद्भगवदगीता के नाम से प्रसिद्ध है। यह महाभारत के भीष्मपर्व का अंग है। गीता में कुल 18 अध्याय और 720 श्लोक हैं।

प्रथम अध्याय

पहले अध्याय का नाम अर्जुनविषादयोग है। जब शौर्य और धैर्य, साहस और बल इन चारों गुणों से युक्त अर्जुन पर क्षमा और प्रज्ञा यानि बुद्धि का प्रभाव बढ़ा और उन्होंने युद्ध भूमि में हथियार डाल दिए तब उनके क्षात्रधर्म का स्थान कार्पण्य ने लिया। तब कृष्ण ने तर्क से, बुद्धि से, ज्ञान से, कर्म की चर्चा से, विश्व के स्वभाव से, उसमें जीवन की स्थिति से, दोनों के नियामक अव्यय पुरुष के परिचय से और उस सर्वोपरि परम सत्तावान ब्रह्म के साक्षात दर्शन से अर्जुन को वापस प्रेरित किया। इस अध्याय में इसी तत्वचर्चा परिचय दिया गया।

दूसरा अध्याय

इस अध्याया का नाम सांख्ययोग है। इसमें जीवन की दो प्राचीन संमानित परंपराओं का तर्कों द्वारा वर्णन आया है। अर्जुन को उस कृपण स्थिति में रोते देखकर कृष्ण ने उसका ध्यान दिलाया है कि इस प्रकार का क्लैव्य और हृदय की क्षुद्र दुर्बलता अर्जुन जैसे वीर के लिए उचित नहीं। उन्होंने बताया कि प्रज्ञादर्शन काल, कर्म और स्वभाव से होनेवाले संसार की सब घटनाओं और स्थितियों को अनिवार्य रूप से स्वीकार करता है। जीना और मरना, जन्म लेना और बढ़ना, विषयों का आना और जाना, सुख और दुख का अनुभव, ये तो संसार में होते ही हैं।

तीसरा अध्याय

इस अध्याय में अर्जुन ने इस विषय में और गहरा उतरने के लिए स्पष्ट प्रश्न किया कि सांख्य और योग इन दोनों मार्गों में आप किसे अच्छा समझते हैं और क्यों नहीं यह निश्चित बतसते कि वे इन दोनों में से किसे अपनायें। इसपर कृष्ण ने स्पष्टता से उत्तर दिया कि लोक में दो निष्ठायें या जीवनदृष्टियां हैं। सांख्यवादियों के लिए ज्ञानयोग है और कर्ममार्गियों के लिए कर्मयोग है। अर्थात् जो साधारण समझ के लोग कर्म में लगे हैं उन्हें उस मार्ग से उखाड़ना उचित नहीं, क्योंकि वे ज्ञानवादी बन नहीं सकते, और यदि उनका कर्म भी छूट गया तो वे दोनों ओर से भटक जायेंगे।

चौथा अध्याय

इस अध्याय में, जिसका नाम ज्ञान-कर्म-संन्यास-योग है, यह बताया गया है कि ज्ञान प्राप्त करके कर्म करते हुए भी कर्मसंन्यास का फल किस तरह से प्राप्त किया जा सकता है। यहीं गीता का वह प्रसिद्ध वचन है कि जब जब धर्म की हानि होती है तब तब भगवान का अवतार होता है।



पांचवां अध्याय

05वें अध्याय कर्मसंन्यास योग नामक युक्तियां फिर से और दृढ़ रूप में कहीं गई हैं। इसमें कर्म के साथ जो मन का संबंध है, उसके संस्कार पर या उसे विशुद्ध करने पर विशेष ध्यान दिलाया गया है। यह भी कहा गया है कि एक स्थान पर पहुँचकर सांख्य और योग में कोई भेद नहीं रह जाता है। किसी एक मार्ग पर ठीक प्रकार से चले तो समान फल प्राप्त होता है। जीवन के जितने कर्म हैं, सबको समर्पण कर देने से व्यक्ति एकदम शांति के ध्रुव बिंदु पर पहुँच जाता है और जल में खिले कमल के समान कर्म रूपी जल से लिप्त नहीं होता।

छठा अध्याय

06वें अध्याय आत्मसंयम योग है जिसका विषय नाम से ही पता चलता है कि जितने विषय हैं उन सबमें इंद्रियों का संयम श्रेष्ठ है। सुख में और दुख में मन की समान स्थिति, इसे ही योग कहते हैं।

सातवां अध्याय

07वें अध्याय की संज्ञा ज्ञानविज्ञान योग है। विज्ञान की दृष्टि से अपरा और परा प्रकृति के इन दो रूपों की व्याख्या गीता ने दी है। अपरा प्रकृति में आठ तत्व हैं, पंचभूत, मन, बुद्धि और अहंकार। इसमें ईश्वर की चेष्टा के संपर्क से जो चेतना आती है उसे परा प्रकृति कहते हैं, वही जीव है। आठ तत्वों के साथ मिलकर जीवन नवां तत्व हो जाता है। इस अध्याय में भगवान के अनेक रूपों का उल्लेख किया गया है।

आठवां अध्याय

इस अध्याय की संज्ञा अक्षर ब्रह्मयोग है। उपनिषदों में अक्षर विद्या का विस्तार हुआ और गीता में उसे अक्षरविद्या का सार कह दिया गया है। अक्षर ब्रह्म परमं, मनुष्य, अर्थात् जीव और शरीर की संयुक्त रचना का ही नाम अध्यात्म है। गीता के शब्दों में ? एकाक्षर ब्रह्म है।

नवां अध्याय

09वें अध्याय को राजगुह्ययोग कहा गया है, अर्थात् यह अध्यात्म विद्या और गुह्य ज्ञान सबमें श्रेष्ठ है। मन की दिव्य शक्तियों को किस प्रकार ब्रह्ममय बनाया जाय, इसकी युक्ति ही राजविद्या है। इस क्षेत्र में ब्रह्मतत्व का निरूपण ही प्रधान है। वेद का समस्त कर्मकांड यज्ञ, अमृत, और मृत्यु, संत और असंत, और जितने भी देवी देवता है, सबका पर्यवसान ब्रह्म में है।

दसवां अध्याय

इस अध्याय का नाम विभूतियोग है। इसका सार यह है कि लोक में जितने देवता हैं, सब एक ही भगवान का अंश हैं। मनुष्य के समस्त गुण और अवगुण भगवान की शक्ति के ही रूप हैं। देवताओं की सत्ता को स्वीकारते हुए सबको विष्णु का रूप मानकर समन्वय की एक नई दृष्टि प्रदान की गई है जिसका नाम विभूतियोग है।

ग्यारहवां अध्याय

11वें अध्याय का नाम विश्वरूपदर्शन योग है। इसमें अर्जुन ने भगवान का विश्वरूप देखा। विराट रूप का अर्थ है मानवीय धरातल और परिधि के ऊपर जो अनंत विश्व का प्राणवंत रचनाविधान है, उसका साक्षात दर्शन।

बारहवां अध्याय

जब अर्जुन ने भगवान का विराट रूप देखा तो वह घबरा गया और घबराहट में उसके मुंह से 'दिशो न जाने न लभे च शर्म' वाक्य निकले। उसने प्रार्थना की, कि मानव के लिए जो स्वाभाविक स्थिति ईश्वर ने रखी है, वही पर्याप्त है।

तेहरवां अध्याय

13वें अध्याय में एक सीधा विषय क्षेत्र और क्षेत्रज्ञ का विचार है। यह शरीर क्षेत्र है, उसका जाननेवाला जीवात्मा क्षेत्रज्ञ है।

चौदहवां अध्याय

इस अध्याय का नाम गुणत्रय विभाग योग है। यह विषय समस्त वैदिक, दार्शनिक और पौराणिक तत्वचिंतन का निचोड़ है। -सत्व, रज, तम नामक तीन गुण हैं। अकेला सत्व शांत रहता है और अकेला तम भी निश्चेष्ट रहता है, किंतु दोनों के बीच में रजोगुण उन्हें सक्रिय करता है।

पंद्रहवां अध्याय

15वें अध्याय का नाम पुरुषोत्तमयोग है। इसमें विश्व का अश्वत्थ के रूप में वर्णन किया गया है। नर या पुरुष तीन हैं, क्षर, अक्षर और अव्यय। इनमें पंचभूत क्षर है, प्राण अक्षर है और मनस्तत्व या चेतना की संज्ञा अव्यय है।

सोलहवां अध्याय

16वें अध्याय में देवासुर संपत्ति का विभाग बताया गया है। आरंभ से ही ऋृदेव में सृष्टि की कल्पना दैवी और आसुरी शक्तियों के रूप में की गई है। एक अच्छा और दूसरा बुरा।

सत्हरवां अध्याय

ये अध्याय श्रद्धात्रय विभाग योग है। इसका संबंध सत, रज और तम, इन तीनों गुणों से है, अर्थात् जिसमें जिस गुण का प्रादुर्भाव होता है, उसकी श्रद्धा या जीवन की निष्ठा वैसी ही बन जाती है। यज्ञ, तप, दान, कर्म ये सब इसी से संचालित होते हैं।

अठ्ठहारवां अध्याय

18वें अध्याय में मोक्षसंन्यास योग का जिक्र है। इसमें गीता के समस्त उपदेशों का सार एवं उपसंहार है। इसमें बताया गया है कि पृथ्वी के मानवों में और स्वर्ग के देवताओं में कोई भी ऐसा नहीं जो प्रकृति के चलाए हुए इन तीन गुणों से बचा हो। मनुष्य को क्या कार्य है, क्या अकार्य है, इसकी पहचान होनी चाहिए। धर्म और अधर्म को, बंध और मोक्ष को, वृत्ति और निवृत्ति को जो बुद्धि ठीक से पहचनाती है, वही सात्विक बुद्धि है।

मंत्रों से जानिए श्रीकृष्ण पूजन के 6 आश्चर्यजनक लाभ

श्रीकृष्ण पूजन का हर शास्त्र में विशेष महत्व बताया गया है। आइए 6 विशेष मंत्रों के माध्यम से जानें कि क्या लाभ मिलता है श्रीकृष्ण का ध्यान लगाने से, उनके पूजन से, उनकी आराधना से...



श्री शुकदेवजी राजा परीक्षित् से कहते हैं-

सकृन्मनः कृष्णापदारविन्दयोर्निवेशितं तद्गुणरागि यैरिह।
न ते यमं पाशभृतश्च तद्भटान्- स्वप्नेऽपि पश्यन्ति हि चीर्णनिष्कृताः॥

जो मनुष्य केवल एक बार श्रीकृष्ण के गुणों में प्रेम करने वाले अपने चित्त को श्रीकृष्ण के चरण कमलों में लगा देते हैं, वे पापों से छूट जाते हैं, फिर उन्हें पाश हाथ में लिए हुए यमदूतों के दर्शन स्वप्न में भी नहीं होते।

अविस्मृतिः कृष्णपदारविन्दयोः क्षिणोत्यभद्रणि शमं तनोति च।
सत्वस्य शुद्धिं परमात्मभक्तिं ज्ञानं च विज्ञानविरागयुक्तम्॥

श्रीकृष्ण के चरण कमलों का स्मरण सदा बना रहे तो उसी से पापों का नाश, कल्याण की प्राप्ति, अन्तः करण की शुद्धि, परमात्मा की भक्ति और वैराग्ययुक्त ज्ञान-विज्ञान की प्राप्ति आप ही हो जाती है।

पुंसां कलिकृतान्दोषान्द्रव्यदेशात्मसंभवान्।
सर्वान्हरित चित्तस्थो भगवान्पुरुषोत्तमः॥

भगवान पुरुषोत्तम श्रीकृष्ण जब चित्त में विराजते हैं, तब उनके प्रभाव से कलियुग के सारे पाप और द्रव्य, देश तथा आत्मा के दोष नष्ट हो जाते हैं।

शय्यासनाटनालाप्रीडास्नानादिकर्मसु।
न विदुः सन्तमात्मानं वृष्णयः कृष्णचेतसः॥

श्रीकृष्ण को अपना सर्वस्व समझने वाले भक्त श्रीकृष्ण में इतने तन्मय रहते थे कि सोते, बैठते, घूमते, फिरते, बातचीत करते, खेलते, स्नान करते और भोजन आदि करते समय उन्हें अपनी सुधि ही नहीं रहती थी।

वैरेण यं नृपतयः शिशुपालपौण्ड्र-शाल्वादयो गतिविलासविलोकनाद्यैः।
ध्यायन्त आकृतधियः शयनासनादौ तत्साम्यमापुरनुरक्तधियां पुनः किम्॥

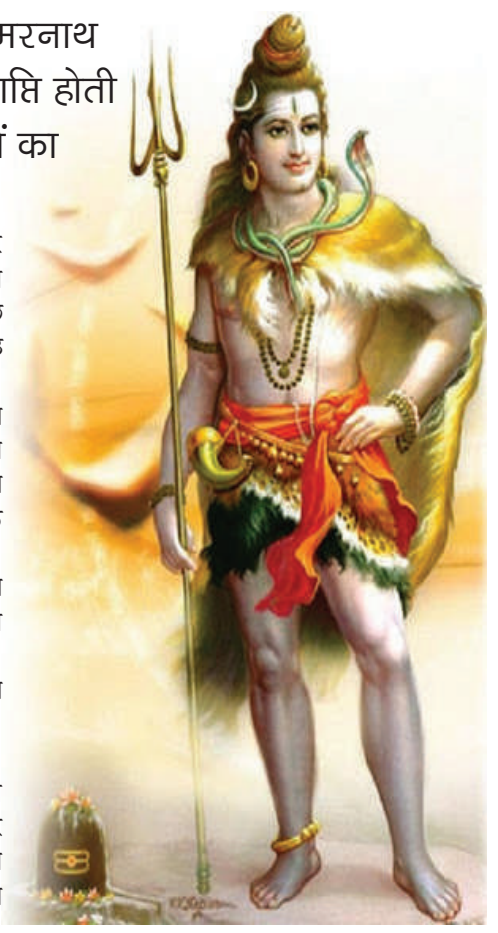
जब शिशुपाल, शाल्व और पौण्ड्रक आदि राजा बैरभाव से ही खाते, पीते, सोते, उठते, बैठते हर वक्त श्री हरि की चाल, उनकी चितवन आदि का चिन्तन करने के कारण मुक्त हो गए, तो फिर जिनका चित्त श्री कृष्ण में अनन्य भाव से लग रहा है, उन विरक्त भक्तों के मुक्त होने में तो संदेह ही क्या है?

एनः पूर्वकृतं यत्तद्राजानः कृष्णवैरिणः।
जहुस्त्वन्ते तदात्मानः कीटः पेशस्कृतो यथा॥

श्रीकृष्ण से द्वेष करने वाले समस्त नरपतिगण अंत में श्री भगवान के स्मरण के प्रभाव से पूर्व संचित पापों को नष्ट कर वैसे ही भगवद्रूप हो जाते हैं, जैसे पेशस्कृत के ध्यान से कीड़ा तद्रूप हो जाता है, अतएव श्रीकृष्ण का स्मरण सदा करते रहना चाहिए।

भोले हैं सद्गुणों के भंडारी शिव

शिव की महिमा अपरंपार है। उनके रूप अनेक हैं, पर खास तौर से हैं वे भोले भंडारी। अमरनाथ तीर्थ धाम के दर्शन का बड़ा धर्मिक महत्व है। वहां शिव-दर्शन करने पर न सिर्फ सुख की प्राप्ति होती है, जन्म-जन्मांतर के अपराध क्षमा हो जाते हैं। बशर्ते कि शिव के दरबार में अपने दोषों का पश्चाताप और शेष जीवन में पाक-साफ रहने का संकल्प करें।



देवी-देवताओं में भगवान शिव एक ऐसे देवता हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा पूजे जाते हैं और जिनकी सबसे ज्यादा मान्यता है। कारण है, उनकी पूजा-विधि और उपासना का सरल होना और भगवान शिव का आसानी से प्रसन्न होना। शिव जी की उपासना इतनी ज्यादा फलवती है कि तुलसीदास जी ने लिखा है- 'भावी मेटि सकहि त्रिपुरारी', यानी शिव जी प्रारब्ध को भी बदल सकते हैं। आने वाला श्रावण मास भगवान शिव का महीना माना जाता है। कहते हैं कि इसी महीने में भगवान शिव ने जगत की रक्षा के लिए विष का पान किया था। तबसे विष की तपन को शांत करने के लिए भगवान शिव के भक्त उनको श्रावण मास में जल चढ़ाते हैं तथा उनके कल्याणकारी स्वरूप का दर्शन करते हैं। सावन के महीने में ही शिव के दर्शन के लिए भक्त अमरनाथ धाम पहुंचते हैं।

शिव से हमारा क्या संबंध?

सृष्टि में सबसे पहले ईश्वर के जिस स्वरूप ने इंसान को जीने का रास्ता दिखाया वह स्वरूप है- भगवान शिव का। भगवान शिव ने ही मानव को चिकित्सा का विज्ञान दिया, अपने डमरू से शब्दों का निर्माण किया, विवाह जैसी सामाजिक पद्धति दी और यही नहीं व्यक्ति को मुक्ति और मोक्ष के लिए साधना का विज्ञान बताया। शिव ने मनुष्य को यह बताया कि जीवन में कोई भी समस्या हो, वे हमेशा उसके साथ हैं और उसकी सारी समस्याओं का निवारण करेंगे। शिव मनुष्य के साथ इतनी सरलता से घुल-मिल गए कि हर व्यक्ति उन्हें आज भी अपना सबसे निकटवर्ती मानता है। उनकी पूजा-विधि सरल है, केवल जल और पत्ते को चढ़ाने से ही शिव प्रसन्न हो जाते हैं और भोले इतने कि भक्त के लिए प्रारब्ध बदल देते हैं। विविध पुराणों में कोई भी देवी-देवता हों या उनका कोई स्वरूप, सबने शिव की पूजा की है और उनसे ही शक्ति पाई है। बिना शिव के, चाहे वह मुनष्य हो या देवता, किसी के अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती। व्यक्ति के जीवन को अनुशासित और संपन्न बनाने में भगवान शिव की भूमिका आदिकाल से है और अगर जीवन के भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक पक्ष को नियंत्रित करना हो, तो व्यक्ति को केवल भोलेनाथ, शिव की शरण में ही जाना चाहिए।

आध्यात्मिक-पौराणिक महत्व

माना जाता है कि अमरनाथ की पवित्र गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था। अमरनाथ की यात्रा का मर्म समझकर जो कोई भी यात्रा करता है, उसे निश्चित ही मुक्ति प्राप्त होती है। भगवान शंकर जब कथा सुनाने जा रहे थे, तो सबसे पहले उन्होंने अनंत नागों को 'अनंतनाग' में छोड़ा। इसका अर्थ है कि छोटी-छोटी अनंत इच्छाएं व्यक्ति को परेशान करती हैं, जिनका त्याग पहले करना पड़ेगा। फिर शिव जी ने माथे के चंदन को 'चंदनवाड़ी' में उतारा, यानी व्यक्ति को अपने आवरण और दिखावे को भी छोड़ना पड़ेगा। शिव जी ने इसके बाद पिस्सुओं को 'पिस्सू टॉप' पर छोड़ा, यानी इसके बाद व्यक्ति को अपने आचरण को शुद्ध करना पड़ेगा। सबसे अंत में उन्होंने गले में धारण शेषनाग को 'शेषनाग' नामक स्थान पर छोड़ा, यानी इन सबके बाद व्यक्ति की कुंडलिनी शक्ति जाग्रत हो जाती है और व्यक्ति शिवमय हो जाता है। आज भी अमरनाथ यात्रा में ये सब पड़ाव आते हैं। इन पड़ावों का अर्थ समझकर यात्रा और शिव के दर्शन करने से व्यक्ति को निश्चित ही मुक्ति का वरदान प्राप्त होता है।

क्या करें असमर्थ?

बहुत से लोग ऐसे हैं, जो आर्थिक रूप से अमरनाथ यात्रा पर जाने में असमर्थ हैं या फिर स्वास्थ्य खराब होने के कारण अमरनाथ की दुर्गम यात्रा नहीं कर सकते हैं, ऐसे लोग कुछ सरल तरीके अपनाकर यात्रा का फल घर बैठे ही पा सकते हैं।

सावन के महीने की शुरुआत से ही नित्य प्रातः उठकर स्नान करके शिव लिंग पर जल चढ़ाएं, उसके बाद भगवान शिव के मंत्रों का जाप करें। इस महीने में अमरनाथ की यात्रा के पड़ने वाले पड़ावों का विशेष ध्यान रखना होगा, यानी अपनी इच्छाओं व आवरणों को छोड़ना होगा, आचरण को शुद्ध करना होगा, साथ ही स्वयं को भगवान शिव को समर्पित करना होगा, तभी जाकर घर बैठे ही अमरनाथ की यात्रा का शुभ फल प्राप्त होगा।

राशि अनुसार शिव पूजन

यूं तो शिव जी की पूजा कोई भी किसी तरीके से कर सकता है, परंतु राशियों के अनुसार पूजा करें, तो जल्दी और विशेष फल मिल सकता है। जानिए, राशि अनुसार क्या है शिव जी का पूजन विधान

मेष-गन्ने का रस अर्पित करें। 'नमो भगवते रुद्राय' मंत्र का जाप करें।

वृष- जल में दूध मिलाकर अर्पित करें। 'नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें।

मिथुन- सुगंध अर्पित करें। 'पार्वती पतये नमः' मंत्र का जाप करें।

कर्क- शक्कर अर्पित करें। 'हौं जूं सः' मंत्र का जाप करें।

सिंह- अबीर अर्पित करें। 'नमो नीलकंठाय' मंत्र का जाप करें।

कन्या- बेल पत्र अर्पित करें। 'गौरीशंकराय नमः' मंत्र जपें।

तुला- जल अर्पित करें। 'चंद्रशेखराय नमः' मंत्र जपें।

वृश्चिक- गन्ने का रस अर्पित करें। 'नमो भगवते रुद्राय' मंत्र का जाप करें।

धनु- भगवान शिव को इत्र समर्पित करें। 'जूं सः माम पालय पालय' मंत्र का जाप करें।

मकर- फल समर्पित करें। 'नमो नीलकंठाय' मंत्र का जाप करें।

कुंभ- चंदन अर्पित करें। 'नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें।

मीन- जल में दूध मिलाकर अर्पित करें।' पार्वतीपतये नमः' मंत्र का जाप करें।



मणिबंध रेखा और धन

कलाई के ऊपर भुजा को हाथ से मिलाने वाली रेखा को मणिबंध कहते हैं। इस पर तीन रेखाएं होती हैं। इससे धन, सुख, आयु व समृद्धि का ज्ञान होता है। मणिबंध न हो तो सामान्य जीवन व्यतीत करता है।

- यदि मणिबंध पर द्वीप, क्रास, जाल हो तो धन के दृष्टिकोण से इन्हें अशुभ मानते हैं।
- यदि मणिबंध पर तारा हो तो दूसरों का धन मिलता है।
- यदि मणिबंध पर यवमाला हो तो राजयोग कारक होकर, धन के दृष्टिकोण से शुभ मानते हैं। स्त्रियों के हाथ में यवमाला हो तो धन, संतान व यश प्राप्त होगा।
- यदि मणिबंध सुंदर, स्पष्ट व जौ आकृति का चारों तरफ हो तो धन के दृष्टिकोण से शुभ मानते हैं।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं



सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

साफ हवा सुधारती है बच्चों के फेफड़ों की सेहत

साफ हवा में सांस लेना अमूमन सभी के लिए सेहतमंद माना जाता है, लेकिन बच्चे के लिए एक और भी फायदेमंद है। ताजा शोध के मुताबिक साफ हवा बच्चे के फेफडे की बेहतर सेहत के लिए लाभदायक है। शोध के अनुसार बच्चे के आसपास साफ हवा मुहैया कराने की कोशिश बचपन में उसके फेफडे की सेहत के लिए अच्छा तो है ही, यह भविष्य में भी उसके लिए फायदेमंद रहता है।

डायलिसिस से बचा सकती है स्टेम सेल थैरेपी



शोधकर्ताओं ने ऐसी चिकित्सा पद्धति ईजाद की है, जिसके प्रयोग से डायलिसिस या किडनी प्रत्यारोपण की स्थिति से बचा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने अपने शोध में पहली बार एंटी स्कैरिंग एजेंट के साथ स्टेम सेल थैरेपी के प्रभाव का अध्ययन किया। इसके माध्यम से किडनी के क्षतिग्रस्त होने के संकेतों को बदलना संभव है। परिपक्व स्टेम सेल सेरेलेक्सिन प्रोटीन से मिलकर क्षतिग्रस्त किडनी को ठीक कर सकता है।

स्पेशल ट्रीटमेंट

कब होती है नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत...



बीते कुछ वर्षों में नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की प्रक्रिया काफी प्रचलित हो गई है। केवल अमेरिका में ही हर साल लगभग 600,000 लोगों की नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जाती है। भारत में भी इसका आंकड़ा काफी बड़ा है। लेकिन आप कैसे जानेंगे कि आपको वाकई नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत है। क्योंकि नी रिप्लेसमेंट से कई जोखिम भी जुड़े होते हैं। इसलिए आपके लिए ये जानना जरूरी होता है कि सर्जरी में कुछ गड़बड़ होने पर आपको किन जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। चलिए जानें नी रिप्लेसमेंट सर्जरी करने से पहले जान लेने वाली 5 बेहद जरूरी बातें -

रिप्लेसमेंट सर्जरी के साइड इफेक्ट: डॉक्टरों के अनुसार घुटनों में अर्थराइटिस होने या फिर किसी चोट आदि से कई बार बेहद मुश्किल स्थिति पैदा हो जाती है और बेहद दर्द होने लगता है। और फिर जैसे-जैसे घुटने जवाब देने लगते हैं, चलना-फिरना, उठना-बैठना, यहां तक कि बिस्तर से उठ पाना भी मुश्किल हो जाता है। तो ऐसे में दोनों घुटनों का नी-रिप्लेसमेंट ऑपरेशन किया जाता है। इस सर्जरी में इसमें जांघ वाली हड्डी, जो घुटने के पास जुड़ती है और घुटने को जोड़ने वाली पैर वाली हड्डी, दोनों के कार्टिलेज काट कर उच्चस्तरीय तकनीक से प्लास्टिक फिट किया जाता है।

एनेस्थीसिया साइड इफेक्ट्स : कुछ बड़ी सर्जरी में बेसुध करने के लिए एनेस्थीसिया दिया जाता है ताकि रोगी को ऑपरेशन के दौरान दर्द का आहसास न हो। अधिकांश मामलों में एनेस्थीसिया सुरक्षित होता है और कोई समस्या पैदा नहीं करता है, लेकिन फिर भी कहीं न कहीं इसके साइड इफेक्ट की गुंजाइश रहती ही है। इसके प्रतिकूल प्रभाव निम्न प्रकार से हो सकते हैं- ■ मतली और उल्टी, ■ चक्कर आना, ■ उनींदापन, ■ सांस की नली की सूजन, ■ दांतों को नुकसान, ■ वोकल कॉर्ड्स को चोट, ■ धमनियों में चोट

सर्जरी में डीप वेन थ्रंबोसिस का जोखिम: डीप वेन थ्रंबोसिस और पल्मोनरी एम्बोलिस्म दोनों ही टर्म फेफड़ों में रक्त के थक्के जमने वाली स्थिति लिए प्रयोग की जाती हैं। सभी सर्जरी खून के थक्कों के बनने के जोखिम को बढ़ाती हैं, लेकिन नी रिप्लेसमेंट सर्जरी जैसी आर्थोपेडिक प्रक्रियाओं में जोखिम बढ़ जाता है। आमतौर पर सर्जरी के बाद के पहले दो हफ्तों के भीतर रक्त के थक्के ज्यादा जमते हैं। इसलिए इनके लक्षणों के प्रति सचेत रहना चाहिए ताकि आपातकाल की स्थिति में समय से चिकित्सकीय मदद ली जा सके।

इंप्लांट विफल हो सकता है: कृत्रिम घुटने कई तरह से विफल हो सकते हैं, जैसे सर्जरी के बाद उनका न मुड़ पाना, दर्द बना रहना या ढीला हो जाना। घुटना ढ़ीला रह जाए तो इसे समायोजित करने की जरूरत पड़ती है।

ओस्टियोलिसिस हो सकता है: कुछ मरीजों में इंप्लांट वाले प्लास्टिक (पॉलीथीन) के टुकड़े शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करने वाले कणों को उत्पन्न कर सकते हैं। ऐसे में वाइट ब्लड सेल इन कणों पर हमला कर उन्हें पचा सकती हैं। दुर्भाग्यवश वाइट ब्लड सेल हड्डियों को भी कमजोर बना सकती है।

क्या करें: जिन्दगी की भागदौड़ में घुटने अकसर कमजोर पड़ ही जाते हैं, इसलिए चलते-फिरते और यहां तक कि आराम के वक्त भी इनकी सेहत का ध्यान रखें। घुटनों ने यदि दर्द, सूजन या टेढ़ेपन जैसा कोई संकेत दिया है तो इसे नजरअंदाज न करें। दवाई, एक्सरसाइज और चिकित्सकीय मदद आदि विकल्प आपके घुटनों की उम्र बढ़ा सकते हैं।



शरीर के लिए विषतुल्य हानिप्रद गंदगी को शरीर से बाहर निकाल फेंकने के लिए उषा पान जैसा अमोघ अस्त्र भारतीय परंपरा की ही देन है, जो भारतीय महाऋषियों के शरीर विषयक सूक्ष्म एवं विषद अध्ययन की खूबसूरत अभिव्यक्ति है। आइए जानें इसके लाभ।

बुढ़ापे से मुक्ति दिलाता है उषा पान...



काकचण्डीश्वर कल्पतन्त्र नामक आयुर्वेदीय ग्रन्थ में रात के पहले प्रहर में पानी पीना विषतुल्य बताया गया है। मध्य रात्रि में पिया गया पानी दूध के सामान लाभप्रद बताया गया हैं। प्रातःकाल यानी सूर्योदय से पहले पिया गया जल मां के दूध के समान लाभप्रद कहा गया है। यह इतना लाभप्रद है कि रोग और बुढ़ापे से मुक्ति दिला सकता है। लोहे के बर्तन में रखा हुआ दूध और तांबे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने वाले को कभी लिवर और रक्त संबंधी रोग नहीं होते और रक्त हमेशा शुद्ध बना रहता है। उषा पान के लिए पिया जाने वाला जल तांबे के बर्तन में रात भर रखा जाए, तो उससे और भी स्वस्थ्य लाभ प्राप्त हो सकेंगे। जल से भरा तांबे का बर्तन सीधे भूमि के संपर्क में नहीं रखना चाहिए, अपितु इसको लकड़ी के टुकड़े पर रखना चाहिए। और पानी हमेशा नीचे उकडू बैठकर यानी घुटनों के बल उत्कर आसान में बैठकर पीना चाहिए। ऐसे लोग जिन्हें यूरिक एसिड बढ़े होने की शिकायत है उनके लिए तो सुबह उषा पान करना किसी रामबाण औषिधि से कम नहीं है।

क्या है उषा पान

प्रातः काल यानी रात्रि के अंतिम प्रहार में पिया जाने वाल जल, दूध इत्यादि को आयुर्वेद और भारतीय धर्म शास्त्रों में उषा पान शब्द से संबोधित किया गया है। सुप्रसिद्ध आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' सूर्य उदय होने के निकट समय में जो मनुष्य आठ प्रसर मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर सौ वर्ष से भी अधिक जीवित रहता है।

कब करें उषा पान

प्रातःकाल बिस्तर से उठ कर बिना मुख प्रक्षालन यानी कुल्ला इत्यादि बिना किए हुए ही पानी पीना चाहिए। कुल्ला करने के बाद पिए जाने वाले पानी से सम्पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता। ध्यान रहे पानी मल मूत्र त्याग के भी पहले पीना है।

उषा पान के फायदे

सवेरे तांबे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने से अर्श यानी बवासीर, शोथ(सोजिश), ग्रहणी, ज्वर, पेट के रोग, बुढ़ापा, कोष्ठगत रोग, मोटापा, मूत्राघात, रक्त पित्त यानी शरीर के किसी भी मार्ग में होने वाला रक्त स्त्राव, त्वचा के रोग, कान नाक गले सिर एवं नेत्र रोग, कमर दर्द तथा अन्यान्य वायु, पित्त, रक्त और कफ, मासिक धर्म, कैंसर, आंखों की बीमारी, डायरियां, पेशाब संबंधी बीमारी, किड़नी, टीबी, गठिया, सिरदर्द आदि से संबंधित अनेक व्याधियां धीरे धीरे समाप्त हो जाती हैं।

जल की नैसर्गिक शक्ति



जल में एक नैसर्गिक विद्युत होती है, जो रोगों का विनाश करने में समर्थ होती हैं। इसलिए जल के विविध प्रयोगों से शरीर के सूक्ष्म अति सूक्ष्म, ज्ञान तंतुओ के चक्र पर अनूठा प्रभाव पड़ता है, जिस से शरीर के मूल भाग मस्तिष्क की शक्ति और क्रियाशीलता में चमत्कारिक बढ़ोतरी होती है। एक कहावत हैं-प्रातः काल खाट से उठकर, पिए तुरतहि पानी। उस घर वैद्य कबहुं नहीं आए बात घाघ ने जानी।

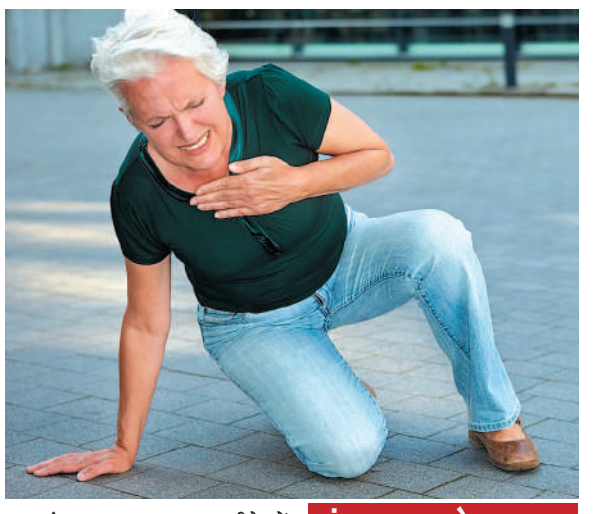
साफ जल के नुकसान

मगर आज एक सोची समझी साजिश के तहत हमारे जल को भी अति दूषित कर दिया गया है और इसको साफ करने के लिए जो विधियां हम इस्तेमाल करते हैं वे पानी को साफ तो करती हैं मगर साथ में पानी में मौजूद मिनरल्स भी निकाल देती हैं। इसलिए जब हम पहाड़ों पर कभी जाते हैं तो वहां के पानी में बहुत बढ़िया स्वाद आता है।



इम्पोरटेंट फेक्ट्स

दिल में आक्सीजन की कमी एन्जाइना का संकेत



कंठ-शूल (एन्जाइना) सीने में होने वाला दर्द या दबाव है जो हृदय में रक्त के प्रवाह में कमी के कारण उत्पन्न होता है। आपकी बांहों, जबड़े या पीठ के ऊपरी भाग में भी दर्द महसूस हो सकता है। यह दर्द इस बात का संकेत है कि आपके हृदय को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। यह इस बात का लक्षण है कि आपको दिल का दौरा रोकने के लिए उपचार की आवश्यकता है।



कब कराएं उपचार

एन्जाइना के लक्षण महसूस हो रहे हों और उसका उपचार करने के लिए दवा न हो। अपनी दवा ले ली हो लेकिन आपके लक्षण दूर न हो रहे हों या आपको ऐसे नए लक्षण महसूस हो रहे हों जो पहले कभी न हुए हों। आपातचिकित्सा टीम के आने तक बैठें या लेट जाएं। गाड़ी चलाकर अस्पताल न जाएं और न ही अपने डॉक्टर को फोन कर देर करें।

कंठ-शूल के लक्षण

एन्जाइना के लक्षण काफी कुछ दिल के दौरे के लक्षणों जैसे हो सकते हैं।

- सीने, बांहों, जबड़े, कंधों या गर्दन में दर्द या दबाव, या खिंचाव अथवा भारीपन महसूस होना।
- पसीना आना।
- सांस फूलना।
- मितली या उल्टी आना।
- पेट में दर्द।
- बेहद थकान लगना, चक्कर या बेहोशी महसूस करना।

कुछ लोगों को कोई लक्षण महसूस नहीं होते। अगर आप जो कुछ कर रहे हैं उसे रोककर आराम करें तो अक्सर एन्जाइना के दर्द में आराम मिल जाता है। अगर आपके डॉक्टर ने आपको बताया है कि आपको एन्जाइना है, तो आपको दर्द होने पर दवा दी जा सकती है। इस दवा को नाइट्रोग्लिसरीन कहते हैं।

जरूरी सुझाव

आपको हृदय की समस्या है या नहीं यह देखने के लिए आपकी जांच की जाएगी। आपको दवाएं देनी शुरू की जा सकती हैं या आपके हृदय को रक्त प्रवाह में सुधार के लिए अन्य प्रक्रियाएं की जा सकती हैं। आपके डॉक्टर आपको कम वसा वाला भोजन करने और अपने हृदय का स्वास्थ्य बेहतर बनाने के लिए व्यायाम करने का सुझाव भी दे सकते हैं। अगर आपके डॉक्टर नाइट्रोग्लिसरीन सुझाते हैं, तो अपने डॉक्टर के आदेश के अनुसार दवा का प्रयोग करें। अधिक जानकारी के लिए, नाइट्रोग्लिसरीन हैंडआउट मांगें।

जान सकेंगे शादी के बाद की जिंदगी कैसे जीएं?

वैडिंग कोचिंग से हल होंगी परेशानियां

शादी का नाम सुनकर जहां दिल में गुदगुदी होती है, वहीं नए रिश्ते की शुरुआत के बारे में सोच कर मन आशंकाओं के समुद्र में गोते खाता रहता है। युवितयों के मन में अनेक सवाल जैसे शादी के बाद ससुराल में जींस पहनने देंगे या नहीं, पहली बार कौन सी डिश पकवाएंगे, पति को जाने मेरी किस बात का बुरा लग जाए, मायके ज्यादा आने देंगे कि नहीं, सासू मां का स्वभाव कैसा होगा, नौकरी करने देंगे या नहीं... आदि जहां परेशान करते हैं, वहीं निजी समस्याओं का भी डर सताता है, परंतु इन बातों का समाधान कहीं से नहीं मिलता। कौन समझे मन की बातें घर में दादी-नानी, मां, दीदी और भाभी की नसीहतें सुन-सुन कर दिल कई बार डरता है। सहेलियां हमउम्र होने के कारण उसकी परेशानियों को सुनकर भी कोई राय नहीं दे पातीं। ऐसे में आजकल वैडिंग कोचिंग का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, कोचिंग में जाकर शादी से पहले हम खुद को मानसिक तौर पर तैयार कर लेते हैं।



मिल जाते हैं सवालों के जवाब

विवाह से पहले ही रिश्तों और उनकी मर्यादाओं के साथ अन्य पहलुओं को भी समझ लिया जाए तो विवाह में बिखराव और अलगाव की नौबत नहीं आती। इसके लिए घर की किसी बुजुर्ग महिला की नसीहतों के अलावा दुल्हन के लिए वैडिंग कोचिंग बढ़िया रहती है, जहां उसे पति-पत्नी के संबंधों से ताल्लुक रखने वाले छोटे से छोटे सवालों के जवाब काउंसिलिंग में मिल जाते हैं। क्या है वैडिंग कोचिंग विदेशों की तर्ज पर अब महानगरों में भी वैडिंग स्ट्रेस कोचिंग सेंटर खुलने लगे हैं, जिससे विवाह के बाद ही नहीं, विवाह से पहले भी एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, इच्छा-अनिच्छा आदि को समझने में आसानी हो। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें समझने के साथ फैमिली प्लानिंग पर भी विचार कर सकें। सिर्फ 2-3 सिटिंग ही इसके लिए काफी हैं।

मानसिक तौर पर खुद को करें तैयार

मैरिज काउंसलर की मानें तो आज की पीढ़ी में पहले की तुलना में समर्पण, धैर्य और त्याग जैसी भावनाएं काफी कम होने लगी हैं, सो ऐसी कोचिंग उन्हें एक-दूसरे को समझने में मदद करती है। कामकाजी दुल्हनों को कई बार एकल परिवार के ही दायित्व निभाने में भी दिक्कत आती है। पति के साथ अहं का टकराव होने से भी वैवाहिक जीवन को संभाल पाना कठिन हो जाता है। सफल वैवाहिक रिश्ते के लिए युगल स्वयं को मानसिक स्तर पर पहले तैयार करें। विवाह से पहले घर बसाने के लिए व्यावहारिक बातों की शिक्षा परिवार के बुजुर्गों द्वारा जरूर दी जाती है, लेकिन उसमें भी अहम बातें छूट जाती हैं। प्री-मैरिटल काउंसिलिंग में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे के विचारों से सामंजस्य बैठाना सिखाया जाता है।

स्किन से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करती है, सुपारी

अक्सर देखा गया है कि सुपारी का इस्तेमाल ज्यादातर पूजा में किया जाता है। यह गर्ण तासीर की होती है। इसे जलाकर उसकी राख को दांतों को साफ किया जाता है और दांत चमकीले होते हैं। सुपारी बड़ी और छोटी होती है। आज हम आपको इसे इस्तेमाल करने पर होने वाले लाभ के बारे में बताएगें।

■ अगर आपके मसूड़ों से खून है तो सुपारी लेकर उसका मोटा कूटकर काढ़ा बना लें। इस काढ़े से रोज कुल्ला करने पर मसूड़ों से खून आना बंद हो जाता है।

■ अगर आपको बहुत ज्यादा यूरिन की समस्या हो रहा है तो ऐसे में सुपारी का पाउडर लेकर 1 या 2 ग्राम गाय के घी के साथ इस्तेमाल करें।

■ हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सुपारी में मौजूद टैनिन बहुत ही उपयोगी होती है।

■ इसका अधिक प्रयोग रक्तभार को कम करता है तथा चक्कर आने लगता है।

■ सुपारी का इस्तेमाल दांतों की सड़न को



रोकने के लिए मंजन के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं।

■ अगर आपके दांतों में कीड़ा लगा है तो सुपारी को जलाकर उसका पाउडर बना लें और इससे रोजाना ब्रश करें।

■ अगर आपको कही चोट लगने से घाव हो गया हो और खून बह रहा है तो ऐसे में इसका बारीक पाउडर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।

■ जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है और उसका मुंह सूखे तो वह एक सुपारी का टुकड़ा मुंह में रख लें। ऐसी करने से मुंह बार-बार नही सूखेगा।

■ दाद, खाज, खुजली और चकत्ते होने पर सुपारी को पानी के साथ घिसकर लेप करने से फायदा होता है। बहुत ज्यादा खुजली होने पर सुपारी की राख को तिल के तेल में मिलाकर लगाने से लाभ होता है।

रेसिपी



फ्रूट क्रीम

सामग्री

400 ग्राम क्रीम, 100 ग्राम चीनी, 100 ग्राम सेब (कटा हुआ), 50 ग्राम अनार, 50 ग्राम पपीता(कटा हुआ), 50 ग्राम आडू (कटा हुआ), 50 ग्राम अनानास (कटा हुआ), 35 ग्राम बादाम (कटे हुए)

विधि

सबसे पहले एक बाऊल में क्रीम और चीनी को अच्छी तरह मिक्स कर लें। मिक्स करने के बाद इसमें सेब, अनार, पपीता, आडू, अनानास और बादाम डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इसे 30 मिनट के लिए फ्रीज करें। फ्रीज करने के बाद पिस्ता और चेरी के साथ गार्निश करके सर्व करें।



रवा उत्तपम

सामग्री

1 कप रवा या सूजी, 1 छोटा चम्मच नमक, तीन चौथाई कप दही, आधा कप पानी, आधा छोटा चम्मच फ्रूट सॉल्ट, 1 छोटा टमाटर, 1 छोटा प्याज, 1 छोटी शिमला मिर्च, 2 कटी हरी मिर्च, 1 बड़ा चम्मच हरा धनिया, डेढ़ बड़े चम्मच तेल

विधि

बर्तन में सूजी, नमक और दही लें, थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए सभी सामग्रियों को आपस में मिला लें। मिश्रण को 10 मिनट के लिए अलग रखें। 10 मिनट बाद सूजी काफी पानी सोख लेगी, सूजी हल्की होनी चाहिए। उसमें चम्मच चलाएं, यदि जरूरत लगे तो थोड़ा पानी और मिलाएं। हरी मिर्च का डंठल हटा कर उसे अच्छे से धोकर काट लें। प्याज को धो लें और फिर इसे बारीक काट लें। टमाटर को भी छोटा-छोटा काट लें। शिमला मिर्च को बीच से दो भागों में काट लें तथा इसका डंठल और बीज हटा दें। अब शिमला मिर्च को धोकर छोटा-छोटा काट लें। सूजी के घोल में कटी हरी मिर्च, हरा धनिया, टमाटर, प्याज और शिमला मिर्च डाल कर अच्छे से मिलाएं। सूजी के मिश्रण में ईनो डालें और उसके ऊपर एक छोटा चम्मच पानी डाल कर घोल को अच्छे से एक दिशा में एक मिनट तक फेंटें। अब मध्यम आंच पर एक तवा गर्म करें और जब तवा गर्म हो जाए तो इसको गीले कपड़े या फिर किचन पेपर से पोंछ लें। एक चम्मच कटोरी में सूजी का घोल लेकर लगभग 4 इंच का उत्तपम फैलाएं। दोनों तरफ से थोड़ा तेल लगा कर इसे अच्छे से सेकें। इसमें 2-3 मिनट का समय लगता है। स्वादिष्ट और पौष्टिक उत्तपम तैयार है। सर्व करने के लिए, अब इसे सांभर और नारियल की चटनी के साथ सर्व करें।

संपादकीय

पचास माह की सर्वोच्च महंगाई

यदि फैक्टरी गेट पर मुद्रास्फीति बढ़ गई है, तो खुदरा महंगाई से आम आदमी कैसे बच सकता है? खुदरा महंगाई दर पहले ही 6 फीसदी की हद लांघ चुकी है। यह 'लक्ष्मण-रेखा' भारतीय रिजर्व बैंक ने खींची थी। अब थोक महंगाई दर भी चार साल में सबसे अधिक 12.29 फीसदी पर पहुंच गई है। यह बीते 50 माह (4 साल, 2 माह) में महंगाई का सर्वोच्च स्तर है। ग्रामीण इलाकों में मुद्रास्फीति और खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 'दहाई' में पहुंच चुकी है। यह लगभग वही स्थिति है, जो कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान होती थी। तब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने बहुत आक्रामक अभियान छेड़ा था और ढेरों आश्वासन दिए थे। आज कोई सुनने वाला भी नहीं है, जब केंद्र में भाजपा-एनडीए की सरकार है और मोदी बीते साढ़े 12 साल से प्रधानमंत्री हैं। बहरहाल थैली में बिकने वाला दूध एक ही दिन में 4 रुपए से 12 रुपए प्रति लीटर तक महंगा कर दिया, कोई सवाल करने वाला ही नहीं है कि ऐसा क्यों किया गया? आम आदमी के लिए चाय पीना भी महंगा और दुश्वार हो गया है। दूध के अलावा दालें, आटा, खाद्य तेल और अधिकतर सब्जियां भी महंगी बेची जा रही हैं।

ईंधन और बिजली महंगी हो गई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के दाम 57 फीसदी से बढ़ कर 71 फीसदी पर पहुंच गए हैं। पेट्रोलियम उत्पादों की महंगाई 40 फीसदी से बढ़ कर 45 .5 फीसदी हो गई है। कच्चा माल महंगा होने से महंगाई दर 17 .5 फीसदी तक बढ़ गई है। कच्चे माल की लागत बढऩे से कंपनियों के मुनाफे पर संकट है। वह सिकुड़ता जा रहा है। कंपनियों पर सरकारों के दबाव भी हैं कि कीमतें ज्यादा नहीं बढऩी चाहिए। यदि कंपनियां, अंतत:, ग्राहकों पर बोझ डालती हैं, तो आने वाले दिनों में कारखानों से बन कर निकलने वाली वस्तुओं की महंगाई दर, कई और फीसदी तक, बढ़ सकती है। यदि उत्पादन महंगे होते रहे, तो स्वाभाविक है कि बाजार में मांग घट सकती है, उसका प्रभाव औसत क्रय-शक्ति पर पड़ेगा, नतीजतन देश की अर्थव्यवस्था ही प्रभावित होगी। फिलहाल स्टील, एल्युमीनियम, लोहा आदि की भी महंगाई दर 17 फीसदी से ज्यादा है। ये भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य कारकों में से हैं। चूंकि पश्चिम एशिया में अब भी युद्ध के हालात हैं, होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद है, लिहाजा सप्लाई चेन अवरुद्ध है। यह स्थिति भी महंगाई बढ़ा रही है। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर भी 8.67 फीसदी से बढ़ कर 9 .24 फीसदी हो गई है। गांवों में यह 11-12 फीसदी से अधिक है। संभवत: आम आदमी 'फीसदी' के अर्थशास्त्र को नहीं समझता। आम भाषा में महंगाई बढ़ती जा रही है। आम आदमी का बजट तो सीमित है। जब भी महंगाई उछलती है, तो हम पर्याप्त विश्लेषण करके सरकार को जगाते रहे हैं, लेकिन सरकार के झंडेबरदार धर्म, राम-कृष्ण, 80-20, माफिया, बुलडोजर और 50 करोड़ अत्यधिक गरीबों को गरीबी से बाहर निकालने की बातें तो दोहराते रहते हैं, लेकिन उन्हें अब महंगाई की चिंता नहीं है।

थोक महंगाई दर अगस्त, 2022 में भी 12.48 फीसदी तक उछल चुकी है। अब दालें करीब 26 फीसदी और तिलहन करीब 22 फीसदी महंगे हो चुके हैं। सबसे अधिक दबाव मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र पर दिख रहा है, जहां कपड़ा, रसायन, रबर और प्लास्टिक, धातुएं और बिजली के उपकरणों की कीमतें बढ़ गई हैं। बेशक ये वस्तुएं रोजमर्रा जीवन की बुनियादी जरूरतें नहीं हैं, लेकिन कपड़ा और दवा के रूप में रसायन तो बेहद महत्वपूर्ण वस्तुएं हैं। जरूरत पडऩे पर इन चीजों की खरीद करनी ही पड़ती है। बेशक हम टीवी, फ्रिज, एयरकंडीशनर आदि को फिलहाल छोड़ सकते हैं। वैसे टीवी, फ्रिज तो अब औसत घर की जरूरत बन चुके हैं। महंगाई के जो आंकड़े जारी किए गए हैं, उनके आधार पर कपड़ा 13.67 फीसदी, तंबाकू उत्पाद 13 फीसदी, रसायन 17.5 फीसदी, रबर और प्लास्टिक करीब 14 फीसदी, बेसिक धातुएं 17 फीसदी से अधिक और बिजली उपकरण करीब 10.5 फीसदी महंगे हो गए हैं। इस महंगाई के कई कारण हैं। ईंधन और बिजली महंगी हो गई है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के दाम 57 फीसदी से बढ़ कर 71 फीसदी पर पहुंच गए हैं। पेट्रोलियम उत्पादों की महंगाई 40 फीसदी से बढ़ कर 45.5 फीसदी हो गई है। कच्चा माल महंगा होने से महंगाई दर 17.5 फीसदी तक बढ़ गई है। कच्चे माल की लागत बढऩे से कंपनियों के मुनाफे पर संकट है। वह सिकुड़ता जा रहा है। कंपनियों पर सरकारों के दबाव भी हैं कि कीमतें ज्यादा नहीं बढऩी चाहिए। यदि कंपनियां, अंतत:, ग्राहकों पर बोझ डालती हैं, तो आने वाले दिनों में कारखानों से बन कर निकलने वाली वस्तुओं की महंगाई दर, कई और फीसदी तक, बढ़ सकती है। यदि उत्पादन महंगे होते रहे, तो स्वाभाविक है कि बाजार में मांग घट सकती है, उसका प्रभाव औसत क्रय-शक्ति पर पड़ेगा, नतीजतन देश की अर्थव्यवस्था ही प्रभावित होगी। फिलहाल स्टील, एल्युमीनियम, लोहा आदि की भी महंगाई दर 17 फीसदी से ज्यादा है। ये भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य कारकों में से हैं। चूंकि पश्चिम एशिया में अब भी युद्ध के हालात हैं, होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद है, लिहाजा सप्लाई चेन अवरुद्ध है। यह स्थिति भी महंगाई बढ़ा रही है। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर भी 8.67 फीसदी से बढ़ कर 9.24 फीसदी हो गई है। गांवों में यह 11-12 फीसदी से अधिक है। संभवत: आम आदमी 'फीसदी' के अर्थशास्त्र को नहीं समझता। आम भाषा में महंगाई बढ़ती जा रही है। आम आदमी का बजट तो सीमित है। जब भी महंगाई उछलती है, तो हम पर्याप्त विश्लेषण करके सरकार को जगाते रहे हैं, लेकिन सरकार के झंडेबरदार धर्म, राम-कृष्ण, 80-20, माफिया, बुलडोजर और 50 करोड़ अत्यधिक गरीबों को गरीबी से बाहर निकालने की बातें तो दोहराते रहते हैं, लेकिन उन्हें अब महंगाई की चिंता नहीं है। उन्हें तो सब कुछ निःशुल्क या औने-पौने दाम पर उपलब्ध है, क्योंकि वे देश की सरकार हैं, लेकिन आम आदमी क्या करे? अंततः यूरोप को भारत में दोहराने की नौबत आ सकती है! महंगाई को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे ताकि गरीब जनता को राहत मिले।

कुछ अलग

जूते चाट, ठाठ ही ठाठ

हे मेरे शुभचिंतको! आज मैं खुले मन से स्वीकार करता हूं कि जिंदगी भर झूठ कहा। डटकर कहा। पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा। पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा झूठ सच से कई गुणा प्रभावी होता है। मुझ पर विश्वास नहीं, तो खुद कह कर देख लीजिए। क्या मजाल जो कोई आपके झूठ पर जरा भी प्रश्नचिन्ह लगाए। सच पर प्रश्नचिन्ह लगाए जा सकते हैं। सच पर प्रश्नचिन्ह लगाना लाजिमी भी है। पर अब मैं आपसे झूठ नहीं कहूंगा। इसलिए सच यह है कि मैं जूते घिसने से अधिक जूते चाटने में विश्वास करता हूं। किसी के भी जूते चाटने से शर्तिया सम्मान मिलता है। ऑनलाइन ऑफलाइन हर तरह का। जूते चाटने का एक लाभ यह होता है कि एक तो अपने जूते घिसने से बच जाते हैं, और दूसरे, समय की बचत होती है। ऐसे में, उस बचे समय का सदुपयोग कहीं और जूते चाटने के लिए किया जा सकता है। मैनेजमेंटी भाषा में इसे जूता चटाई मैनेजमेंट भी कह सकते हैं।

दृष्टि कोण

अनियंत्रित उपभोक्तावाद से उपजा पर्यावरण संकट

हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा जारी 'स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट फॉर कॉप-31' नामक रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि जनवरी से सितंबर, 2026 के बीच पृथ्वी का औसत सतही तापमान 19वीं सदी के उत्तरार्ध (1850–1900) में दर्ज औसत तापमान की तुलना में लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इस रिपोर्ट में तापमान की वृद्धि को समझने के लिए 1850 से 1900 के बीच की अवधि को आधार माना गया है, जिसे जलवायु विज्ञान में पूर्व-औद्योगिक संदर्भ अवधि कहा जाता है। वहीं, क्लाइमेट एक्शन ट्रैकर द्वारा जारी 'विदाउट रैपिड एक्शन, द वर्ल्ड इज़ हेडिंग टू इरिंकवरेबल ओवरशूट' नामक रिपोर्ट में भी वैश्विक जलवायु प्रयासों की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन को रोकने के सामूहिक वैश्विक प्रयास लगातार पांचवें वर्ष लगभग ठहर गए हैं। वर्तमान सरकारी नीतियों के आधार पर इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान में 2.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है। जलवायु परिवर्तन का संकट अब भविष्य की कोई आशंका भर नहीं रह गया है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घट रही घटनाएं इस संकट की बढ़ती गंभीरता का संकेत दे रही हैं। जुलाई, 2019 में पश्चिमी यूरोप के कई देशों को अविश्वसनीय रूप से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। बेल्जियम और नीदरलैंड में तापमान पहली बार 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। फ्रांस में जुलाई की भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया और कई लोगों की मौत का कारण बनी। वहीं, अप्रैल और मई,



2024 में दक्षिणी ब्राजील के रियो ग्रांडे दो सुल राज्य में हुई मूसलाधार बारिश ने विनाशकारी बाढ़ का रूप ले लिया और लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े। इन घटनाओं का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों के अंतर्राष्ट्रीय समूह 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' के निष्कर्ष बताते हैं कि मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ रहा जलवायु परिवर्तन ऐसी भीषण गर्मी और अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की संभावना तथा तीव्रता को बढ़ा रहा है। मानवीय गतिविधियां जलवायु परिवर्तन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही हैं। इस तथ्य को जलवायु वैज्ञानिक अपने विभिन्न अध्ययनों में लगातार रेखांकित कर रहे हैं। आईपीसीसी की 'जलवायु परिवर्तन 2023 रिपोर्ट' में ऊर्जा के बेतहाशा उपयोग, वनों की निरंतर कटाई और औद्योगिक उत्पादन जैसी मानवीय गतिविधियों को जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारणों के रूप में रेखांकित किया गया है। जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी केवल सरकारों और नीतिगत व्यवस्थाओं पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से विमुख नहीं हो सकते। दरअसल, हमारी अपनी गतिविधियां और दैनिक जीवन से जुड़े निर्णय भी इस समस्या को बढ़ाने में योगदान देते हैं। इसलिए हमें उन गतिविधियों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा, जिनमें बदलाव करना हमारे अपने हाथ में है। हमारी इस जिम्मेदारी और व्यक्तिगत भूमिका को समझने के लिए मायरा जे. हर्ड द्वारा संपादित पुस्तक 'कंज्यूमिंग द एनवायरनमेंट' एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। दरअसल, हमारी रोजमर्रा की खरीदारी, फैशन के बदलते चलन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती मांग का संबंध केवल बाजार और हमारी जरूरतों से नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर भी पड़ता है। किसी वस्तु का पर्यावरण पर प्रभाव केवल उसके उपयोग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों के दोहन से शुरू होकर उसके उपयोग के बाद फेंक दिए जाने तक बना रहता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं आसियान को भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के केंद्र में बताया है

आसियान मंचः भारत का दबदबा, मोदी की कूटनीतिक गूंज

> आज भारत इसी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। दक्षिण-पूर्व एशिया के 11 देशों के संगठन आसियान का भारत सदस्य नहीं है, फिर भी उसके सर्वोच्च सम्मेलनों में भारत की उपस्थिति जिस सम्मान और अपेक्षा के साथ होती है, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत है। हाल ही में फिलीपींस की राजधानी मनीला में हुए 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय भागीदारी ने इस बदलती तस्वीर को और स्पष्ट किया है। यह दृश्य अपने आप में महत्वपूर्ण है कि भारत आसियान का सदस्य नहीं है, लेकिन आसियान की भविष्य-चर्चा में भारत को अलग रखकर क्षेत्रीय समीकरणों की कल्पना करना कठिन होता जा रहा है। यही भारत की कूटनीतिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। 1991 की 'लुक ईस्ट' नीति से शुरू हुई यात्रा 2014 में 'एक्ट ईस्ट' नीति और अब व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टि तक पहुंची है।

किसी देश का वैश्विक प्रभाव केवल उसकी आर्थिक शक्ति, सैन्य क्षमता या जनसंख्या से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से भी तय होता है कि विश्व की महत्वपूर्ण शक्तियाँ उसकी बात को कितनी गंभीरता से सुनती हैं। आज भारत इसी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। दक्षिण-पूर्व एशिया के 11 देशों के संगठन आसियान का भारत सदस्य नहीं है, फिर भी उसके सर्वोच्च सम्मेलनों में भारत की उपस्थिति जिस सम्मान और अपेक्षा के साथ होती है, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत है। हाल ही में फिलीपींस की राजधानी मनीला में हुए 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय भागीदारी ने इस बदलती तस्वीर को और स्पष्ट किया है। यह दृश्य अपने आप में महत्वपूर्ण है कि भारत आसियान का सदस्य नहीं है, लेकिन आसियान की भविष्य-चर्चा में भारत को अलग रखकर क्षेत्रीय समीकरणों की कल्पना करना कठिन होता जा रहा है। यही भारत की कूटनीतिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। 1991 की 'लुक ईस्ट' नीति से शुरू हुई यात्रा 2014 में 'एक्ट ईस्ट' नीति और अब व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टि तक पहुंची है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं आसियान को भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के केंद्र में बताया है। आसियान केवल भौगोलिक समूह नहीं है। यह आर्थिक शक्ति, समुद्री मार्गों, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और हिंद-प्रशांत की रणनीतिक राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र है। इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम, फिलीपींस, ब्रुनेई, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और तिमोर-लेस्ते जैसे देश भारत के लिए व्यापार, निवेश, समुद्री सुरक्षा, तकनीक और सांस्कृतिक संपर्क की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मनीला में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और आसियान को प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग को आधार बनाकर शांति, स्थिरता और विकास का वातावरण तैयार करना चाहिए। उन्होंने मुक्त, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई और आसियान की एकता तथा केंद्रीयता को भारत के लिए



महत्वपूर्ण बताया। यह केवल कूटनीतिक भाषा नहीं है। इसके पीछे भारत की दीर्घकालीन रणनीति है-ऐसा हिंद-प्रशांत जिसमें किसी एक शक्ति का वर्चस्व न हो, छोटे देशों को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति चलाने की जगह मिले और समुद्री मार्ग खुले रहें। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का एक विशिष्ट पक्ष यह है कि उन्होंने भारत को केवल 'बड़ा बाजार' या 'उभरती अर्थव्यवस्था' के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय एक विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। मनीला में इसका प्रमाण अनेक द्विपक्षीय मुलाकातों में दिखाई दिया। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ मोदी ने रक्षा, अंतरिक्ष, रेल, वित्तीय तकनीक तथा व्यापार और निवेश में सहयोग की प्रगति पर चर्चा की। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ डिजिटल क्षेत्र, कौशल, संपर्क, स्वास्थ्य, रक्षा-सुरक्षा और आर्थिक सहयोग की समीक्षा हुई। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल के साथ व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, संपर्क, डिजिटल तकनीक और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर विचार हुआ। मोदी की विदेश नीति का संदेश साफ है-भारत संबंधों का केवल दर्शक नहीं, बल्कि संबंधों की नई संरचना का सक्रिय निर्माता बनना चाहता है। इस पूरी यात्रा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की राजनीतिक दृष्टि को वैश्विक कूटनीतिक संवाद में ठोस स्वरूप देने में जयशंकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे केवल विदेश मंत्रालय के प्रशासक नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था को समझने वाले रणनीतिक चिंतक के रूप में भारत की विदेश नीति का प्रभावी चेहरा बने हैं। भारत की विदेश नीति में आज एक साथ अमेरिका, रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया और आसियान देशों के साथ संबंधों को संतुलित रखने की क्षमता दिखाई देती है। यह संतुलन किसी एक खेमे में जाने के बजाय भारत के राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंधों को आकार देने की नीति को दर्शाता है। जयशंकर की कूटनीति का मूल संदेश भी यही रहा है कि भारत किसी शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपने हितों और अपनी सभ्यतागत दृष्टि के आधार पर विश्व से संबंध बनाएगा। प्रधानमंत्री की राजनीतिक सक्रियता और विदेश मंत्री की रणनीतिक कूटनीति का यह संयोजन भारत की विदेश नीति को अधिक प्रभावशाली बना रहा है।

मनीला सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति ने भी इस यात्रा को विशेष महत्व दिया। 17 नवंबर को मनीला में पहली बार क्वाड नेताओं का शिखर-स्तरीय संवाद हुआ, जिसमें मोदी, ट्रंप, जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची साने और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज शामिल हुए। इस घटनाक्रम का संदेश बहुत व्यापक है। भारत एक ओर आसियान के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है, दूसरी ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड के माध्यम से हिंद-प्रशांत की रणनीतिक संरचना को भी मजबूत कर रहा है। इसका अर्थ किसी देश के विरुद्ध मोर्चेबंदी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, आपूर्ति श्रृंखलाओं, महत्वपूर्ण खनिजों, समुद्री सुरक्षा और तकनीकी सहयोग में साझेदारी को बढ़ाना है। यहां मोदी की विदेश नीति का एक नया आयाम दिखाई देता है-भारत अब शक्ति-संतुलन का निष्क्रिय हिस्सा नहीं, बल्कि शक्ति-संतुलन को प्रभावित करने वाला केंद्र बनना चाहता है। आसियान देशों के लिए चीन एक बड़ा आर्थिक साझेदार है, लेकिन उसके साथ समुद्री और रणनीतिक विवाद भी हैं। दक्षिण चीन सागर में तनाव, आर्थिक निर्भरता और क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा के बीच आसियान देश किसी एक शक्ति पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। यही भारत के लिए बड़ा अवसर है। भारत को चीन का विकल्प बनने की जल्दबाजी करने के बजाय विश्वसनीय विकल्प बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए व्यापार घाटे को कम करना, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाना, आपूर्ति श्रृंखलाओं में भागीदारी बढ़ाना, निवेश को प्रोत्साहित करना और भारत-आसियान संपर्क परियोजनाओं को तेजी देना आवश्यक है। मनीला में घोषित समुद्री सहयोग योजना, साइबर प्रशिक्षण, अंतरिक्ष सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, परमाणु ऊर्जा, युवाओं और स्टार्ट-अप सहयोग तथा नालंदा में आसियान देशों के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति जैसी पहलें इसी नई दिशा की ओर संकेत करती हैं। भारत-आसियान संबंधों की सबसे बड़ी चुनौती व्यापार असंतुलन है। केवल आयात बढ़ाना या बाजार खोलना पर्याप्त नहीं होगा। भारतीय उद्योग को आसियान के बाजारों में अधिक आक्रामक, गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धी उपस्थिति बनानी होगी। मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत की ताकत केवल अर्थव्यवस्था नहीं, उसकी संस्कृति भी है।

दिविसीमा चक्रवात : सेवा, मानवता और पुनर्वास की अविस्मरणीय स्मृतियां

विशेष संस्मरण

19 नवंबर 1977 को दिविसीमा क्षेत्र में आए विनाशकारी चक्रवात की घटना मेरे जीवन के सबसे अविस्मरणीय अनुभवों में से एक है। इस आपदा में हजारों लोगों की जान चली गई, कई गांव पूरी तरह तबाह हो गए और सड़कें, बिजली तथा संचार व्यवस्था ध्वस्त हो गई। पीने के पानी और भोजन की भारी कमी के बीच लोगों को अकल्पनीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हर वर्ष 19 नवंबर के करीब आते ही दिविसीमा के लोगों के मन में उस भयावह त्रासदी की स्मृतियां ताजा हो जाती हैं, जो आज भी गहरे दुख और पीड़ा का कारण हैं। 19 नवंबर 1977 के विनाशकारी चक्रवात ने हजारों परिवारों को उजाड़ दिया और अनगिनत लोगों की जान ले ली। उस आपदा के निशान और स्मृतियां आज भी लोगों के हृदय में अंकित हैं।

उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के तत्कालीन क्षेत्रीय प्रचारक श्री सोमपल्ली सोमैया के निर्देश पर मेरे सहित स्वयंसेवकों का एक दल 21 नवंबर को राहत कार्यों में भाग लेने के लिए अवनिगड्डा क्षेत्र पहुंचा। युवा स्वयंसेवकों के रूप में हम प्रभावित लोगों के साथ खड़े होने और संकट में फंसे लोगों की सहायता करने के दृढ़ संकल्प के साथ वहां पहुंचे थे।

चारों ओर तबाही और शवों का ढेर

प्रभावित क्षेत्र में पहुंचने के बाद जो दृश्य हमने देखा, वह आज भी मेरी स्मृतियों में जीवंत है। हर जगह सामान्य जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका था और पूरा क्षेत्र एक विशाल श्मशान जैसा दिखाई दे रहा था। कई शव पहचान से परे थे और जगह-जगह ढेरों में पड़े थे। हजारों लोगों की मौत हो चुकी थी। हालात इतने हृदयविदारक थे कि मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए उनके परिजन भी आगे आने में असमर्थ थे अथवा सामने नहीं आ पा रहे थे।

ऐसी परिस्थितियों में हमने मृत आत्माओं को सम्मानजनक अंतिम विदाई देने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली। हम सभी स्वयंसेवक मिलकर प्रत्येक शव को बांस के सहारे बांधते और चार स्वयंसेवक कंधों पर उठाकर भगवान राम का नाम लेते हुए अंतिम संस्कार के लिए ले जाते थे। जिन दुर्भाग्यपूर्ण मृतकों का कोई अपना उन्हें लेने नहीं आया, उन्हें भी अंतिम विदाई देना हमने अपना पवित्र कर्तव्य माना।

मैं इन सेवा गतिविधियों में खाकी हाफ पैंट और सफेद शर्ट पहनकर, चेहरे पर मास्क तथा सिर पर कपड़ा बांधकर शामिल होता था। लगभग दस दिनों तक हमने बिना थके लगातार काम किया और नियमित भोजन अथवा व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं की चिंता नहीं की। जो भी उपलब्ध होता, उसी से काम चलाते थे। मुख्य रूप



1977 की प्राकृतिक आपदा ने जीवन पर छोड़ी गहरी छाप, पीड़ितों की सेवा से लेकर गांव के पुनर्निर्माण तक का संस्मरण साझा किया ***पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने***



से दूध और कुछ बिस्कुट खाकर हम राहत कार्य में जुटे रहे।

हमारी मानवीय सेवा को समाचार पत्रों ने विशेष रूप से प्रकाशित किया और हमारी टीम को शव सेना नाम दिया। यह नाम केवल समाचार पत्रों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि स्थानीय लोगों ने भी स्नेहपूर्वक हमें शव सेना कहना शुरू कर दिया।

तत्कालीन मुख्यमंत्री जलगम वेंगल राव से अविस्मरणीय मुलाकात

आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री जलगम वेंगल राव दिविसीमा में चल रहे राहत कार्यों का जायजा लेने कोडूर पहुंचे थे। उस समय हम खाकी हाफ पैंट और सफेद शर्ट पहने मृतकों का अंतिम संस्कार करने में जुटे हुए थे।

हमें देखकर मुख्यमंत्री ने पूछा, क्या आप पुलिसकर्मी हैं? हमने उन्हें बताया कि हम स्वयंसेवक हैं और चक्रवात से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए यहां पहुंचे हैं।

हमारी सेवा गतिविधियों के बारे में जानने के बाद उन्होंने खुले दिल से हमारे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मियों और सिंगरेणी की बचाव टीमों को भी इतनी बड़ी संख्या में शवों को देखकर काम करना बेहद कठिन लग रहा था। उन्होंने हमसे पूछा कि हम यह कार्य कैसे कर पा रहे हैं और क्या ऐसी परिस्थितियों का सामना करने के लिए हम किसी नशीले पदार्थ का सेवन करने के अभ्यस्त हैं?

इस पर मैंने जवाब दिया, हमारी ऐसी कोई आदत नहीं है और न ही हम किसी नशीले पदार्थ पर निर्भर हैं। हमारे संगठन ने समाज के प्रति निस्वार्थ सेवा की भावना हमारे भीतर विकसित की है। इसी प्रेरणा से हम ऐसे मानवीय कार्य करने के लिए आगे आते हैं।

मुख्यमंत्री हमारे जवाब से बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने राहत कार्यों के लिए आवश्यक मिट्टी का तेल और अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की। उनके प्रोत्साहन से हमें अपना कार्य जारी रखने के लिए नया आत्मविश्वास और प्रेरणा मिली।

अवनिगड्डा के विधायक एवं तत्कालीन राज्य सरकार के मंत्री श्री मंडली वेंकट कृष्ण राव ने भी व्यक्तिगत रूप से गांव-गांव जाकर प्रभावित लोगों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की। उन्होंने तबाही की स्थिति का नजदीक से आकलन किया, पीड़ितों के साथ खड़े रहे और राहत कार्यों का समन्वय किया।

जब लोगों को हमारी गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली, तो हमें गांधी क्षेत्रम में आमंत्रित किया गया, जहां हमारे प्रयासों की सराहना की गई। उस अवसर पर वहां उपस्थित महाराष्ट्र के प्रमुख गांधीवादी श्री प्रभाकरजी ने कहा, आरएसएस का अर्थ है निस्वार्थ सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना । उनके इन शब्दों ने हम सभी में अपार उत्साह और नई प्रेरणा भर दी।

मूलापालेम को दीनदयालपुरम के रूप में पुनर्निर्माण

दिविसीमा में तत्काल राहत कार्यों के साथ-साथ हमने महसूस किया कि प्रभावित परिवारों का स्थायी पुनर्वास भी उतना ही आवश्यक है। इसी उद्देश्य से हमने मूलापालेम नामक गांव को गोद लिया और उसके पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी उठाई।

ग्रामीणों के सक्रिय सहयोग से हमने मकानों के पुनर्निर्माण के साथ-साथ स्कूल, सड़कें, पेयजल सुविधाएं और बिजली जैसी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया। मछुआरों को उनकी पारंपरिक आजीविका फिर से शुरू करने और जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में सहायता के लिए मछली पकड़ने वाली नावें और जाल भी उपलब्ध कराए गए।

मूलापालेम के पुनर्निर्माण का कार्य पूरा होना और उसका नाम बदलकर दीनदयालपुरम रखा जाना हम सभी के लिए गर्व का क्षण था। इसके उद्घाटन समारोह में तत्कालीन केंद्रीय विदेश मंत्री एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्वयं उपस्थित रहे। पुनर्वास कार्यों को आंध्र प्रदेश चक्रवात राहत समिति तथा देश के विभिन्न हिस्सों से अनेक संस्थाओं और व्यक्तियों का सहयोग मिला। विजयवाड़ा स्थित इंडियन एक्सप्रेस के गोदाम में एकत्रित राहत सामग्री को व्यवस्थित रूप से छांटकर लगभग 56 गांवों में वितरित किया गया। इन गतिविधियों में लगभग 400 से 500 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। रामकृष्ण मिशन, सत्य साईं सेवा संगठन, आर्य समाज, विश्व हिंदू परिषद और साल्वेशन आर्मी सहित अनेक संगठनों ने भी बहुमूल्य सहयोग एवं समर्थन प्रदान किया।

मानवता और निस्वार्थ सेवा ही सबसे बड़ा धर्म

दिविसीमा चक्रवात ने मुझे सबसे बड़ी सीख यह दी कि सच्ची मानवता संकट में पड़े लोगों के साथ खड़े होने और जरूरतमंदों की सहायता करने में निहित है। जाति, धर्म, क्षेत्र अथवा राजनीतिक विचारधारा के भेदभाव के बिना आपदा प्रभावित लोगों की सेवा करना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है।

मैं उन सभी स्वयंसेवकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने उन कठिन दिनों में मेरे साथ मिलकर सेवा कार्य किया। साथ ही, उन सभी संस्थाओं, अधिकारियों और दानदाताओं का भी आभार, जिन्होंने सहायता और सहयोग प्रदान किया।

दिविसीमा चक्रवात में अपनी अमूल्य जान गंवाने वाले सभी लोगों को मैं विनम्र एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उस त्रासदी की स्मृतियां, निस्वार्थ सेवा की भावना और उससे प्रेरित मानवता के मूल्य आने वाली पीढ़ियों को भी मार्गदर्शन देते रहें।



अब ओलंपिक पदक पर है भारतीय हाकी टीम की नजरें

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हाकी टीम का लक्ष्य अब लांस एंजिल्स ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं है। इसके लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति को और बेहतर बनाना होगा। ये सही है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में एशिया में अपनी श्रेष्ठता को बार-बार साबित किया है, लेकिन जब बात दुनिया की शीर्ष टीमों से मुकाबले की आती है, तो उसका प्रदर्शन कई बार लड़खड़ा गया है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपने एशियाई दबदबे को वैश्विक मंच पर सफलता में बदलने की है। लास एंजिल्स ओलंपिक 2028 को लक्ष्य में रखते हुए, हाकी इंडिया को अपनी तैयारियों और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की रणनीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करना होगा और एक समग्र तथा आक्रामक खाका तैयार करना होगा।

भारत का एशिया में वर्चस्व बना हुआ है, लेकिन उसकी असली और कठिन परीक्षा हमेशा विश्व कप और ओलंपिक जैसे बड़े मंचों पर ही होती है। 2028 ओलंपिक तक पहुंचने वाले हर प्रशिक्षण सत्र, हर टेस्ट सीरीज और प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले का एकमात्र उद्देश्य भारतीय टीम को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ हाकी खेलने वाली टीमों के स्तर तक पहुंचाना होना चाहिए। यह केवल शारीरिक कौशल का मामला नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, दबाव में निर्णय लेने और उच्च-स्तरीय रणनीति को लागू करने का भी है।

एफआईएच की विश्व रैंकिंग इस अंतर को दिखाती है। जर्मनी, बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और नीदरलैंड्स शीर्ष पांच स्थानों पर मजबूती से काबिज हैं, जबकि भारतीय टीम आठवें नंबर पर संघर्ष करती दिखती है। बेशक, भारत एशिया की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है, लेकिन पाकिस्तान, मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे एशियाई प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहने भर से विश्व स्तर पर सफलता की गारंटी नहीं मिल सकती। वैश्विक हाकी परिदृश्य में अपनी जगह बनाने के लिए हमें इस मानसिकता से ऊपर उठना होगा।

हाकी विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है कि भारतीय टीम को जर्मनी, बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और नीदरलैंड्स जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ नियमित रूप से खेलने की आवश्यकता है। ऐसी टीमों के साथ अधिक टेस्ट सीरीज और अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने से भारतीय खिलाड़ियों को विभिन्न खेल शैलियों, तेज गति के खेल, निरंतर दबाव और उच्च स्तर की रणनीतिक समझ का बहुमूल्य अनुभव मिलेगा। यह अनुभव उन्हें कठिन परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा। लास एंजिल्स 2028 के लिए भारतीय हाकी को अभी से अपनी रणनीति में आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। इसमें केवल सीनियर टीम ही नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों के विकास और अगली पीढ़ी की प्रतिभाओं को तैयार करने पर भी विशेष जोर देना होगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत के खिलाफ सीरीज के दो मैच अमेरिका या कनाडा में आयोजित कर सकता है वेस्टइंडीज



दुबई। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड साल 2027 में भारत के खिलाफ होने वाली दो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के दो मुकाबले अगेरिका या कनाडा में रख सकता है। इससे उत्तरी अमेरिका में भी खेल का प्रसार होगा। जुलाई 2027 में होने वाले इस दौरे में भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2 टेस्ट, 3 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 5 टी-20 मुकाबले होने हैं। इनमें से पांच टी-20 मैचों में से, दो मुकाबले संयुक्त राज्य अमेरिका या कनाडा की धरती पर आयोजित किए जा सकते हैं, इससे इन क्षेत्रों में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ेगी। इन बहुप्रतीक्षित मैचों की मेजबानी वाशिंगटन डीसी और कनाडा के टोरंटो शहर को मिल सकती है। इन दो प्रमुख विकल्पों के अलावा, अमेरिका के लास एंजेलिस और फ्लोरिडा स्थित लाडरहिल भी संभावित मेजबान शहरों की सूची में शामिल हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि लाडरहिल ने पहले भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी की है, जबकि अन्य शहर क्रिकेट के बड़े आयोजनों के लिए नए बुनियादी ढांचे का विकास कर रहे हैं।

भारत ने 10वीं बार जीती सैफ चैंपियनशिप: फिर पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने दिया गार्ड आफ आनर; मैदान पर दिखा अलग नजारा



नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव का असर पिछले कुछ समय से क्रिकेट के मैदान पर भी देखने को मिला है। दोनों देशों के खिलाड़ी मैच से पहले और बाद में हाथ मिलाने से बचते रहे हैं। हालांकि, फुटबाल के मैदान पर एक अलग ही तस्वीर देखने को मिली। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सैफ चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में भारत से हारने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने खेल भावना की शानदार मिसाल पेश की। उन्होंने चैंपियन बनी भारतीय टीम को गार्ड आफ आनर दिया। इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। हार के बाद पाकिस्तान ने भारत को दिया गार्ड आफ आनर ढाका के नेशनल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। मुकाबला खत्म होने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी और कोच एक कतार में खड़े हो गए। उन्होंने मैदान से गुजर रही भारतीय टीम को गार्ड आफ आनर देकर जीत की बधाई दी। इसके अलावा पदक वितरण समारोह के दौरान भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाए और हाई-फाइव किया। पाकिस्तान का यह व्यवहार खेल भावना का खूबसूरत उदाहरण बन गया।

आईपीएल से संन्यास के बाद एमएस धोनी की पहली पोस्ट, मुकेश के गाने से बयां किया दर्द; बोले- फैंस ने मुझे गलत साबित कर दिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल में खिलाड़ी के तौर पर अपने 19 साल के सफर को विराम दे दिया है।



चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से मेंटार बनाए जाने की घोषणा के बाद धोनी ने सोशल मीडिया पर अपनी पहली भावुक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने अपने क्रिकेट करियर के यादगार पलों का वीडियो शेयर किया, जिसके बैकग्राउंड में दिवंगत गायक मुकेश का मशहूर गीत मैं हर इक पल का शायर हूं सुनाई दे रहा है। धोनी ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, फैंस ने मुझे गलत साबित कर दिया। इसे स्वीकार करने के लिए इससे बेहतर गाना नहीं हो सकता था। शायद इस गाने के दो वर्जन इसलिए बनाए गए, ताकि मैं गलती कर सकूं और फिर उसे स्वीकार कर सकूं। धोनी की इस पोस्ट को उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा से भी जोड़कर देखा जा रहा है। उन्होंने अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहते समय भी साहिर लुधियानवी के लिखे गीत मैं पल दो पल का शायर हूं का इस्तेमाल किया था। इस बार उन्होंने इसी गीत के दूसरे संस्करण के जरिए आईपीएल से विदाई का संदेश दिया। दरअसल, चेन्नई सुपर किंग्स ने घोषणा की कि धोनी अब टीम में खिलाड़ी के बजाय मेंटार की भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही आईपीएल में उनके खिलाड़ी के रूप में खेलने का सफर समाप्त हो गया। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को अपनी कप्तानी में पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया और दो बार चैंपियंस लीग टी-20 का खिताब दिलाया। उनकी पोस्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने भावुक प्रतिक्रियाएं दीं।

आईपीएल नीलामी से पहले टीमों ने बोल्ट से लेकर हेटमायर सहित इन खिलाड़ियों को रिलीज किया

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र 2024 के लिए होने वाली नीलामी से पहले सभी टीमों ने अपने रिटेन किये हुए खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इसके साथ ही सभी 10 फ्रेंचाइजी ने उन खिलाड़ियों को भी रिलीज कर दिया जिनकी उन्हें जरुरत नहीं थी। रिटेंशन सूची में दिग्गजों को जगह नहीं मिली है। जिसमें विदेशी खिलाड़ी भी हैं। इससे ट्रेंट बोल्ट से लेकर जैकब बेथेल और शिमरोन हेटमायर जैसे खिलाड़ी हैं। टीमों ने संतुलन और पर्स वैल्यू को ध्यान में रखते हुए ये बड़े फैसले लिए हैं।



मुंबई इंडियंस ने सबसे अधिक 14 खिलाड़ियों को रिलीज किया है, जिनमें ट्रेंट बोल्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं। यह दिखाता कि टीम बड़े बदलावों के लिए तैयार है। वहीं सीएसके ने प्रशांत वीर, मैथ्यू शार्ट्स सहित 11 खिलाड़ियों को रिलीज कर नीलामी के लिए अपनी रणनीति साफ की। पंजाब किंग्स ने 6 और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जैकब बेथेल (चोटिल होने के कारण) सहित 5 खिलाड़ियों को रिलीज किया है।

वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स ने अजिंक्य रहाणे सहित कई खिलाड़ियों को बाहर किया है वहीं कैमरन ग्रीन को टीम में बरकरार रखा गया है। दिल्ली कैपिटल्स ने मिचेल स्टार्क, नीतीश राणा सहित 9 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने ट्रेविस हेड सहित 9 खिलाड़ियों को रिलीज किया, जिनमें कुछ महंगे खिलाड़ी भी शामिल थे, जिससे उसके पास काफी राशि बची है। राजस्थान रायल्स ने शिम्रोन हेटमायर (11 करोड़ रुपये) जैसे महंगे खिलाड़ी सहित 9 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स ने भारतीय तेज गेंदबाज आवेश खान सहित कुछ खिलाड़ियों को रिलीज किया है। वहीं, गुजरात टाइटंस ने बल्लेबाज शाहरुख खान (4 करोड़ रुपये) सहित 3 खिलाड़ियों को रिलीज कर काफी राशि बचायी है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के नये मैनेजर बने मौरिसियो पोचेतीनो



लंदन। प्रीमियर लीग फुटबाल में खराब प्रदर्शन को देखते हुए इंग्लैंड के शीर्ष फुटबाल क्लबों में शामिल मैनचेस्टर यूनाइटेड ने अर्जेंटीना के अनुभवी कोच मौरिसियो पोचेतीनो को अपना नया मैनेजर बनाया है। पोचेतीनो से पहले मैनेजर रहे माइकल कैरिक को क्लब ने उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं आने से हटा दिया था। यूनाइटेड प्रीमियर लीग अंक तालिका में 18वें स्थान पर खिसक गयी है, जो उनके निराशाजनक सत्र को दिखाता है। क्लब के लिए मौजूदा प्रीमियर लीग सत्र बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने शुरुआती 10 मुकाबलों में सिर्फ एक जीत हासिल की है और उसके खाते में केवल 8 अंक हैं। इस प्रदर्शन के चलते क्लब अंक तालिका में नीचे खिसक गया है, जहां वह सबसे नीचे मौजूद क्रिस्टल पैलेस से सिर्फ एक अंक आगे है। सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर, यूनाइटेड ने अपने पिछले 15 मुकाबलों में केवल तीन जीत दर्ज की हैं। यह पिछले 40 वर्षों में लीग सत्र की उनकी सबसे खराब शुरुआत बताई जा रही है, जिसने प्रबंधन को कड़े कदम उठाने पर मजबूर किया। पोचेतीनो का नाम कैरिक को हटाये जाने के बाद से ही इस पद के लिए सबसे आगे था। 54 वर्षीय पोचेतीनो फुटबाल जगत में एक अनुभवी और सफल कोच के रूप में जाने जाते हैं। इससे पहले उन्होंने चेल्सी, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी), टाटनहम हाटस्पर और साउथैम्पटन जैसे बड़े क्लबों का प्रबंधन किया था। टाटनहम के साथ रहते हुए उन्होंने 2019 में टीम को चैंपियंस लीग के फाइनल तक पहुंचाया था, जबकि पीएसजी के साथ उन्होंने फ्रांस की घरेलू प्रतियोगिताओं में कई खिताब जीते। क्लब को उम्मीद है कि उनके मार्गदर्शन में टीम इस मुश्किल दौर से बाहर निकल पाएगी और प्रदर्शन में सुधार होगा। पोचेतीनो वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मैनेजर की भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिकी फुटबाल महासंघ ने इस बात की पुष्टि की है कि पोचेतीनो हैती के खिलाफ आगामी मुकाबलों में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे, जिसके बाद वह अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड से जुड़ेंगे। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने भी इस समझौते की पुष्टि की है। गौरतलब है कि पोचेतीनो 2024 से अमेरिकी टीम के साथ थे और उनके नेतृत्व में अमेरिका ने 2026 फुटबाल विश्व कप के अंतिम 16 में जगह बनाई थी, जबकि अमेरिका उस विश्व कप का सह-मेजबान भी था। मौजूद जानकारी के अनुसार, पोचेतीनो का अमेरिकी फुटबाल महासंघ के साथ करार 2030 विश्व कप तक था। इसलिए, उन्हें समय से पहले क्लब से जोड़ने के लिए मैनचेस्टर यूनाइटेड को भारी मुआवजा देना पड़ सकता है।

भारतीय कप्तान के खिलाफ नस्लीय इशारे पर AIFF का एक्शन : AFC से की शिकायत, फुटेज की समीक्षा और कार्रवाई की मांग



नई दिल्ली

भारत और फलस्तीन के बीच अंडर-17 एशियन कप क्वालिफायर मुकाबले में भारतीय कप्तान दल्लालमुआन गंगटे की ओर कथित नस्लीय इशारे का मामला अब एशियाई फुटबाल परिसंघ तक पहुंच गया है। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने इस घटना को लेकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। महासंघ ने AFC से मैच के फुटेज की समीक्षा करने और संबंधित नियमों के तहत उचित कार्रवाई करने की मांग की है। यह घटना 17 नवंबर को कुआलालंपुर में खेले गए मुकाबले के दौरान हुई थी। वहीं, एक अन्य फलस्तीनी खिलाड़ी को भारतीय फुटबालर के खिलाफ बुरे तरीके से टैकल के लिए सीधे रेड कार्ड दिखाया गया। हालांकि, इन घटनाओं का असर भारतीय टीम के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा। ब्लू कोल्ट्स ने शानदार खेल दिखाते हुए मुकाबला 4-1 से अपने नाम किया।

एआईएफएफ ने शिकायत में क्या कहा - एआईएफएफ ने अपनी शिकायत में एएफसी से घटना की समीक्षा करने, उपलब्ध मैच फुटेज की जांच करने और लागू नियमों के तहत उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। महासंघ ने नस्लवाद और भेदभावपूर्ण व्यवहार के प्रति अपना कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि इस तरह का आचरण फुटबाल के बुनियादी मूल्यों के खिलाफ है।

एआईएफएफ ने कहा, हम किसी भी तरह के नस्लवाद या भेदभावपूर्ण व्यवहार को बेहद गंभीर मानते हैं। इस तरह का आचरण फुटबाल के मूलभूत मूल्यों- सम्मान, समानता, निष्पक्ष खेल और खेल भावना के विपरीत है। खेल में नस्लवाद या भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है और ऐसे व्यवहार को स्वीकार या बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

भारतीय कप्तान के खिलाफ नस्लीय इशारे का आरोप - मुकाबले के दौरान फलस्तीन के जर्सी नंबर 19 के खिलाड़ी को भारतीय कप्तान गंगटे के करीब नाक के सामने हाथ घुमाने जैसा इशारा करते देखा गया। इस हरकत की सोशल मीडिया पर आलोचना हुई। कई लोगों ने इसे नस्लीय रूढ़िवादिता से जुड़ा इशारा माना, जिसका इस्तेमाल किसी समुदाय का अपमान करने के लिए किया जाता है।

यह घटना लाइव प्रसारण के कैमरे में भी कैद हुई, लेकिन मैच अधिकारियों ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। मुकाबले में इससे पहले भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच कई बार तनातनी देखने को मिली थी। मैच के नौवें मिनट के आसपास एक और विवादित घटना हुई। फलस्तीन के मोहम्मद जमहूर ने भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी।

आईएसएसएफ : निशानेबाज मनु भाकर को खेल महासंघ में मिली जिम्मेदारी



नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर को अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) की खिलाड़ी समिति में 2026 से 2030 के कार्यकाल के लिए चुना गया है। मनु उन 10 उम्मीदवारों में शामिल थीं जिन्होंने निशानेबाजी की इस स्पर्धा का प्रतिनिधित्व करने वाले दो पदों के लिए चुनाव लड़ा था। इस महीने की शुरुआत में नामांकन के दौरान मनु ने खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल के विकास का दृष्टिकोण पेश किया था। उन्होंने दुनिया भर के निशानेबाजों के लिए अधिक सहयोगपूर्ण, टिकाऊ और प्रगतिशील माहौल तैयार करने पर जोर दिया था। उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में ओलंपिक कार्यक्रम में पुरुषों की 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा को बरकरार रखने और उसका दीर्घकालिक भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रयास करना शामिल था। इसके अलावा उन्होंने आईएसएसएफ विश्व कप में खिलाड़ियों के लिए बेहतर पुरस्कार राशि की भी मांग की थी। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा 2010 से 2020 तक आईएसएसएफ की खिलाड़ी समिति के सदस्य रहे थे। उन्होंने 2014 से 2018 तक समिति के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया और इस पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। बिंद्रा को बाद में निशानेबाजी के खेल में उनके योगदान के लिए आईएसएसएफ ब्लू क्रास सम्मान से नवाजा गया था।

सबसे तेज 1000 रन वाले टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में कई दिग्गज शामिल

मुम्बई

टेस्ट क्रिकेट की बात जब आती है तो माना जाता है कि इसमें धीमी बल्लेबाजी होती है पर वास्तविकता इससे अलग है। टेस्ट क्रिकेट में भी कई क्रिकेटर ऐसे हुए हैं जिन्होंने बेहद तेजी से रन बनाये हैं। पांच दिन के इस प्रारुप में रन बनाना आसन नहीं होता ऐसे में सभी खिलाड़ियों का सपना इसमें बेहतर प्रदर्शन कर अपनी अलग जगह बनाना रहता है। इस प्रारुप में कुछ खिलाड़ियों ने बड़ी तेजी से अपने 1000 रन पूरे किये हैं। ऐसे ही बल्लेबाजों की सूची में पहले नंबर पर इंग्लैंड के महान सलामी बल्लेबाज हर्बट सटक्लिफ आते हैं। सटक्लिफ ने साल 1924 में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत के 244 दिनों के अंदर ही साल 1925 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में अपने 1,000 टेस्ट रन पूरे कर लिए। सटक्लिफ ने यह उपलब्धि अपने करियर के केवल 9वें मैच की 12वीं पारी में हासिल की, जो अपने आप में एक अविश्वसनीय और लंबे समय तक कायम रहने वाला रिकार्ड था।

सटक्लिफ के इस कीर्तिमान की बराबरी वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ईडी. वीकेंड्स ने की। वीकेंड्स ने साल 1948 में टेस्ट डेब्यू करने के एक साल में भारत के खिलाफ मुंबई के ब्रेबार्न स्टेडियम में 1,000 रन का आंकड़ा छू लिया।



उन्होंने भी सटक्लिफ की तरह 9 मैचों की 12 पारियों में ही यह मील का पत्थर हासिल किया, जिससे यह रिकार्ड और भी खास बन गया।वहीं महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन का नाम भी इस सूची में आता है। ब्रैडमैन ने 30 नवंबर 1928 को अपने टेस्ट सफर की शुरुआत की थी और 11 जुलाई 1930 को लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ खेलते हुए 1,000 रन पूरे किए। उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में 1 साल और 223 दिन लगे। हालांकि, उन्होंने यह असाधारण कारनामा केवल 7 मैचों की 13 पारियों में ही कर दिखाया, जो उनकी अद्वितीय प्रतिभा और रिकार्ड तोड़ निरंतरता का सबसे बड़ा प्रमाण है। कम मैचों में यह उपलब्धि हासिल करना उन्हें और भी खास बनाता है।

आधुनिक युग की बात करें तो श्रीलंकाई सितारे कामिंडू मेंडिस का नाम भी इस विशिष्ट सूची में शामिल है। मेंडिस ने 2022 को टेस्ट डेब्यू किया और एक साल के अंदर ही न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने 1,000 टेस्ट रन पूरे किए। उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में 2 साल और 80 दिन का समय लगा और उन्होंने अपने 8वें मैच की 13वीं पारी में यह सफलता हासिल की। आस्ट्रेलिया के आरएन हार्वे ने भी शुरुआती दौर में दमदार प्रदर्शन किया था। हार्वे ने जनवरी 1948 को डेब्यू करने के बाद, 1950 को ब्रिस्बेन में इंग्लैंड के खिलाफ अपने 1,000 रन पूरे किए। उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में 2 साल और 312 दिन लगे और उन्होंने 10 मैचों की 14 पारियों में यह मील का पत्थर हासिल किया।ये सभी आंकड़े बताते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में 1,000 रन का आंकड़ा जितनी तेजी से पार किया जाता है, वह बल्लेबाज की क्षमता और खेल के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का एक शानदार उदाहरण है।

रोहित-कोहली अब एक माह बाद श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे

मुम्बई

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा अब अगले माह दिसंबर में ही खेलते नजर आयेंगे। इसका कारण है कि ये दोनो एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं जिसमें अब भारतीय टीम को अगले माह श्रीलंका से खेलना है। विराट और रोहित ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में खेला था पर ये दोनो ही रन बनाने में असफल रहे जिससे इनके प्रशंसकों को निराशा हुई है। अब प्रशंसकों की नजरें श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज पर लगी हैं। अभी भारतीय टीम न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेल रही है ओर इसी कारण विराट और रोहित को एक माह का ब्रेक मिला है। ये दोनो ही। दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज वापसी कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड दौरे में विराट चार पारियों में कुल 86 रन ही बना पाये जिसमें एक अर्धशतकीय पारी 74 रन भी शामिल थी। इसके बाद वह बाकि चार मेचों में केवल कुछ ही रन बना पाये। वहीं रोहित का प्रदर्शन इससे भी निराशाजनक रहा, जिन्होंने चार पारियों में केवल 30 रन बनाए और दो बार वह शून्य पर ही आउट हो गये।

न्यूजीलैंड सीरीज के समापन के साथ ही इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों को लगभग एक महीने का आराम मिल गया है। जिसमें से अपनी लय हासिल करने पर काम कर सकते हैं। श्रीलंका की टीम भारत दौरे पर तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज की शुरुआत 13 दिसंबर को विशाखापत्तनम में होगी,



जिसके बाद अगले दो मुकाबले 16 दिसंबर को बेंगलुरु और 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेले जाएंगे। इसके बाद 22 दिसंबर से टी20 सीरीज का आगाज होगा। हालांकि इसमें, रोहित और कोहली की उपलब्धता उनकी फिटनेस और चयन समिति के फैसले पर निर्भर करेगी।

रोहित के लिए श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलना हमेशा खास रहा है। इस टीम के खिलाफ उनका रिकार्ड बेहद शानदार है, उन्होंने 55 वनडे मैचों में 45.93 की औसत से 2021 रन बनाए हैं। उनके नाम एकदिवीसय क्रिकेट में दर्ज तीन दोहरे शतकों में से दो श्रीलंका के खिलाफ ही आए हैं। इतना ही नहीं, एकदिवसीय में उनका सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 264 रन भी श्रीलंकर के खिलाफ आया था।

भारत और श्रीलंका की पिछली एकदिवीसय सीरीज अगस्त 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम को निराशा हाथ लगी थी। उस सीरीज का पहला मुकाबला टाई पर समाप्त हुआ था, जबकि अगले दोनों मैचों में भारत को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में घरेलू मैदान पर रोहित और कोहली जैसे दिग्गजों की वापसी के साथ, भारतीय टीम के पास श्रीलंका से पिछली हार का हिसाब बराबर करने और सीरीज जीतने का अच्छा अवसर होगा। प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि इस ब्रेक से दोनो दिग्गज अपनी लय हासिल कर लेंगे।

श्रीलंका के भारत दौरे का कार्यक्रम

- 13 दिसंबर- पहला वनडे, विशाखापत्तनम, दोपहर 2:00 बजे
- 16 दिसंबर- दूसरा वनडे, बेंगलुरु, दोपहर 2:00 बजे
- 19 दिसंबर- तीसरा वनडे, अहमदाबाद, दोपहर 2:00 बजे
- 22 दिसंबर- पहला टी20, राजकोट, शाम 7:00 बजे
- 24 दिसंबर- दूसरा टी20, कटक, शाम 7:00 बजे
- 27 दिसंबर- तीसरा टी20, पुणे, शाम 7:00 बजे।

बाल दिवस पर फूड फिएस्टा, विद्यार्थियों ने दिखाई पाककला प्रतिभा

स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल और विविध प्रतियोगिताओं ने बढ़ाई कार्यक्रम की रौनक



हैदराबाद, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एल.बी.एम.टी. हाई स्कूल तथा गणेशी लाल कानोडिया प्राइमरी स्कूल में बाल दिवस के उपलक्ष्य में 'फ्लेवरफुल फूड फिएस्टा' कार्यक्रम भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पाककला, रचनात्मकता और विभिन्न प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भोजन केवल भूख मिटाने का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपराओं और खुशियों का भी प्रतीक है। भारत ऐसा देश है, जहां प्रत्येक राज्य के स्वाद और व्यंजनों की अपनी विशिष्ट पहचान है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों और अभिभावकों को स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेने के साथ-साथ अपनी पाककला और रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अवसर मिला। विद्यालय परिसर में नूडल्स, भेलपुरी, पाव भाजी, मीठे और नमकीन सहित विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए। कक्षा पहली से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि कक्षा तीसरी से दसवीं तक के विद्यार्थियों और अभिभावकों ने विभिन्न स्टॉल लगाए।

गणेशी लाल कानोडिया प्राइमरी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए म्यूजिकल चेयर्स प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं, एल.बी.एम.टी. हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए केश सज्जा, कलात्मक तरीके से नाखून सजाने, अधिकाधिक संस्कृत श्लोक सुनाने तथा मेहंदी लगाने जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किए।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका प्रीति बाला ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा और योग्यता की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम में विद्यार्थियों और अभिभावकों की भागीदारी अपेक्षाओं से भी अधिक रही। अग्रवाल शिक्षा समिति के पदाधिकारियों ने भी विद्यार्थियों और अभिभावकों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी सहभागिता करते हुए फ्लेवरफुल फूड फिएस्टा का आनंद लिया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों, विद्यालय की अध्यापिकाओं तथा स्टाफ सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

भाजपा की बैठक में जैन समाज से संवाद

संगठन मजबूती और सामाजिक समरसता पर दिया जोर



कामारेड्डी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से कामारेड्डी स्थित भाजपा कार्यालय में संगठनात्मक बैठक एवं जैन समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ संवाद तथा स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने और सेवा, समर्पण एवं संगठन के मंत्र के साथ कार्य करने का संकल्प लिया गया।

तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि विविधता हमारी ताकत है और राष्ट्र निर्माण में जैन समाज का योगदान अतुलनीय है। सभी को मिलकर मजबूत तेलंगाना के निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम, सीखो और कमाओ, नई मंजिल, छात्रवृत्ति योजनाओं, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।

जैन समाज के साथ संवाद के दौरान सामाजिक समरसता, आपसी विश्वास एवं एकजुटता पर जोर दिया गया। समाज के वरिष्ठजनों ने अपने सुझाव एवं अपेक्षाएं रखीं। कार्यक्रम का समापन सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प के साथ हुआ।

इस अवसर पर श्री जैन संघ कामारेड्डी के अध्यक्ष नरेश बोहरा, सचिव प्रदीप बोहरा, ओम बोहरा, एडवोकेट राजेंद्र बोहरा, विनोद बोहरा, विनोद लुणावत, सुरेश कोठारी, रिखब लुणावत, कमलचंद सिसोदिया, सीए राजकुमार बोहरा, सुरेश पिंचा, चंदूलाल बेताला, महावीर बेताला, युवा संघ अध्यक्ष मुकेश बोहरा, सचिव आशीष बोहरा, विपुल घोड़ावत, पार्षद प्रीति जैन घोड़ावत, विनोद घोड़ावत सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, जिला प्रभारी, कामारेड्डी जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता भी बैठक में शामिल हुए।

सूरत में आईमाता मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 10 मार्च को



सूरत, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुजरात के सूरत स्थित पर्वत पाटिया में सीरवी समाज ट्रस्ट की ओर से नवनिर्मित शिखरबद्ध श्री आईमाता मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आगामी 10 मार्च 2027 को आयोजित होने वाले इस भव्य धार्मिक महोत्सव के लिए सीरवी समाज गुजरात, सूरत के पदाधिकारियों ने बिलाड़ा पहुंचकर समाज के धर्मगुरु दीवान माधवसिंह को निमंत्रण स्वरूप नारियल अर्पित कर सादर आमंत्रित किया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं समस्त कार्यकारिणी के सदस्यों सहित समाज के पूर्व पदाधिकारी एवं पूर्व सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही नवयुवक मंडल, महिला मंडल, गैर मंडल, स्पोर्ट्स क्लब एवं एरिया मेंबर के सदस्यों ने भी श्री आईमाताजी एवं धर्मगुरु के दर्शन का लाभ लिया तथा निमंत्रण नारियल अर्पित करने के कार्यक्रम में सहभागी बने।

समाज के अध्यक्ष हेमाराम पंवार एवं सचिव भंवरलाल भायल ने धर्मगुरु दीवान माधवसिंह से मुलाकात कर उन्हें प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारकर आयोजन की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया। इस दौरान उन्हें आयोजन की रूपरेखा एवं तैयारियों की विस्तृत जानकारी भी दी गई। सचिव भंवरलाल भायल ने बताया कि श्री आईमाता मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव पांच दिवसीय होगा, जो 6 मार्च से 10 मार्च 2027 तक आयोजित किया जाएगा। वहीं, मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से संबंधित संपूर्ण बोलियों का आयोजन 9 एवं 10 जनवरी 2027 को रखा गया है। इन बोलियों में समाज की ओर से मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से जुड़ी विभिन्न सेवाओं एवं धार्मिक आयोजनों के लिए बोलियां लगाई जाएंगी।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था के दक्षिण भारत मुख्यालय में बिहार समुदाय ने मनाया छठ महापर्व

'हम देश प्रेमी' फिल्म के जरिए रक्तदान और अंगदान के प्रति जागरूकता पर हुई चर्चा



हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के दक्षिण भारत मुख्यालय कार्यालय में छठ महापर्व के अवसर पर हैदराबाद और सिकंदराबाद में बसे बिहार समुदाय के सदस्यों ने संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, दक्षिण भारत एवं तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त) से मुलाकात की। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित समुदाय के सदस्यों ने छठ पूजा के महत्व और इसे मनाने की परंपराओं पर चर्चा की तथा कार्यालय में मौजूद सभी सदस्यों को प्रसाद वितरित किया।

हवलदार उमा कांत सिंह और उनकी पत्नी ने 16 नवंबर को सिकंदराबाद में छठ पूजा मनाई। इस अवसर पर मुख्यालय कार्यालय में आयोजित भेंट एवं संवाद में उन्होंने भी भाग लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सैनिक संस्था, दक्षिण भारत के सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक डॉ. (मानद) योगेश राज श्रीवास्तव तथा महिला विंग, दक्षिण भारत की अध्यक्ष श्रीमती अनुराधा राव भी उपस्थित रहीं।छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ा पर्व है।

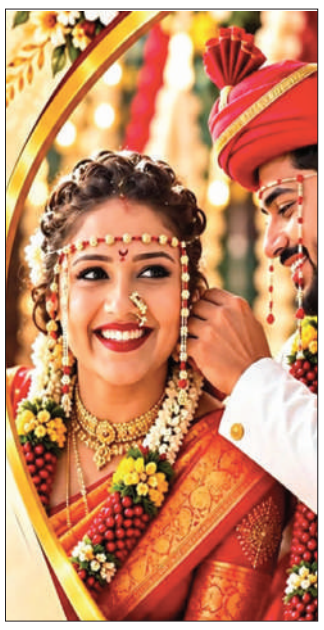
यह सूर्योपासना, शुचिता, संयम और अनुशासन का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इसके बाद खरना, अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य और उदीयमान सूर्य को प्रातः अर्घ्य अर्पित करने की परंपरा निभाई जाती है। वर्ष 2026 में यह पर्व 13 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ।

हैदराबाद और सिकंदराबाद में बसे बिहार समुदाय के लिए छठ महापर्व अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने और अगली पीढ़ी तक परंपराओं को पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के दक्षिण भारत मुख्यालय में छठ की परंपराओं पर संवाद और प्रसाद वितरण के माध्यम से इसी सांस्कृतिक आत्मीयता को अभिव्यक्त किया गया।

इस अवसर पर डॉ. (मानद) योगेश राज श्रीवास्तव ने मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त) के साथ अपनी ओर से निर्मित फिल्म 'हम देश प्रेमी' पर भी चर्चा की।

महाकाल प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म का उद्देश्य रक्तदान और अंगदान के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है।

ब्राह्मण समाज का परिचय सम्मेलन 22 को



नांदेड़, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय बहुभाषिक ब्राह्मण महासंघ की नांदेड़ शाखा की ओर से 22 नवंबर 2026 को अशोक नगर स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित होने वाले वधू-वर परिचय सम्मेलन की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। सम्मेलन में महाराष्ट्र के अलावा आंध्र प्रदेश और कर्नाटक से भी विवाह योग्य युवक-युवतियों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू होगा।

महासंघ के अनुसार, विवाह संबंधों में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए आयोजित इस सम्मेलन में प्रथम विवाह के इच्छुक युवक-युवतियों के साथ तलाकशुदा, विधवा एवं विधुर को भी विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। सम्मेलन में वधू-वरों की प्रत्यक्ष उपस्थिति रहेगी।

तैयारियों की समीक्षा के लिए महासंघ अध्यक्ष बंडोपंत कुंटूरकर की अध्यक्षता में तथा अखिल ब्राह्मण महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष निखिल भाऊ लातूरकर की प्रमुख उपस्थिति में बैठक हुई। निखिल भाऊ लातूरकर ने समाज के सभी संगठनों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय बहुभाषिक ब्राह्मण महासंघ ने कम समय में 3,000 समाजबंधुओं को एकजुट किया है, जो सराहनीय है। उपाध्यक्ष सखाराम कुलकर्णी ने विवाह संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए युवतियों एवं अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

अध्यक्ष बंडोपंत कुंटूरकर ने महासंघ के पिछले पांच-छह वर्षों के सामाजिक कार्यों की जानकारी देते हुए सम्मेलन को सफल बनाने तथा इसके मॉडल को महाराष्ट्र के अन्य जिलों में भी लागू करने की बात कही। कार्याध्यक्ष रमाकांत जोशी चिखलीकर ने विभिन्न समितियों की घोषणा कर सभी प्रतिभागियों से सुबह 10 बजे समय पर पहुंचने की अपील की। इस अवसर पर परभणी जिला महिला आघाड़ी के जिलाध्यक्ष पद पर सौ. सुप्रिया कुलकर्णी की नियुक्ति की घोषणा की गई। बैठक में नांदेड़ दक्षिण महिला अध्यक्ष श्रीमती सुचिता जोशी, दक्षिण अध्यक्ष श्याम गुरु लालवंडीकर, उत्तर विभाग महिला अध्यक्ष सौ. शीला जोशी, उत्तर पुरुष अध्यक्ष कमलाकर जोशी खळीकर सहित महासंघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राम घटेंगे...

ईसाई आबादी में 30 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी में 80 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

हिंदुओं और यहूदियों की हिस्सेदारी घटने की संभावना

प्यू के अनुसार, हिंदुओं और यहूदियों की कुल आबादी बढ़ने के बावजूद वैश्विक आबादी में उनकी हिस्सेदारी कम हो सकती है। वहीं, बौद्धों की संख्या और वैश्विक आबादी में उनकी हिस्सेदारी दोनों घटने का अनुमान है। इसका एक कारण चीन, दक्षिण कोरिया और जापान की कुल आबादी में संभावित कमी बताया गया है।

मुस्लिम महिलाओं के यहां अधिक जन्म

प्यू रिसर्च के अनुमानों के अनुसार, 2020-2025 के दौरान मुस्लिम महिलाओं ने अन्य धार्मिक समूहों की महिलाओं की तुलना में सबसे अधिक बच्चों को जन्म दिया। इस अवधि में मुस्लिम माताओं से लगभग 25.2 करोड़ बच्चों का जन्म हुआ, जबकि ईसाई माताओं से लगभग 20.8 करोड़ बच्चों का जन्म हुआ।

मुस्लिम एकमात्र प्रमुख धार्मिक समूह है, जिसमें आने वाले दशकों में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या बढ़ने का अनुमान है। अन्य समूहों में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या स्थिर रहने या धीरे-धीरे कम होने की संभावना जताई गई है। प्यू के अनुसार, यदि मौजूदा रुझान जारी रहते हैं, तो 2070 तक पाकिस्तान में मुस्लिम आबादी सबसे अधिक होगी। इसके बाद भारत, नाइजीरिया और इंडोनेशिया का स्थान होगा।

अंतरिक्ष...

इसके बावजूद नासा के इंजीनियरों ने दूर से ही इसके सिस्टम को ठीक करने और चालू रखने के प्रयास किए, जिससे यान लगातार डेटा भेजता रहा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले कुछ वर्षों में इसकी ऊर्जा इतनी कम हो जाएगी कि इसका अंतिम सिग्नल भी बंद हो सकता है। लेकिन तब तक यह अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में अपनी उपलब्धियों के साथ दर्ज रहेगा।

अंतरिक्ष में मानवता का संदेश

वॉयजर-1 अपने साथ एक विशेष गोल्डन रिकॉर्ड भी लेकर चल रहा है। इसमें पृथ्वी की तस्वीरें, संगीत, प्राकृतिक ध्वनियां, मानव आवाजें और कई भाषाओं में संदेश रिकॉर्ड किए गए हैं। इस रिकॉर्ड को इस उम्मीद के साथ भेजा गया था कि भविष्य में यदि किसी अन्य ग्रह या अंतरिक्ष में रहने वाली सभ्यता को यह यान मिले, तो उसे पृथ्वी और मानव सभ्यता के बारे में जानकारी मिल सके।

हमारा बजाज ...

पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडल्स द्वारा एक्स पर दावा किए जाने के बाद भारतीय यूजर्स ने तथ्यों के साथ जवाब दिया। एक यूजर ने टिप्पणी की कि भारत की उपलब्धियों को अपना बताने की जल्दबाजी में एक तिपहिया वाहन को ही पाकिस्तानी बता दिया गया। उन्होंने कहा कि भारत निर्माण करता है, जबकि पाकिस्तान गलत पहचान बताने में लगा है।

एक अन्य यूजर ने लिखा कि बजाज ऑटो 'मेड इन इंडिया' है और इस घटना ने पाकिस्तान के दावे की पोल खोल दी।

2015 में फिलीपींस के बाजार में प्रवेश करने वाली बजाज वहां के तिपहिया वाहन बाजार में जाना-माना नाम बन चुकी है। कंपनी के पास वहां कई असेंबली इकाइयां और डीलरों का बड़ा नेटवर्क है। बजाज अपने वाहनों का निर्यात 70 से अधिक देशों में करती है।

यह घटना सोशल मीडिया पर फैलाए गए दावे और वास्तविक तथ्यों के बीच अंतर को उजागर करती है तथा तथ्य-जांच के महत्व को भी सामने लाती ।

मोदी...

बैठक में सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और भविष्य की रणनीतियों को लेकर तीन विस्तृत प्रस्तुतियां दी गईं। गरीबी उन्मूलन पर प्रस्तुति में विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया कि देश में 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। यह प्रस्तुति वित्त, आर्थिक मामलों, ग्रामीण विकास, पंचायती राज और मत्स्य पालन सहित 11 मंत्रालयों एवं विभागों के सचिवों ने दी।

इसमें बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान, हर घर जल योजना, उज्ज्वला योजना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, डिजिटल सुविधाओं तक पहुंच, बैंकिंग सेवाओं और बुनियादी ढांचे के विकास ने गरीबी कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नक्सल मुक्त भारत पर दी गई प्रस्तुति में नक्सलवाद के खिलाफ अब तक उठाए गए कदमों और देश को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में हुई प्रगति पर चर्चा की गई। साथ ही भविष्य की रणनीतियों की जानकारी दी गई।

तीसरी प्रस्तुति प्रधानमंत्री जनधन योजना पर केंद्रित रही। इसमें आम नागरिकों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने तथा उनके आर्थिक सशक्तीकरण के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई।

सितंबर की चिंतन बैठक के लक्ष्यों की समीक्षा

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक में सितंबर में आयोजित चिंतन बैठक के दौरान तय किए गए लक्ष्यों पर हुई प्रगति का भी जायजा लिया गया। इसके अलावा प्रशासनिक और आर्थिक सुधारों की दिशा में अब तक उठाए गए कदमों का मूल्यांकन किया गया।

मनीला में आयोजित आसियान शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की इस बैठक में विशेष रूप से युवाओं को नशे से बचाने, गरीबी से बाहर आए लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी उपलब्धियों को बनाए रखने पर जोर दिया गया।

21 का...

जो अब बढ़कर 69 रुपये हो गई है। अरहर दाल 75 रुपये से बढ़कर 180 रुपये, सरसों तेल 102 रुपये से बढ़कर 263 रुपये, दूध 36 रुपये से बढ़कर 85 रुपये और चावल 29 रुपये से बढ़कर 71 रुपये तक पहुंच गया है।

उन्होंने दावा किया कि अक्टूबर में खाद्य महंगाई 8.94 प्रतिशत और थोक महंगाई 12.29 प्रतिशत तक पहुंच गई। खरगे ने एक सर्वे का हवाला देते हुए कहा कि 61 प्रतिशत परिवारों का घरेलू जरूरतों पर मासिक खर्च पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है, जबकि 74 प्रतिशत लोगों को गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है।

उत्पादन और कारोबार पर भी पड़ रहा असर

कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कीमतों में वृद्धि का दबाव केवल उपभोक्ताओं की जेब तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्पादन और कारोबार की लागत पर भी पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर बढ़ाए जाने के बाद कई बैंकों ने गृह ऋण समेत अन्य कर्जों की ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री से श्वेतपत्र जारी कर यह बताने की मांग की कि गरीब और मध्यम वर्ग आखिर कब तक महंगाई की दोहरी मार झेलता रहेगा।

आतंक...

सुरक्षा एजेंसियों को शक था कि आतंकियों को स्थानीय स्तर पर मदद और शरण मिल रही है। सुरक्षा बलों ने लतीफ को कुलगाम के जंगलपोरा गांव में घेर लिया था। वह एक मस्जिद में जाकर छिप गया। सुरक्षाबलों ने जल्दबाजी में कार्रवाई करने के बजाय उसे आत्मसमर्पण करने का मौका दिया। पुलिस और सेना के अधिकारियों ने फोन पर भी उससे बात की तथा समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। कुलगाम के पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनायत अली चौधरी ने बताया कि लतीफ को कई बार आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। काफी देर तक बातचीत चली, लेकिन उसने हथियार डालने से इनकार कर दिया। बाद में जब उसने मस्जिद से भागने की कोशिश की तो सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें वह मारा गया।

उमर डार के बाद लतीफ भी ढेर

इससे पहले सुरक्षा बल लतीफ के साथी उमर निसार डार को भी मार गिरा चुके थे। दोनों पर 11 नवंबर को सीआरपीएफ चौकी पर हमले में शामिल होने का आरोप था। हमले से पहले दोनों ने इलाके की रेकी भी की थी। आजतक को मिली सीसीटीवी तस्वीरों में दोनों को 10 नवंबर को एक गाड़ी से उतरते देखा गया था। इसके बाद उन्होंने मीर बाजार, अखरान, हबलिश और किलम इलाके में रेकी की थी। 22 वर्षीय लतीफ कुलगाम के अशूमजी गांव का रहने वाला था। उसने 12वीं तक पढ़ाई की थी और इसके बाद बढ़ई का काम करता था। वर्ष 2025 की शुरुआत में वह घर से लापता हो गया था। बाद में उसके लश्कर-ए-तैयबा में शामिल होने की जानकारी सामने आई। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि उसे पाकिस्तान में बैठे आतंकी आकाओं से निर्देश मिलते थे।

लतीफ पर 15 लाख रुपये का इनाम था। उसके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत सात प्राथमिकी दर्ज थीं। उस पर लाल चौक, अनंतनाग, केलम और अखरान में हुए हमलों में शामिल होने का आरोप था।

क्या कश्मीर में खत्म हो गया स्थानीय आतंकी नेटवर्क?

लतीफ के मारे जाने को सुरक्षा बल स्थानीय आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कामयाबी मान रहे हैं। लतीफ लश्कर का स्थानीय कमांडर था। उसके मारे जाने के बाद सुरक्षा बलों का ध्यान गैर-स्थानीय आतंकियों पर रहेगा। हालांकि, स्थानीय युवाओं की नई भर्ती रोकना भी एक बड़ी चुनौती है। लतीफ का अंत एक बड़े नेटवर्क को झटका जरूर है, लेकिन इसे कश्मीर से आतंकवाद का पूरी तरह खात्मा नहीं कहा जा सकता। सुरक्षा एजेंसियों के सामने आतंकियों को मिलने वाली स्थानीय मदद रोकने और नई भर्ती पर लगाम लगाने की चुनौती बनी हुई है।

34.32 करोड़ ...

रकम आने की जानकारी मिलने के बाद अजय बागड़िया ने हरदा में एनएचएआई के परियोजना प्रबंधक मनीष मीणा से संपर्क किया। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि इतनी बड़ी रकम गलती से उनके खाते में ट्रांसफर हुई है। मामला सामने आने के बाद विभाग में हलचल मच गई। परियोजना प्रबंधक ने भुगतान में हुई गलती स्वीकार करते हुए वकील से रकम वापस करने का अनुरोध किया।

9 नवंबर को पूरी रकम लौटाई

अजय बागड़िया ने 9 नवंबर को 34 करोड़ 32 लाख 94 हजार 346 रुपये की पूरी राशि एनएचएआई को वापस कर दी। इस तरह गलत खाते में पहुंची करोड़ों रुपये की रकम दो दिन बाद विभाग को वापस मिल गई। बताया जा रहा है कि अजय बागड़िया एनएचएआई से जुड़े मामलों की पैरवी भी करते हैं।

भुगतान प्रक्रिया पर उठे सवाल

इस घटना के बाद एनएचएआई की भुगतान प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। आमतौर पर किसी भी भुगतान से पहले परियोजना अधिकारी, परियोजना निदेशक और वित्त विभाग के स्तर पर दस्तावेजों तथा बैंक खाते का सत्यापन किया जाता है। इसके बावजूद इतनी बड़ी रकम गलत खाते में कैसे ट्रांसफर हो गई? करीब 48 घंटे तक विभाग को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिली? ये सवाल अब चर्चा में हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 19 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्री गोपाल गौशाला इब्राहिमपट्टनम में अन्नकूट आयोजित



हैदराबाद, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोपाष्टमी के अवसर पर श्री गोपाल गौशाला इब्राहिमपट्टनम में अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम अर्चना शास्त्री एवं उनकी महिला साथियों द्वारा गौमाता की पूजा-अर्चना की गई। भगवान श्रीकृष्ण को भोग लगाकर उपस्थित महिलाओं ने भजनों से प्रभु को रिझाया। इसके बाद उन्होंने अन्नकूट प्रसाद का आनंद लिया। प्रतिमाह गो सेवा करते वाले गायत्रीनगर गौसेवा संघ एवं श्रीराम गौ सेवा मित्र मंडल वनस्थलीपुरम के सदस्यों ने गौ सेवा कर प्रसाद का लाभ लिया। इस अवसर पर सलाहकार- तुलसीराम बंसल, चेयरमैन- महावीर प्रसाद अग्रवाल, वाइस चेयरमैन- सत्बीर गर्ग, मैनेजिंग ट्रस्टी- अर्जुन गोयल, कोषाध्यक्ष- विनोद गर्ग, कार्यकारिणी सदस्यों में- राजेश अग्रवाल, रमेश काबरा, राजुराम सेपटा अपने परिवार सहित अन्नकूट प्रसाद का लाभ लिया।

इस अवसर पर ट्रस्टी शिवकुमार डालिया, कैलाश मनियार, सुरेश गुप्ता, सुभाष भगेरिया, सुभाष ठाकुर, श्रीकिशन अग्रवाल, महेशश गिडवानी एवं भक्त सुनील कुमार अग्रवाल, संजय गुप्ता, चंद्रशेखर जी, राकेश अग्रवाल, दीपक कुमार अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, बजरंगलाल अग्रवाल एवं बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे।



गोशामहल में 88.30 लाख के विकास कार्यों का लोकार्पण

चार डिवीजनों में सीसी सड़क और सीवरेज पाइपलाइन सहित 10 कार्यों का विधायक टी. राजा सिंह ने किया उद्घाटन



हैदराबाद, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के मंगलहाट डिवीजन एवं आसपास के क्षेत्रों में 18 नवंबर को सीसी सड़क निर्माण और सीवरेज पाइपलाइन सहित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह ने पूर्व पार्षदों, डिवीजन अध्यक्षों, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इन कार्यों का उद्घाटन किया।

चार डिवीजनों में कुल 88.30 लाख रुपये की लागत से 10 विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

मंगलहाट डिवीजन

मंगलहाट पुलिस क्वार्टर में सीवरेज पाइपलाइन कार्य पर 8 लाख रुपये, शिवलाल नगर स्थित धर्मेंद्र टेंट हाउस के पास विकास कार्य पर 6 लाख रुपये तथा मंगलहाट पुलिस स्टेशन के निकट काली माता मंदिर के पास कार्य पर 6.20 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इन तीनों कार्यों की कुल अनुमानित लागत 20.20 लाख रुपये है।

दत्तात्रेय नगर डिवीजन

गुफा नगर स्थित जांडेकी गली और आसपास सीसी सड़क निर्माण के लिए 6.20 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। इस डिवीजन में एक विकास कार्य का लोकार्पण किया गया।

गोशामहल डिवीजन

गोशामहल में जाली हनुमान सीसी सड़क के लिए 5.50 लाख रुपये, ऑक्सफोर्ड स्कूल सीसी सड़क के लिए 5.50 लाख रुपये, यादव भवन के पीछे सीसी सड़क के लिए 5 लाख रुपये तथा बचपन स्कूल सीसी सड़क के लिए 10.40 लाख रुपये की लागत निर्धारित की गई है। इन चार कार्यों की कुल लागत 26.40 लाख रुपये है।

बेगम बाजार डिवीजन

बेगम बाजार की स्वास्तिक मिर्ची लाइन में सीसी सड़क निर्माण के लिए 13 लाख रुपये तथा जैन मंदिर सीसी सड़क के लिए 22.50 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। इस डिवीजन में कुल 35.50 लाख रुपये की लागत से दो विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

मंगलहाट में 20.20 लाख, दत्तात्रेय नगर में 6.20 लाख, गोशामहल में 26.40 लाख और बेगम बाजार में 35.50 लाख रुपये के कार्य शामिल हैं। इन सभी की कुल अनुमानित लागत 88.30 लाख रुपये है।

कार्यक्रम में मंगलहाट डिवीजन में पार्षद एम. शशिकला कृष्णा, डिवीजन अध्यक्ष पी. किशोर कुमार, जे.डी. नितिन, हीरालाल सिंह, मुकेश और अप्पू उपस्थित रहे।

दत्तात्रेय नगर डिवीजन में बबलू, विवेक, चिंटू, जगन्नाथ, रविंदर गुप्ता, रामकृष्ण और महिंदर ने भाग लिया।

गोशामहल डिवीजन में सोमराज सिंह, डी. गोपाल, अला पुरुषोत्तम, महेश और प्रशांत मौजूद रहे।

बेगम बाजार डिवीजन में क्रांति, शंकर यादव, पांडु यादव, कट्टा रमेश, दासरी शेखर, पवन, राजकुमार और रघुनंदन यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गोपाष्टमी पर गौमाता का विधिवत पूजन



हैदराबाद, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर चमन भक्त भजन मंडल की ओर से गौमाता का विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक पूजन किया गया। इस अवसर पर हरि किशन ओझा, रतनलाल भंगड़िया, विजय राम सौन्थालिया, कन्हैयालाल प्रेम शुक्ल, सूरज दामोदर ओझा एवं विजय व्यास सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने पूजन कार्यक्रम में भाग लेकर गौमाता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। यह धार्मिक आयोजन हैदराबाद में पुराने उस्मानिया अस्पताल के सामने, चमन क्षेत्र में मुचुकुंदा नदी के किनारे आयोजित किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस स्थान पर पिछले 75 वर्षों से निरंतर प्रतिदिन प्रातः 6 से 7 बजे तक सत्संग का आयोजन किया जा रहा है।

इस दीर्घकालीन सत्संग परंपरा के माध्यम से श्रद्धालु नियमित रूप से धर्म, भक्ति एवं आध्यात्मिकता से जुड़े हुए हैं।

मानव सेवा ही सच्ची सेवा : नवनीता संघी



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क में आयोजित नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए नवनीता संघी ने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना, भूखे को भोजन कराना और किसी के दुख-दर्द में सहभागी बनना ही मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। सेवा का वास्तविक आनंद तभी मिलता है, जब इसे बिना किसी स्वार्थ, भेदभाव और दिखावे के निस्वार्थ भाव से किया जाए।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदुजा, नवनीता संघी एवं वाची संघी सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मानव सेवा और अन्नसेवा के इस पुनीत कार्य को निरंतर जारी रखने तथा समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

आंवला नवमी पर बेगम बाजार में अन्नदान



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आंवला नवमी के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था, सेवा, समर्पण और मानवता के भाव से आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंदों को अन्नसेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में आंवला नवमी का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, परिवार की सुख-समृद्धि और सेवा भावना का संदेश देता है। ऐसे पावन अवसरों पर जरूरतमंदों की सेवा करना ही पर्व की सार्थकता को और बढ़ाता है।

सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध करवाने का माध्यम नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने और उसके जीवन में अपनत्व का एहसास जगाने का पुनीत कार्य है। कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल धरशुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, नरेश बंसल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल एवं लता गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।



बेगम बाजार स्थित खेमदास मठ में 'श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट' द्वारा निर्मित 'श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर' का पाँच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 22 से 26 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में शामिल होने के लिए ट्रस्ट की ओर से श्री श्याम मंदिर, काचीगुड़ा; श्री श्याम मंदिर सेवा समिति; श्री हनुमान मंदिर, काचीगुड़ा; श्री श्याम युवा मंडल; माहसर माता सेवा समिति; 'हम तो बाबा के भरोसे चलते हैं' समूह; रितेश कुमार अग्रवाल तथा एडवोकेट अवधेश नारायण संघी को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के विनय जैन, दीपक कुमार गुप्ता, गिरीश कुमार, संदीप जैन, प्रदीप गुप्ता, प्रवीण गोयल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सूत्रधार का वार्षिकोत्सव सम्पन्न



हैदराबाद, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद का छठा वार्षिकोत्सव, दीपावली मिलन एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह डीआरडीओ टाउनशिप, कंचनबाग में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय के परामर्शदाता प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने की। उस्मानिया विश्वविद्यालय की पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शुभदा वांजपे मुख्य अतिथि, आकाशवाणी हैदराबाद की सहायक कार्यक्रम निदेशक श्रीमती सीमा कुमारी विशिष्ट अतिथि तथा तेलंगाना हिन्दी साहित्य भारती के अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह 'नयन' सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

संस्थापिका सरिता सुराणा ने स्वागत संबोधन में संस्था की छह वर्षों की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में अब तक 459 ऑनलाइन तथा अनेक ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता, पुस्तकें तथा विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार किरन सिंह के तीन काव्य संग्रहों 'उड़ान मन पंखों की', 'गुनगुनाता बचपन' और 'क्या मैं कान्हा बन सकता हूँ?' का लोकार्पण किया गया। डॉ. रक्षा मेहता, डॉ. सुरभि दत्त और सुहास भटनागर ने पुस्तकों का समीक्षात्मक परिचय दिया। लेखिका किरन सिंह ने अपने लेखकीय अनुभव साझा करते हुए लेखन यात्रा में परिवार, विशेषकर अपने पति के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। संस्था की ओर से लेखिका और समीक्षकों सहित शुभ्रा मोहन्तो एवं तृप्ति मिश्रा का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर डॉ. राजीव सिंह, श्रीमती सीमा कुमारी और डॉ. शुभदा वांजपे ने संस्था के साहित्यिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए लेखिका को बधाई दी। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने संस्था के पांच उद्देश्यों को आज के समाज के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए बाल साहित्य को बच्चों के सर्वांगीण विकास का आधार बताया।

शुभ्रा मोहन्तो ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तथा किरन सिंह की पुस्तक से एक रचना का सस्वर पाठ किया।

सरिता सुराणा ने संस्था का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और सिंह परिवार के सहयोग के प्रति आभार जताया। सुहास भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा तृप्ति मिश्रा ने संचालन किया। कार्यक्रम में शहर के अनेक साहित्यकार, संस्था के सदस्य, डीआरडीओ के वैज्ञानिक एवं उनके परिजन उपस्थित थे। प्रीतिभोज के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

अय्यप्पा दीक्षा पर समान सुविधा देने की मांग

हिंदू पुलिसकर्मियों व सरकारी कर्मचारियों को 41 दिवसीय दीक्षा के लिए छुट्टी लेने हेतु बाध्य न करने का आग्रह

हैदराबाद, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक टी. राजा सिंह लोध ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर हिंदू पुलिसकर्मियों एवं सरकारी कर्मचारियों को भगवान अय्यप्पा की 41 दिवसीय दीक्षा करने के लिए समान सुविधाएं एवं अनुमति देने की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया कि धार्मिक आस्था के आधार पर किसी भी कर्मचारी के साथ भेदभाव नहीं किया जाए तथा दीक्षा के दौरान उन्हें पूरे 41 दिन छुट्टी लेने के लिए बाध्य अथवा दबाव में न रखा जाए।

बढ़ रही अय्यप्पा भक्तों की संख्या

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में राजा सिंह ने कहा कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश सहित पूरे देश में भगवान अय्यप्पा के भक्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो हिंदुओं की बढ़ती श्रद्धा और आध्यात्मिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अय्यप्पा परंपरा के अनुसार भक्त 41 दिनों की दीक्षा लेते हैं, जिसमें अय्यप्पा माला धारण करना, शुद्धता बनाए रखना, पूजा-अर्चना करना तथा धार्मिक नियमों का पालन करना शामिल है। अनेक सरकारी कर्मचारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, एसएचओ, सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल और होमगार्ड भी इस पवित्र दीक्षा का पालन करते हैं। उनकी श्रद्धा है कि भगवान अय्यप्पा उनके परिवारों को सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करेंगे।



उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू सरकारी कर्मचारियों, विशेषकर 41 दिवसीय अय्यप्पा दीक्षा का पालन करने वाले पुलिसकर्मियों को कथित तौर पर पूरे धार्मिक अनुष्ठान की अवधि के लिए छुट्टी लेने हेतु दबाव दिया जा रहा है अथवा निर्देश दिए जा रहे हैं। इससे समानता और धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर गंभीर सवाल उठते हैं।

रमजान में सुविधाएं तो अय्यप्पा दीक्षा में क्यों नहीं?

राजा सिंह ने पत्र में उल्लेख किया कि रमजान के पवित्र महीने में मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों को धार्मिक गतिविधियों के पालन के लिए कुछ सुविधाएं दी जाती हैं, जिनमें प्रार्थना के समय तथा ड्यूटी शेड्यूल में प्रशासनिक स्तर पर संभवतानुसार व्यवस्थाएं शामिल होती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि एक धार्मिक समुदाय के लिए ऐसी उचित सुविधाओं पर विचार किया जा सकता है, तो अय्यप्पा दीक्षा का पालन करने वाले हिंदू कर्मचारियों को भी समान सुविधाएं क्यों नहीं दी जानी चाहिए?

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान कानून के समक्ष समानता और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। सरकार का दायित्व है कि प्रत्येक धार्मिक समुदाय को समान सम्मान, विचार और व्यवहार मिले। पुलिस कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल और होमगार्ड को 41 दिनों की छुट्टी लेने के लिए बाध्य करना विशेष रूप से अनुचित है, क्योंकि पुलिसकर्मियों को सालाना लगभग 15 दिन आकस्मिक अवकाश मिलता है, जिसका उपयोग उन्हें व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए भी करना पड़ता है।

सरकार के समक्ष रखी मांगें

टी. राजा सिंह ने तेलंगाना सरकार से निम्न मांगें रखी हैं :

1) 41 दिवसीय अय्यप्पा दीक्षा का पालन करने वाले हिंदू पुलिसकर्मियों एवं सरकारी कर्मचारियों को 41 दिनों की छुट्टी लेने के लिए बाध्य अथवा धमकाया नहीं जाए।

2) प्रशासनिक और कार्य संचालन की परिस्थितियों के अनुसार ड्यूटी के समय एवं जिम्मेदारियों में उचित बदलाव की अनुमति देने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

3) सभी धार्मिक समुदायों के धार्मिक अनुष्ठानों के लिए बिना किसी भेदभाव के समान सुविधाओं पर विचार किया जाए।

4) अय्यप्पा माला धारण करने एवं दीक्षा का पालन करने के कारण किसी भी पुलिस अधिकारी, कांस्टेबल, होमगार्ड अथवा सरकारी कर्मचारी को प्रताड़ना, भेदभाव या विभागीय दबाव का सामना न करना पड़े।

5) तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सभी पुलिस इकाइयों को उचित निर्देश जारी करें, ताकि अय्यप्पा भक्तों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए उनके साथ समान व्यवहार सुनिश्चित किया जा सके।

पत्र के अंत में राजा सिंह ने कहा कि सरकार की दो आंखें हैं और दोनों आंखों को प्रत्येक नागरिक को समान रूप से देखना चाहिए। हिंदुओं के लिए अलग नियम और मुसलमानों के लिए अलग नियम नहीं हो सकते। समानता एवं धर्मनिरपेक्ष शासन का अर्थ सभी के लिए समान सम्मान और समान व्यवहार है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से इस मामले पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने तथा संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया। धार्मिक स्वतंत्रता संवैधानिक अधिकार है, न कि ऐसा विशेषाधिकार जो किसी व्यक्ति के धर्म पर निर्भर हो।

हैदराबाद में सड़क कांग्रेस आज से

85वीं भारतीय सड़क कांग्रेस में जुटेंगे 3,500 प्रतिनिधि; सड़क सुरक्षा, एआई और आधुनिक तकनीक पर होगी चर्चा

हैदराबाद, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में गुरुवार से 85वीं भारतीय सड़क कांग्रेस का आयोजन शुरू होगा, जिसमें लगभग 3,500 प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। चार दिवसीय यह सम्मेलन 19 से 22 नवंबर तक हाईटेक्स में आयोजित किया जाएगा।

तेलंगाना के सड़क एवं भवन निर्माण मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, तेलंगाना के केंद्रीय मंत्री तथा अन्य प्रमुख हस्तियां सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी।

मंत्री ने बताया कि इस वर्ष सम्मेलन में पर्यावरण अनुकूल सड़क निर्माण, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना करने में सक्षम आधारभूत संरचना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल तकनीक, इलेक्ट्रिक वाहन, आधुनिक परिवहन प्रणालियों और निर्माण की नवीन पद्धतियों सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

सम्मेलन में 'राइट टू वॉक' (पैदल चलने का अधिकार) विषय पर विशेष पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के सुरक्षित पैदल आवागमन के अधिकार को प्रमुखता दी जाएगी।

उद्घाटन के बाद नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी संयुक्त रूप से तेलंगाना की सड़क आधारभूत संरचना तथा राज्य सरकार की विभिन्न प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। उल्लेखनीय है कि हैदराबाद में इससे पहले छह बार भारतीय सड़क कांग्रेस का आयोजन हो चुका है। वर्ष 1934 में स्थापित भारतीय सड़क कांग्रेस ने देशभर में सड़कों और पुलों के विकास, निर्माण गुणवत्ता में सुधार, सड़क सुरक्षा मानकों तथा आधुनिक तकनीकों को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तीनों पुलिस कमिश्नरेट में बेहतर समन्वय पर जोर

पुलिस आयुक्त महेश मुरलीधर भागवत ने कहा-नागरिकों को क्षेत्राधिकार के कारण परेशानी नहीं होनी चाहिए



हैदराबाद, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवनियुक्त हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्त डॉ. महेश मुरलीधर भागवत ने बुधवार को हैदराबाद, साइबराबाद और मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नरेट के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तीनों कमिश्नरेट के बीच आपसी सहयोग और तालमेल आवश्यक है।

क्षेत्राधिकार की बाधाएं दूर करने पर जोर

इस संबंध में आयोजित औपचारिक बैठक में साइबराबाद पुलिस आयुक्त एम. रमेश और मल्काजगिरी पुलिस आयुक्त बी. सुमति भी उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्त का पदभार संभालने पर डॉ. भागवत को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

बैठक में डॉ. भागवत ने कहा कि पुलिस से सहायता मांगने वाले नागरिकों को क्षेत्राधिकार संबंधी बाधाओं या किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ना चाहिए। तीनों कमिश्नरेट के बीच प्रभावी समन्वय एवं सहयोग से आम जनता की शिकायतों पर शीघ्र कार्रवाई और निर्बाध पुलिस सेवाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयास, आपसी सहयोग और समर्पण से पुलिस व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी, जनता का विश्वास बढ़ेगा तथा तेलंगाना पुलिस और राज्य सरकार की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

हनुमान मंदिर में अखंड रामचरितमानस पाठ, छप्पन भोग और अन्नकूट 22 को



हैदराबाद, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल, भाग्यनगर की ओर से कोतवालगुड़ा स्थित श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर, सीआर नगर में अखंड रामचरितमानस पाठ एवं भव्य अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन 21 और 22 नवंबर को किया जाएगा।

पंडित लालाजी शुक्ला महाराज एवं पंडित विनीत शुक्ला महाराज द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार, 21 नवंबर को दोपहर 12:31 बजे संपूट सहित अखंड रामचरितमानस पाठ प्रारंभ होगा। इसका समापन रविवार, 22 नवंबर को दोपहर 1:01 बजे आरती के साथ होगा।

इसके पश्चात हनुमान जी महाराज के श्रृंगार की आरती तथा छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। साथ ही दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक भव्य अन्नकूट प्रसाद का आयोजन होगा।

मंदिर परिसर में प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को संपूट सहित हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ और हनुमान जी की आरती भव्य रूप से की जाती है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

पेयजल समस्या उठाई





हैदराबाद, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौलीगुड़ा सहित गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में पिछले कुछ दिनों से बनी पेयजल और सीवरेज संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए गोशामहल के भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने जलमंडल के प्रबंध निदेशक (एमडी) अशोक रेड्डी से अनुरोध किया। बुधवार को उन्होंने अशोक रेड्डी से शिष्टाचार भेंट कर दूषित जल आपूर्ति सहित लंबित समस्याओं को शीघ्र हल करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश

ज्ञापन पर प्रतिक्रिया देते हुए जलमंडल एमडी अशोक रेड्डी ने तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कर समस्याओं का समाधान करने के लिए डीओपी-2 किरण को निर्देश दिए। आनंद कुमार गौड़ ने बताया कि इसके बाद डीओपी-2 किरण ने तत्काल कार्यों को मंजूरी देते हुए वित्त विभाग को प्रस्ताव भेज दिए हैं। साथ ही, अगले दो-तीन दिनों में निविदा (टेंडर) प्रक्रिया भी पूरी होने की संभावना है।

सीवरेज समस्या का निरीक्षण

गौलीगुड़ा में सीवरेज की समस्या से अवगत कराने पर जलमंडल एमडी अशोक रेड्डी ने महाप्रबंधक (जनरल मैनेजर) अल्ताफ को इसके समाधान के निर्देश दिए। इसके बाद महाप्रबंधक अल्ताफ ने बेगमबाजार के प्रबंधक कुलशेखर के साथ क्षेत्र का निरीक्षण किया और समस्या के समाधान के लिए प्रस्ताव भेज दिए।

अपने अनुरोध पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पेयजल और सीवरेज समस्याओं के समाधान के निर्देश देने के लिए आनंद कुमार गौड़ ने गोशामहल विधानसभा क्षेत्र की जनता की ओर से जलमंडल एमडी अशोक रेड्डी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि गोशामहल की जनता को यह पहचानना चाहिए कि जनसमस्याओं के समाधान के लिए कौन प्रयास कर रहा है। पार्षद के चुनाव में हारने के बावजूद वे निराश नहीं हुए और लगातार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत हैं।

उन्होंने कहा कि भले ही उनकी पार्टी सत्ता में नहीं है, लेकिन राजनीति में अपने 30 वर्षों के अनुभव के आधार पर वे क्षेत्र में कहीं भी समस्या उत्पन्न होने पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हैं। संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में समस्या लाकर उसके समाधान का प्रयास करते हैं।

न्यूयॉर्क में बड़े भाई की गोली से हैदराबाद निवासी युवक की मौत

हैदराबाद, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित हिक्सविल में 14 नवंबर को हैदराबाद निवासी 24 वर्षीय युवक मोहम्मद इब्राहिम अहमद की अपने बड़े भाई की गोली लगने से मौत हो गई। इस मामले में बड़े भाई मोहम्मद बशीर अहमद (27) के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और हथियार रखने के आरोप लगाए गए हैं। नासाउ काउंटी पुलिस विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है।पुलिस के अनुसार, 14 नवंबर की रात 12:01 बजे 459 साउथ ब्रॉडवे, हिक्सविल के पास एक वाहन में गोली लगने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहां मोहम्मद इब्राहिम अहमद पीठ में गोली लगने से घायल अवस्था में मिले। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।17 नवंबर को जारी पुलिस विभाग के अपडेट के अनुसार, जांचकर्ताओं ने पाया कि दोनों भाई वाहन के अंदर मौजूद थे, तभी मोहम्मद बशीर अहमद की पिस्तौल से कथित तौर पर गलती से गोली चल गई। पुलिस ने अभी तक सार्वजनिक रूप से यह विस्तृत जानकारी नहीं दी है कि गोली चलने की परिस्थितियां क्या थीं और पिस्तौल वाहन के अंदर कैसे पहुंची।

खाद्य सुरक्षा उल्लंघन पर चार भोजनालय बंद

चार अन्य प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस निलंबित; 300 किलो खाद्य सामग्री जब्त, आठ नमूने जांच के लिए लिए

हैदराबाद, 18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी फॉर फूड एंड एसेंशियल ड्रग्स (टीजी सेफ) की टीमों ने बुधवार को क्योर क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करते हुए हैदराबाद के चार भोजनालयों को कारोबार बंद करने के आदेश दिए, जबकि चार अन्य प्रतिष्ठानों के खाद्य सुरक्षा लाइसेंस निलंबित कर दिए। उपभोक्ताओं से मिली शिकायतों के आधार पर यह निरीक्षण किया गया।

10 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की पांच प्रवर्तन टीमों ने 10 रेस्तरां, होटल और हॉस्टल का निरीक्षण किया। इस दौरान रसोई में कॉकरोच, साफ-सफाई की खराब स्थिति, नालियों में रुकावट और खाद्य पदार्थों के अनुचित भंडारण सहित कई अनियमितताएं सामने आईं। कार्रवाई के दौरान लगभग 300 किलो खाद्य सामग्री जब्त की गई अथवा नष्ट कर दी गई। मिलावट की आशंका पर खाद्य पदार्थों के आठ नमूने भी जांच के लिए एकत्रित किए गए।

किन प्रतिष्ठानों पर हुई कार्रवाई?

राजीव नगर, कुकटपल्ली स्थित न्यू ब्लू स्टार रेस्टोरेंट और पंजागुट्टा स्थित श्रीनिवास बॉयज हॉस्टल को एफएसए-सएआई लाइसेंस अथवा पंजीकरण के बिना संचालन करने तथा अस्वच्छ परिस्थितियों के कारण बंद करने के आदेश दिए गए।



सिकंदराबाद के एसपी रोड स्थित तत्वा रेस्टोरेंट को निरीक्षण में पाई गई कमियों को दूर करने के निर्देश देते हुए सुधार नोटिस जारी किया जाएगा। गंभीर अनियमितताओं के मामले में पांच प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए जाएंगे, जिनमें बंद किए गए दोनों प्रतिष्ठान शामिल हैं। जांच के निष्कर्षों के आधार पर जुर्माने सहित आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चार प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित

जनस्वास्थ्य के हित में निम्नलिखित चार प्रतिष्ठानों के एफएसएसएआई लाइसेंस निलंबित कर तत्काल कारोबार बंद करने के निर्देश दिए गए :

1. अल्फा होटल एंड स्टोर्स एंड लॉज, सिकंदराबाद : अधिकारियों को दीवारों, छत और एग्जॉस्ट सिस्टम पर उखड़ा हुआ पेंट, जाम नालियां, स्टोर रूम के एग्जॉस्ट के पास पक्षियों की बीट, गंदे शौचालय, मक्खियां और कॉकरोच मिले। खाद्य पदार्थों को लपेटने अथवा ढकने के लिए समाचार पत्रों का इस्तेमाल भी किया जा रहा था।

2. पांदेम कोडी रेस्टोरेंट, वेंगल राव नगर : रसोई की दीवारों और चिमनियों पर चिकनाई जमा थी। काटने वाले स्थान के पास जंग लगे चाकू और कॉकरोच पाए गए। प्रतिष्ठान में कर्मचारियों के स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड और पानी की जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं थी।

3. लहम हाउस, जुबली हिल्स : रसोई में जगह-जगह घरेलू मक्खियां मिलीं। प्रवेश द्वार के पास पानी जमा था, फर्श टूटा हुआ था और नालियों में खाद्य अपशिष्ट पाया गया। कच्चे और अर्ध-तैयार खाद्य पदार्थों पर उचित लेबल नहीं थे। फ्रीजर बंद मिला तथा कर्मचारियों के स्वास्थ्य और पानी की जांच से संबंधित रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं थे।

4. स्पाइस किचन रेस्टोरेंट, गौलीडोड्डी : रसोई परिसर के अंदर शौचालय पाया गया। अर्ध-तैयार बचा हुआ भोजन कच्चे मांस के साथ रखा हुआ था। सब्जियों और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को एक साथ रखा गया था। इसके अलावा कॉकरोच, गंदे बर्तन और आवश्यक रिकॉर्ड की कमी भी सामने आई।



पान मंडी स्थित ज्ञानबाग कॉलोनी के दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्य सुनील पांडेय, प्रमुख पुजारी रविशंकर द्विवेदी (कुबेर महाराज), रामशिरोमणि तिवारी, भरत द्विवेदी, कैलाश द्विवेदी, पवन द्विवेदी, पैसुनी तिवारी, ललन तिवारी, भूपति महाराज, आनंद सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।



सिकंदराबाद स्थित होटल 'द इनक्रेडिबल वन' में सिकंदराबाद गोल्ड, सिल्वर एंड डायमंड मर्चेंट एसोसिएशन की ओर से दिवाली मिलन समारोह एवं मैनेजिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एक-दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं दीं तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद वर्मा, महामंत्री चंदा श्रीनिवास राव, कोषाध्यक्ष मन्नेपल्ली मुरली कृष्ण के अतिरिक्त प्रकाश पाटिल, सुरेश भोसले, पवन वर्मा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.